SCERT

स्वाध्यायान्मा प्रमदः

दिल्ली सरकार

कक्षा 8

New Era of Entrepreneurial Ecosystem & Vision

उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग

(NEEEV)

विद्यार्थी निर्देशिका 2026-27

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, दिल्ली

उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग
(NEEEV)

सोच से सृजन तक - उद्यमिता की उड़ान

विद्यार्थी निर्देशिका 2026-27

कक्षा
8

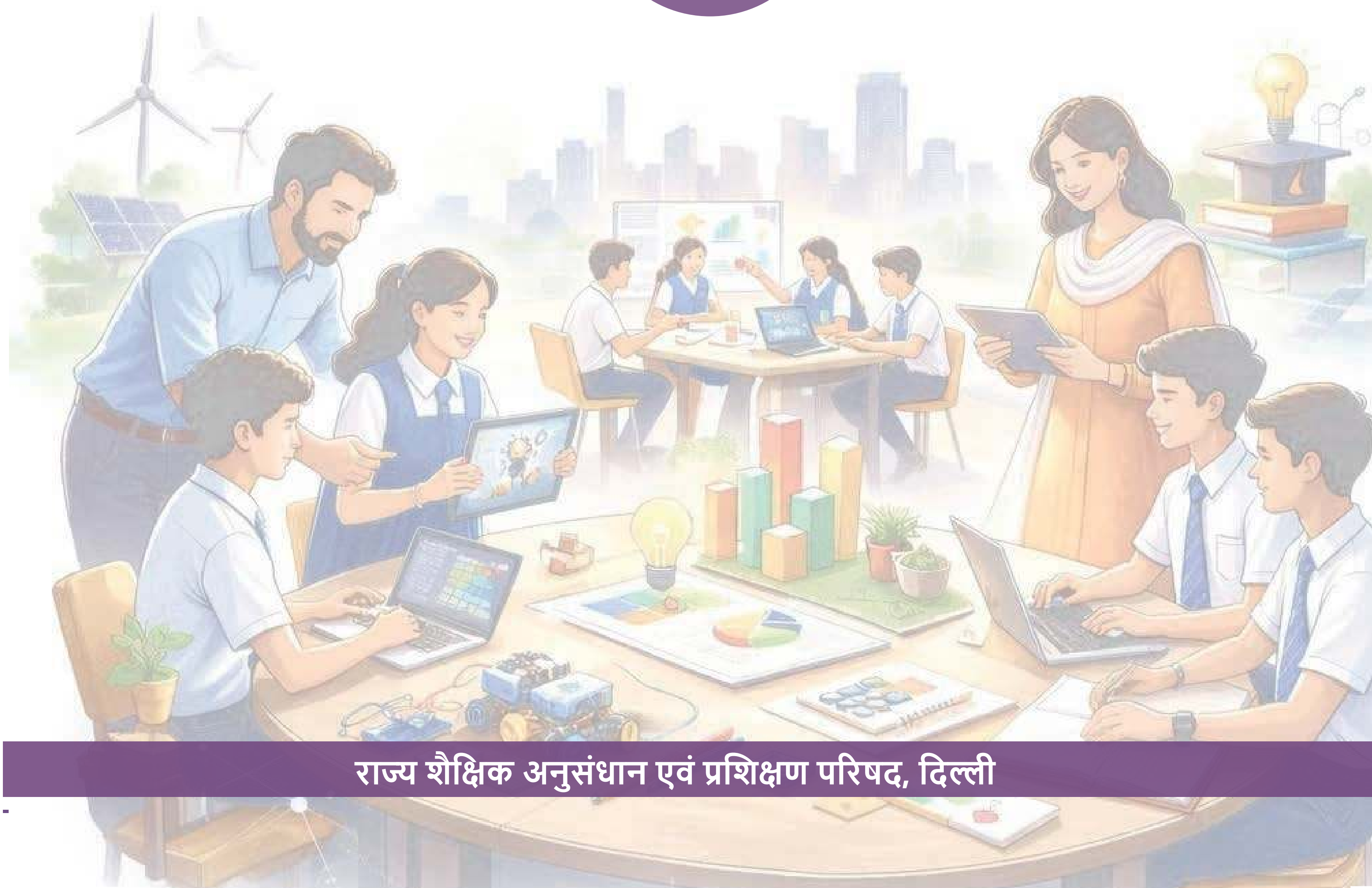

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, दिल्ली

उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV) विद्यार्थी निर्देशिका कक्षा 8
February, 2026
Copies : 203150

Published by:

State Council of Educational Research and Training (SCERT)

ISBN No.: 978-93-6291-480-4

© 2026 SCERT. All rights reserved.

First Edition: 2026

No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted in any form or by any means electronic, mechanical, photocopying, recording, or otherwise without prior written permission from the publisher.

This publication has been designed as part of SCERT's mission to provide high-quality, innovative educational resources that empower teachers and students across the state. It aims to foster 21st-century skills, including creativity, critical thinking, problem-solving, and real-world application of knowledge.

The content is intended solely for academic purposes and is not for commercial sale or distribution.

Printed at : M/s Chandu Press, D-97, Shakarpur, Delhi- 110092.

सत्यमेव जयते

रेखा गुप्ता

मुख्यमंत्री, दिल्ली

संदेश

हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भारत के युवाओं को न केवल आकांक्षी पेशेवरों के रूप में नहीं बल्कि उद्यम सृजन करने वाले नवप्रवर्तकों के रूप में देखा है। स्टार्टअप इंडिया तथा अटल नवाचार मिशन (AIM) जैसी पहल ने उनकी इस दूरदर्शी सोच को साकार रूप दिया है और देश में नवाचार एवं उद्यमिता की संस्कृति को सुदृढ़ किया है। ये परिवर्तनकारी कदम प्रत्येक युवा मस्तिष्क की सृजनात्मक क्षमता को उजागर करने की दिशा में महत्त्वपूर्ण हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 इस दूरदृष्टि को आगे बढ़ाते हुए कौशल-आधारित तथा अनुभवात्मक अधिगम पर विशेष बल देती है, जो विद्यार्थियों को गतिशील विश्व में सफलता हेतु सक्षम बनाता है। इसी क्रम में 'उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV)' योजना इन परिवर्तनकारी प्रयासों को समर्थन प्रदान करती है। इसका उद्देश्य हमारे कक्षाओं के भीतर ही उद्यमी चिंतन के बीज बोना है।

यह निर्देशिका हमारे उस सतत प्रयास की आधारशिला है, जिसके माध्यम से हम शिक्षण स्थलों को नवाचार के केंद्रों में परिवर्तित करना चाहते हैं। ऐसे केंद्र जहाँ विद्यार्थियों को विचार उत्पन्न करने, अन्वेषण करने तथा पहल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

इस निर्देशिका का प्रकाशन भविष्य के लिए तत्पर, आत्मनिर्भर, सृजनशील एवं समाज तथा अर्थव्यवस्था में सार्थक योगदान देने में सक्षम पीढ़ी के निर्माण के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

मैं इस निर्देशिका के विकास में योगदान देने वाले सभी शिक्षकों, पाठ्यक्रम विशेषज्ञों एवं सहयोगियों के प्रति अपनी हार्दिक सराहना व्यक्त करती हूँ। यह निर्देशिका एक प्रेरणा-दीप के रूप में कार्य करे और हमारे राज्य सहित देशभर के विद्यालयों को उद्यमिता की भावना को अपनाने तथा प्रत्येक शिक्षार्थी में सृजन, नवाचार और नेतृत्व का साहस जागृत करने हेतु प्रेरित करे।

RekhaGupta

(रेखा गुप्ता)

National Capital Territory of Delhi, Delhi Secretariat, I.P. Estate, New Delhi-110002
Phone No. 011-23392006, 011-23392020, 011-23392030 || Email- cmdelhi@nic.in

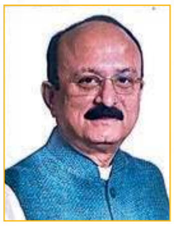

आशीष सूद

गृह, ऊर्जा, शहरी विकास, शिक्षा, उच्च शिक्षा, प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार

संदेश

प्रिय विद्यार्थियों एवं शिक्षकों,

हमारा देश एक नए दौर के प्रवेश द्वार पर खड़ा है, जहाँ नवाचार, आत्मनिर्भरता और उद्यमिता हमारे भविष्य की दिशा निर्धारित करेंगे। इसी दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए 'उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV)' पाठ्यक्रम को विकसित किया गया है।

NEEEV केवल एक पाठ्यक्रम नहीं है, यह सोचने और कार्य करने की एक नई पद्धति है। यह हमें सिखाता है कि प्रत्येक विचार, चाहे वह कितना भी छोटा क्यों न हो यदि उसे परिश्रम और समर्पण के साथ आगे बढ़ाया जाए तो वह समाज में व्यापक परिवर्तन ला सकता है।

इस योजना के माध्यम से विद्यार्थी समस्याओं को अवसरों में बदलना, विचारों को साकार रूप देने वाले समूह बनाना सीखेंगे तथा यह समझेंगे कि असफलता भी विकास की एक आवश्यक प्रक्रिया है। यह उन्हें आत्मविश्वासी, सृजनशील और उत्तरदायी नागरिक बनने के लिए प्रेरित करेगा।

हमारे शिक्षक इस यात्रा के वास्तविक मार्गदर्शक हैं। वे केवल ज्ञान प्रदान नहीं करते अपितु विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और संकल्प भी जागृत करते हैं। मुझे विश्वास है कि NEEEV दिल्ली के प्रत्येक विद्यालय में नवाचार और उद्यमिता की नई ऊर्जा का संचार करेगा।

आइए, हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक बच्चा केवल रोजगार खोजने वाला नहीं बल्कि अवसरों का सृजनकर्ता बने, जो अपने सपनों के साथ-साथ राष्ट्र को भी नई ऊंचाइयों तक ले जाए।

(आशीष सूद)

A-Wing, 7th Level, Delhi Secretariat, I.P. Estate, New Delhi-110002
Tel. No.:23392116, 23392117 Email : min-hep@delhi.gov.in

पांडुरंग के. पोले, भा.प्र.से
सचिव (शिक्षा)
PANDURANG K. POLE, IAS
SECRETARY (Education)

सत्यमेव जयते

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार
पुराना सचिवालय, दिल्ली–110054
दूरभाष: 011–23890187, 23890119
Government of National Capital Territory of Delhi
Old Secretariat, Delhi-110054
Phone: 23890187, 23890119
E-mail : sccyedu@nic.in

संदेश

आज के तीव्र परिवर्तनशील विश्व में शिक्षा केवल ज्ञान के संप्रेषण तक सीमित नहीं रह सकती। शिक्षा को अब केवल ज्ञान प्रदान करने से आगे बढ़कर बच्चों को नेतृत्व करने, वास्तविक समस्याओं का समाधान करने और निरंतर विकसित होती दुनिया के अनुरूप स्वयं को ढालने में सक्षम बनाना होगा। वैश्विक अर्थव्यवस्था और आजीविका परिदृश्य में व्यापक परिवर्तन के इस दौर में हमारे विद्यालयों में उद्यमी मानसिकता का विकास पहले से अधिक आवश्यक हो गया है।

'उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV)' योजना इसी दिशा में एक साहसिक एवं दूरदर्शी पहल है। इसका उद्देश्य विद्यालय स्तर से ही विद्यार्थियों में आलोचनात्मक चिंतन, सृजनात्मकता, नेतृत्व क्षमता तथा लचीलापन विकसित करना है। हमारे विद्यालय ही राज्य की भावी कार्य शक्ति और नवाचार क्षमता की आधारशिला हैं।

यह निर्देशिका ऐसे शैक्षिक परिवेश के निर्माण के लिए तैयार की गई है, जहाँ विद्यार्थी स्वतंत्र रूप से सोच सकें, नैतिक रूप से कार्य कर सकें तथा स्थानीय और वैश्विक चुनौतियों का आत्मविश्वास के साथ सामना कर सकें। यह हमारे शिक्षकों को उचित दृष्टिकोण और मार्गदर्शन के साथ इन उद्देश्यों की प्राप्ति में सहयोग प्रदान करेगी। आने वाले वर्षों में हम ऐसे अधिक से अधिक विद्यालयों की कल्पना करते हैं जो विद्यार्थियों को विचार-सृजन, सहयोगात्मक समस्या-समाधान और सामुदायिक परियोजनाओं में सक्रिय रूप से संलग्न करें, जिनका विस्तार पाठ्यपुस्तकों की सीमाओं से कहीं आगे तक हों।

यह निर्देशिका शिक्षकों को NEEEV की परिकल्पना को व्यवहारिक रणनीतियों, कक्षा-गतिविधियों और चिंतनशील अभ्यासों के माध्यम से लागू करने में सहायक होगी। यह हमारे उस विश्वास को प्रतिबिंबित करती है कि प्रत्येक विद्यार्थी में ऐसे विचार विकसित करने की क्षमता है, जो उनके आस-पास की दुनिया को सकारात्मक रूप से परिवर्तित कर सकते हैं।

आइए, हम सब मिलकर NEEEV को परिवर्तन का उत्प्रेरक बनाएँ, जहाँ प्रत्येक विद्यालय नवाचार का केंद्र बने, प्रत्येक शिक्षक भावी नेतृत्व का मार्गदर्शक बने और प्रत्येक विद्यार्थी राज्य तथा राष्ट्र की प्रगति में सक्रिय योगदानकर्ता बने।

(पांडुरंग के. पोले)

वेदिता रेड्डी, भा.प्र.से.
निदेशक, शिक्षा एवं खेल

सत्यमेव जयते

Directorate of Education
Govt. of NCT of Delhi
Room No. 12, Old Secretariat
Near Vidhan Sabha,
Delhi-110054
Ph.: 011-23890172
E-mail : diredu@nic.in

संदेश

हम आज ऐसे समय में जी रहे हैं, जब विश्व पहले से कहीं अधिक तीव्र गति से बदल रहा है। इस परिवर्तित परिदृश्य में सृजनात्मकता, अनुकूलनशीलता और समस्या-समाधान की क्षमता उतनी ही महत्त्वपूर्ण है, जितनी शैक्षणिक उपलब्धियाँ। एक शिक्षक के रूप में हमारा दायित्व केवल विद्यार्थियों को परीक्षाओं के लिए तैयार करना नहीं बल्कि उन्हें जीवन की व्यापक चुनौतियों के लिए सक्षम बनाना है।

'उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV)' योजना हमारे युवाओं को आत्मनिर्भर, नवाचारी और सामाजिक रूप से जागरूक नागरिकों के रूप में विकसित करने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जो आत्मविश्वास और संवेदनशीलता के साथ भविष्य का निर्माण कर सकें।

NEEEV का उद्देश्य एक सशक्त, व्यावहारिक और दूरदर्शी दृष्टिकोण के माध्यम से विद्यालयों को उद्यमी अधिगम के जीवंत केंद्रों में परिवर्तित करना है। इस निर्देशिका के माध्यम से हमारा प्रयास है कि उद्यमिता केवल औपचारिक कक्षाओं तक सीमित न रहे। प्रत्येक कक्षा एक ऐसा मंच बने, जहाँ हर विद्यार्थी, चाहे उनका सामाजिक या आर्थिक परिवेश कोई भी हो वह विचारों की खोज कर सके, पहल कर सके और नेतृत्व गुणों का विकास कर सके। यह केवल भविष्य के व्यवसायियों को तैयार करने तक सीमित नहीं है बल्कि एक ऐसी मानसिकता विकसित करने पर बल देती है, जो चुनौतियों को अवसर के रूप में स्वीकार करें, उत्तरदायित्व निभाए और समुदाय के व्यापक हित में योगदान दे। यह निर्देशिका एक ऐसे शैक्षिक वातावरण की परिकल्पना करती है, जहाँ शिक्षक मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हुए विद्यार्थियों को स्वतंत्र चिंतन, सहयोगात्मक कार्य तथा विचारों को क्रियान्वयन में बदलने के लिए प्रेरित करें।

आइए, हम सब मिलकर एक ऐसे युग की शुरुआत करें, जहाँ हमारे विद्यार्थी कर्मशील, स्वप्नदृष्टा और परिवर्तन के अग्रदूत बनें।

(वेदिता रेड्डी, भा.प्र.से.)

डॉ. रीता शर्मा
निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी.

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH and TRAINING
(An autonomous Organisation of GNCT of Delhi)
Varun Marg, Defence Colony, New Delhi-110024
Tel.: +91-11-24331356
E-mail : dir12scert@gmail.com

संदेश

आज की कक्षाएँ केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता तक सीमित नहीं रह सकतीं, उन्हें विद्यार्थियों को सृजनात्मक चिंतक, नवप्रवर्तक और भविष्य के नेतृत्वकर्ता बनने के लिए प्रेरित करना होगा। 'उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV)' योजना विद्यालयी शिक्षा में उद्यमी कौशलों को समाहित करते हुए इस लक्ष्य की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। यह निर्देशिका हमारे शिक्षकों को आत्मनिर्भर, नवाचारी और सामाजिक रूप से उत्तरदायी युवा उद्यमियों की पीढ़ी तैयार करने में सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से विकसित की गई है।

NEEEV का मूल दर्शन विभिन्न विषयों में उद्यमी कौशलों के समन्वित समावेशन पर आधारित है, जिससे विद्यार्थी अपने दैनिक अधिगम में आलोचनात्मक और सृजनात्मक चिंतन विकसित कर सकें। यह योजना विद्यार्थियों को प्रोटोटाइप बनाने, प्रयोग करने और आत्मविश्वास के साथ अपने विचारों को साकार करने के अवसर प्रदान करती है। यह पहल विद्यार्थियों को स्टार्टअप जगत के उन अनुभवी मार्गदर्शकों से जोड़ती है, जिन्होंने स्वयं सफलता की इस यात्रा को तय किया है ताकि उन्हें उद्यमिता का वास्तविक और व्यावहारिक मार्गदर्शन मिल सके। इस प्रकार शिक्षार्थियों को ऐसी चुनौतियों से परिचित कराया जाता है जो सतत नवाचार और सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करती हैं।

सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि NEEEV एक समावेशी संस्कृति को बढ़ावा देती है, जहाँ किसी भी पृष्ठभूमि का बच्चा सार्थक योगदान देने और वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान विकसित करने के लिए सशक्त बनता है। यह निर्देशिका शिक्षकों के लिए एक मार्गदर्शिका होने के साथ-साथ विद्यार्थियों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है कि उनके विचार महत्त्वपूर्ण हैं और उनका भविष्य उज्ज्वल है।

आइए, हम सब मिलकर ऐसे विद्यालयों का निर्माण करें, जहाँ नवाचार फले-फूले और प्रत्येक शिक्षार्थी साहस, संवेदनशीलता और सृजनात्मकता के साथ नेतृत्व करने के लिए तैयार हो।

(डॉ. रीता शर्मा)

प्रस्तावना

आज विश्व में शिक्षा का परिदृश्य अभूतपूर्व रूप से परिवर्तित हो रहा है, जहाँ अधिगम अब केवल पाठ्यपुस्तकों और परीक्षाओं तक सीमित नहीं रहा है। आज समय की आवश्यकता है कि हमारी शिक्षा प्रणाली के भीतर एक सशक्त उद्यमी परिवेश विकसित किया जाए, जो शिक्षार्थियों को वास्तविक जीवन की चुनौतियों की पहचान करने, सहयोगात्मक रूप से कार्य करने, नवाचारी विचार प्रस्तुत करने, असफलताओं से सीखने तथा समाज के लिए मूल्य सृजित करने में सक्षम बनाए। ऐसा उद्यमी परिवेश विद्यार्थियों को न केवल भविष्य के व्यवसायों के लिए बल्कि उत्तरदायी नागरिक बनने के लिए भी तैयार करता है, जिसमें लचीलापन, अवसरों की पहचान, नैतिक निर्णय क्षमता तथा समाधान-केंद्रित दृष्टिकोण का विकास होता है।

'उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV)' योजना को दिल्ली सरकार द्वारा सितंबर 2025 में प्रारंभ किया गया, जिसका उद्देश्य विद्यालयी शिक्षा में उद्यम-उन्मुख क्षमताओं का समावेशन करना है। NEEEV, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अनुरूप है, जो दक्षता-आधारित अधिगम, अनुभवात्मक शिक्षण पद्धति तथा 21वीं सदी की क्षमताओं पर बल देती है। यह 'विकसित भारत 2047' की राष्ट्रीय परिकल्पना के साथ भी सामंजस्य स्थापित करती है, जिसके अंतर्गत आत्मविश्वासी, सक्षम एवं राष्ट्र-निर्माण के लिए तत्पर युवाओं का निर्माण लक्ष्य है। उभरती प्रौद्योगिकियों के परिवर्तित प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, यह योजना विद्यार्थियों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के प्रति जागरूकता और उसके उत्तरदायी उपयोग को प्रोत्साहित करती है, जैसे कि विचार-सृजन, शोध, प्रोटोटाइप निर्माण, संप्रेषण और उत्पादकता में के साथ ही नैतिकता, पूर्वाग्रह और डेटा गोपनीयता की समझ विकसित करती है।

NEEEV के अंतर्गत विकसित यह निर्देशिका एक संरचित अधिगम मार्गदर्शिका के रूप में कार्य करती है, जो विद्यार्थियों की क्षमताओं को आधारभूत अवधारणाओं से लेकर व्यावहारिक अनुप्रयोगों तक क्रमिक रूप से विकसित करने में सहायक है। यह वित्तीय एवं डिजिटल साक्षरता, संप्रेषण कौशल, सहकार्यता, समस्या-समाधान, अभिकल्प चिंतन, बाज़ार की समझ, प्रलेखन तथा प्रस्तुतीकरण जैसे आवश्यक कौशलों का भी सुदृढ़ीकरण करती है। संरचित गतिविधियों, सहपाठी अधिगम और वास्तविक जीवन से जुड़े संदर्भों के माध्यम से विद्यार्थियों के विचारों को सार्थक समाधानों में रूपांतरित किया जाएगा, सहयोग से सुदृढ़ किया जाएगा तथा उत्तरदायी प्रभाव की दिशा में मार्गदर्शित किया जाएगा। यह निर्देशिका विद्यार्थियों में नवाचार से संबंधित विधिक एवं नियामकीय जागरूकता, जैसे- आधारभूत अनुबंध, बौद्धिक संपदा, उपभोक्ता जागरूकता, साइबर सुरक्षा, डेटा गोपनीयता एवं अनुपालन को भी प्रोत्साहित करती है। यह नैतिक मानकों और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ समन्वित होकर समावेशी और सतत समाधानों के विकास को सक्षम बनाती है।

यह निर्देशिका केवल एक अधिगम संसाधन नहीं बल्कि एक परिवर्तनकारी उत्प्रेरक के रूप में परिकल्पित है, जो सभी विद्यालयों में एक सशक्त उद्यमी परिवेश के निर्माण में सहायक होगी। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को ऐसे भावी उद्यमियों के रूप में विकसित करना है, जो विद्यालय समुदाय के भीतर और उससे आगे सतत विकास को गति प्रदान करें।

डॉ. सपना यादव
सहायक प्राध्यापक / अध्यक्ष, NEEEV
एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

विषय-सूची

क्र.स.	अध्याय का नाम	पृष्ठ संख्या
अध्याय 1	NEEEV का परिचय	1
अध्याय 2	उद्यमिता की खोज	12
अध्याय 3	उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र का परिचय	23
अध्याय 4	एक उद्यमी की तरह सोचें	30
अध्याय 5	स्वयं की खोज	40
अध्याय 6	डिजाइन थिंकिंग से परिचय	47
अध्याय 7	डिजिटल दुनिया की खोज	56
अध्याय 8	वित्तीय साक्षरता की नींव	66
अध्याय 9	मूलभूत कानूनी सिद्धांत	73
	शब्दावली	83
	संदर्भ	87

अध्याय 01

NEEEV का परिचय

कालांश: 3

परिचय

हर बड़ा परिवर्तन एक साधारण विचार से प्रारंभ होता है। जब शिक्षार्थी अपने परिवेश का अवलोकन करते हैं, सार्थक प्रश्न पूछते हैं और अपने अधिगम को वास्तविक जीवन की परिस्थितियों में लागू करते हैं, तब शिक्षा उद्देश्यपूर्ण बन जाती है। यह अध्याय शिक्षार्थियों में उद्यमशील चिंतन और समस्या-समाधान की मानसिकता विकसित करने के लिए तैयार किया गया है।

आज के प्रौद्योगिकी एवं नवाचार-प्रधान विश्व में शिक्षा केवल अंकों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके लिए समस्या-समाधान, सृजनात्मकता, समन्वय, संप्रेषण कौशल, समालोचनात्मक चिंतन, वित्तीय साक्षरता, डिजिटल साक्षरता, विधिक साक्षरता तथा नैतिक चिंतन जैसे कौशलों की आवश्यकता होती है। वास्तविक जीवन की प्रेरक कहानियों और व्यवहारिक गतिविधियों के माध्यम से यह अध्याय उद्यमिता को एक जीवन-कौशल के रूप में प्रस्तुत करता है तथा यह दर्शाता है कि विचारों को किस प्रकार क्रियान्वित किया जा सकता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 और **राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा-स्कूली शिक्षा (NCFSE) 2023** के अनुरूप, यह अध्याय NEEEV योजना (कक्षा 8–12) के अंतर्गत **'करके सीखने'** की पद्धति का अनुसरण करती है, जिससे शिक्षार्थी आत्मनिर्भर एवं भविष्य के लिए तैयार सृजनकर्ता बन सकें।

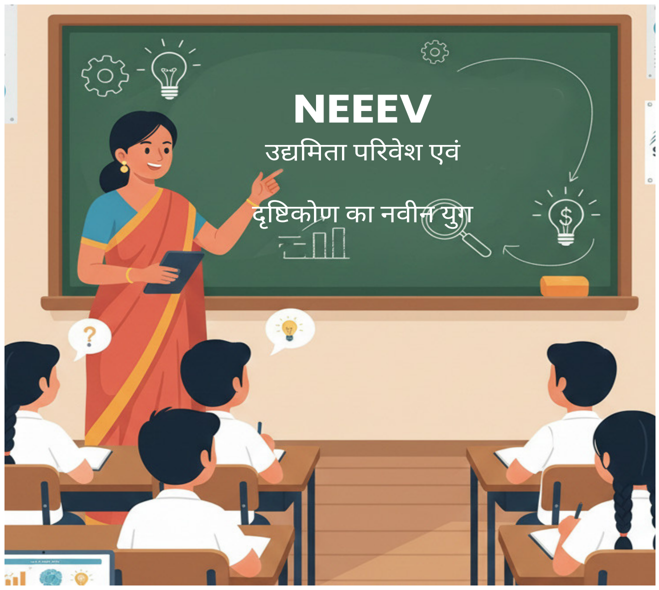

आइए कक्षा के एक शिक्षिका और दो शिक्षार्थियों के बीच का संवाद पढ़ें।

सुप्रभात, बच्चों! मैं जानना चाहती हूँ कि क्या तुमने कभी अपना कार्य पूरा करने के लिए कोई आसान तरीका खोजने का प्रयास किया है

हाँ मैडम। मैंने अपने प्रोजेक्ट को जल्दी पूरा करने के लिए जानकारी खोजने हेतु इंटरनेट का उपयोग किया है।

यह पाठ्यपुस्तक से आगे बढ़कर सोचने का एक अच्छा उदाहरण है। आज हम इस विषय पर चर्चा करेंगे कि शिक्षा किस प्रकार बदल रही है और अंकों के साथ-साथ कौशल क्यों महत्त्वपूर्ण हैं

मैडम, क्या अंक ही सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण नहीं होते?

अंक महत्त्वपूर्ण हैं, परंतु इस पर विचार करो—यदि दो विद्यार्थियों के समान अंक हों, तो वह शिक्षार्थी जो समस्याओं का समाधान कर सकता है, टीम में कार्य कर सकता है और सृजनात्मक रूप से सोच सकता है, वास्तविक जीवन में सफलता की अधिक संभावना रखता है।

जी मैडम, यह बिल्कुल सही है।

भारत एक स्टार्टअप और नवाचार-प्रेरित अर्थव्यवस्था के रूप में विकसित हो रहा है। आज सफलता केवल उत्तर जानने में नहीं, बल्कि समाधान खोजने में निहित है। सृजनात्मकता, टीमवर्क, संप्रेषण कौशल और अनुकूलनशीलता जैसे कौशल अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं।

क्या हम यह सब अपने विषयों में पहले से नहीं सीखते?

कभी-कभी अधिगम केवल रटने तक सीमित रह जाता है, जबकि वास्तविक अधिगम तब होता है जब हम अपने ज्ञान का उपयोग वास्तविक परिस्थितियों में करते हैं। इसी कारण राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCFSE) 2023 'करके सीखने' पर बल देती हैं।"

करके सीखने' का क्या अर्थ है?

इसका अर्थ है वास्तविक समस्याओं का समाधान करना। उदाहरण के लिए, यदि विद्यालय की कैंटीन में अधिक अपशिष्ट उत्पन्न हो रहा है, तो आप उसे कम करने के उपाय सोचते हैं, विचार-विमर्श करते हैं, समाधान का प्रयास करते हैं और उनमें सुधार करते हैं।

क्या अन्य देशों में भी शिक्षार्थी इसी प्रकार सीखते हैं?

हाँ। फ़िनलैंड, सिंगापुर और इज़राइल जैसे देशों में शिक्षार्थी विद्यालय स्तर पर वास्तविक परियोजनाओं और छोटे उद्यमों पर कार्य करते हैं।

क्या यह भारत में भी हो रहा है?

हाँ। गुजरात, राजस्थान, केरल, महाराष्ट्र और अब दिल्ली जैसे राज्यों में विद्यालय-स्तरीय उद्यमिता कार्यक्रम विकसित हो रहे हैं।

मैडम, क्या इसका अर्थ है कि हमें विद्यालय में अपने छोटे व्यवसायिक परियोजनाएँ प्रारंभ करने का अवसर मिलेगा?"

दिल्ली में कक्षा 8 से 12 तक के लिए NEEEV योजना प्रारंभ की गई है, ताकि वैश्विक श्रेष्ठ प्रथाओं को विद्यालयों में लागू किया जा सके।

NEEEV हमारी किस प्रकार सहायता करता है?

NEEEV आपको घर, विद्यालय या अपने आसपास की समस्याओं का अवलोकन करने और उनके समाधान के बारे में सोचने के लिए प्रेरित करता है। यह आत्मविश्वास का निर्माण करता है तथा पहल करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

क्या यह विद्यालय से आगे भी जुड़ा हुआ है?

हाँ। NEEEV राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 तथा सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) के अनुरूप है। यह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नवाचार और सम्मानजनक रोजगार को बढ़ावा देता है।

तो क्या यह हमारे भविष्य में भी सहायक होगा?

निश्चय ही। प्रारंभिक अवस्था से ही कौशलों का विकास करके NEEEV आपको भविष्य के समस्या-समाधानकर्ता, रोजगार सृजनकर्ता और नवप्रवर्तक बनने में सहायता करता है।

भारत का विकसित होता स्टार्टअप एवं नवाचार पारितंत्र केवल पाठ्यपुस्तकों और परीक्षाओं तक सीमित ज्ञान से आगे बढ़कर विभिन्न कौशलों की माँग करता है। **राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020** तथा स्कूल शिक्षा के लिए **राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCFSE) 2023** के अनुरूप, आज की शिक्षा अनुभवात्मक एवं दक्षता-आधारित अधिगम पर बल देती है। यह दृष्टिकोण शिक्षार्थियों में सृजनात्मकता, समस्या-समाधान क्षमता, नैतिक चिंतन, अनुकूलनशीलता तथा सहयोग की भावना जैसे कौशलों का विकास करता है, जो भविष्य के व्यवसायों और समाज में सार्थक सहभागिता के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) के अनुरूप, NEEEV योजना कक्षा 8 से 12 तक उद्यमशील चिंतन का समावेश करते हुए कक्षा-अधिगम और वास्तविक जीवन की आवश्यकताओं के बीच की दूरी को कम करती है। **'करके सीखने'** की पद्धति के माध्यम से शिक्षार्थियों को समस्याओं की पहचान करने, उनके समाधान खोजने तथा मूल्य सृजन करने के लिए प्रेरित किया जाता है। NEEEV शिक्षार्थियों को केवल रोजगार खोजने के लिए ही नहीं, बल्कि, बेरोजगारी कम करने तथा आत्मविश्वासी, उत्तरदायी और भविष्य के लिए तैयार नागरिक बनने के अवसर उत्पन्न करने के लिए भी तैयार करती है।

NEEEV का पूर्ण रूप है "उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग"

- **N** New
- **E** Era of
- **E** Entrepreneurial
- **E** Ecosystem and
- **V** Vision

यह नाम इस योजना के उद्देश्य को दर्शाता है, जिसका लक्ष्य विद्यालयी शिक्षा में उद्यमशील सोच, नवाचार और मूल्य सृजन के एक नए युग की शुरुआत करना है।

NEEEV योजना के उद्देश्य

- शिक्षार्थियों को आत्मविश्वास, अनुकूलनशीलता तथा उच्च शिक्षा, रोजगार और उभरते अवसरों के लिए तत्परता के साथ भविष्य के लिए तैयार उद्यमी के रूप में विकसित करना।
- समुदाय, मार्गदर्शकों, निवेशकों, इनक्यूबेटरों, ग्राहकों, सरकारी सहयोग, वित्तपोषण संस्थाओं तथा संबद्ध नेटवर्क सहित एक सशक्त विद्यालय-आधारित उद्यमशील पारितंत्र का निर्माण करना।
- सृजनात्मकता, पहल, सहयोग, नेतृत्व, समालोचनात्मक चिंतन, समस्या-समाधान तथा अन्य संबंधित दक्षताओं जैसे 21वीं सदी के कौशलों के साथ उद्यमशील सोच का संवर्धन करना।
- वित्तपोषित प्रोटोटाइप निर्माण, परियोजना-आधारित अधिगम, उद्यम स्थापना तथा व्यवहारिक अनुभव के माध्यम से स्टार्टअप विकास का अनुभव प्राप्त करना।
- समस्याओं की पहचान, समाधान के विचार प्रस्तुत करना, प्रोटोटाइप विकसित करना, मॉडल का परीक्षण करना तथा निरंतर सुधार की प्रक्रिया अपनाते हुए डिज़ाइन थिंकिंग का अनुप्रयोग करना।
- बजट निर्माण, लागत निर्धारण, मूल्य निर्धारण, विपणन, मूल्य सृजन तथा सूचित निर्णय लेने जैसी प्रक्रियाओं के माध्यम से वित्तीय एवं व्यावसायिक साक्षरता का विकास करना।
- उत्तरदायी प्रौद्योगिकी उपयोग, नवाचारी व्यवहार, साइबर सुरक्षा तथा नैतिक डिजिटल आचरण के माध्यम से डिजिटल साक्षरता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के प्रति जागरुकता को सुदृढ़ करना, जिससे उनकी उद्यमशील यात्रा सशक्त हो सके।

गतिविधि 1 आप क्या करेंगे?

उद्देश्य

- यह समझना कि जब हम अलग ढंग से सोचते हैं, तो दैनिक जीवन की समस्याएँ भी नए विचारों में परिवर्तित हो सकती हैं।

निर्देश

- परिस्थिति को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
- 2–3 मिनट तक शांत होकर विचार करें।
- अपने पास बैठे एक या दो सहपाठियों के साथ अपने विचार साझा करें।
- अपने विचारों को संक्षिप्त बिंदुओं में अपनी नोटबुक में लिखें।

कल्पना कीजिए कि यह विद्यालय का एक सामान्य दिन है और आप प्रतिदिन की भाँति विद्यालय आए हैं। जैसे ही आपकी प्रायोगिक परीक्षा प्रारंभ होने वाली है, आपको अचानक याद आता है कि आप अपनी परियोजना फाइल या नोटबुक घर पर ही भूल आए हैं। आज अंतिम प्रायोगिक/प्रैक्टिकल परीक्षा है और परियोजना/प्रोजेक्ट जमा करना अनिवार्य है।

परीक्षा आरंभ होने वाली है, इसलिए घर वापस जाना संभव नहीं है और आपके पास समय भी बहुत कम है। आप चिंता और उलझन महसूस कर रहे हैं, परंतु आपको यह निर्णय लेना है कि आगे क्या करना चाहिए।

यह स्थिति असामान्य नहीं है; विद्यालय जीवन में अनेक शिक्षार्थी ऐसी समस्याओं का सामना करते हैं। प्रश्न सिर्फ यह नहीं है कि क्या गलत हुआ, बल्कि यह है कि आप उस समस्या का सामना कैसे करते हैं।

चिंतन प्रश्न :

प्र.1.. इस परिस्थिति में आप कैसा महसूस करेंगे और आगे क्या करेंगे?

....

प्र.2. क्या इस समस्या का समाधान घर वापस गए बिना किया जा सकता है?

....

प्र.3. हमारे आसपास पहले से ऐसी कौन-सी वस्तुएँ या संसाधन उपलब्ध हैं जो सहायता कर सकते हैं?

....

उद्यमिता अंतर्दृष्टि : अधिकांश लोग समस्या पर ही रुक जाते हैं; उद्यमी संभावनाएँ तलाशते हैं।

केस स्टोरी1 एक छोटी समस्या से बड़ा विचार

निर्देश

- उद्यमिता को बेहतर समझने के लिए एक 13 वर्षीय बालक की कहानी पढ़िए, जिसने एक समस्या का सामना किया—परीक्षा से पहले उसका अध्ययन-सामग्री समय पर नहीं पहुँची।

तिलक मेहता केवल 13 वर्ष के थे, जब पाठ्यपुस्तक की देरी से हुई डिलीवरी ने उन्हें दैनिक जीवन की समस्याओं के बारे में गंभीरता से सोचने के लिए प्रेरित किया। असहाय महसूस करने के बजाय उन्होंने एक प्रभावशाली प्रश्न पूछा—
“यदि Mumbai Dabbawalas प्रतिदिन हजारों टिफिन समय पर पहुँचा सकते हैं, तो छोटे पार्सल उतनी ही शीघ्रता से क्यों नहीं पहुँचाए जा सकते?”

तिलक मेहता

तिलक ने यह समझने का प्रयास किया कि डब्बावाला प्रणाली इतनी दक्षता से कैसे कार्य करती है। उन्होंने महसूस किया कि इस विश्वसनीय नेटवर्क का उपयोग केवल टिफिन पहुँचाने तक सीमित न रहकर, शहर के भीतर छोटे पार्सल और दस्तावेज़ों की डिलीवरी के लिए भी किया जा सकता है।
जिज्ञासा और दृढ़ संकल्प के साथ तिलक ने कई महत्त्वपूर्ण कदम उठाए—

- शहर के मार्गों और मूलभूत लॉजिस्टिक्स का अध्ययन किया।
- यह सीखा कि डिलीवरी को ट्रैक करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग कैसे किया जा सकता है।
- डब्बावालों के साथ साझेदारी स्थापित की।
- मार्गदर्शकों, निवेशकों और ग्राहकों का विश्वास अर्जित किया।

अपने माता-पिता के सहयोग और अनुभवी विशेषज्ञों के मार्गदर्शन से तिलक ने **Papers N Parcels** नामक एक डिजिटल मंच की स्थापना की, जो उसी दिन डिलीवरी सेवा प्रदान करता था। उनकी कम आयु के कारण अनेक लोगों ने उन पर संदेह किया। फिर भी तिलक की स्पष्ट दृष्टि, सुदृढ़ मूल्य और सीखने की तत्परता ने उन्हें चुनौतियों पर विजय प्राप्त करने में सहायता की। विद्यालय के एक शिक्षार्थी द्वारा अनुभव की गई एक छोटी-सी समस्या शीघ्र ही एक सफल डिलीवरी कंपनी में परिवर्तित हो गई, जिसने अनेक लोगों को रोजगार भी प्रदान किया।
तिलक मेहता की यह यात्रा दर्शाती है कि उद्यमिता की शुरुआत समस्याओं का अवलोकन करने, सही प्रश्न पूछने और उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करते हुए विचारों को प्रभाव में बदलने के साहस से होती है।

PAPERS N PARCELS™

तिलक मेहता की यात्रा में उद्यमशील पारितंत्र की भूमिका

पारितंत्र घटक	भूमिका	योगदान
उद्यमी (तिलक)	समस्या की पहचान, समाधान निर्माण, दृष्टि का नेतृत्व	वास्तविक समस्या का अवलोकन किया, समाधान की कल्पना की, उसे परखा और कार्यान्वित किया। परियोजना का नेतृत्व किया, उत्पाद विकसित किया और ब्रांड को आकार दिया।
परिवार (माता-पिता)	भावनात्मक सहयोग, मार्गदर्शन एवं नेटवर्क	लॉजिस्टिक्स समझने में सहायता की, संपर्कों से परिचित कराया, भावनात्मक समर्थन दिया और विचार को गंभीरता से लिया—जो एक किशोर संस्थापक के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण था।
मार्गदर्शक (मेंटर्स)	रणनीतिक सलाह एवं योजना सहयोग	• प्रौद्योगिकी विकास, • डिलीवरी मार्ग निर्धारण, • ग्राहक संवाद • वित्तीय योजना एवं साझेदारी निर्माण में मार्गदर्शन दिया। सीखने की गति को तेज किया
मुंबई डब्बावाला	विश्वसनीय वितरण सहयोगी	• टिफिन के साथ पार्सल पहुँचाए, • समयबद्ध डिलीवरी सुनिश्चित की • प्रत्येक मार्ग का स्थानीय ज्ञान प्रदान किया। • मौजूदा व्यवस्था को नवाचार में परिवर्तित किया।
निवेशक	वित्तीय सहायता एवं विस्तार सहयोग	ऐप, कर्मचारियों और संचालन के लिए धन उपलब्ध कराया। विचार की संभावनाओं पर विश्वास किया और मॉडल के विस्तार में सहयोग दिया।
ग्राहक	विश्वास, प्रतिपुष्टि एवं मौखिक प्रचार	विश्वास प्रदान किया, सुझाव दिए और मौखिक प्रचार के माध्यम से अधिक उपयोगकर्ताओं को जोड़ा।

निष्कर्ष: विचार तब विकसित होते हैं जब लोग जुड़ते हैं, सहयोग करते हैं और किसी बड़े उद्देश्य के लिए मिलकर कार्य करते हैं।

चिंतन प्रश्न :

प्र.1 तिलक मेहता ने किस समस्या का सामना किया और उसे व्यवसायिक विचार में कैसे परिवर्तित किया?

....

प्र.2. तिलक के पारितंत्र में आपको कौन-सा घटक सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण लगता है और क्यों?

....

प्र.3. अपने दैनिक जीवन में आने वाली किसी एक समस्या के बारे में सोचिए—यदि आपको उचित मार्गदर्शन और सहयोग मिले, तो वह किस प्रकार एक अवसर में परिवर्तित हो सकती है?

उद्यमशील अंतर्दृष्टि

तिलक मेहता की कहानी कोई अपवाद नहीं है, बल्कि यह इस बात का उदाहरण है कि जब युवा मस्तिष्कों को प्रोत्साहन, मार्गदर्शन और सहयोग मिलता है, तो क्या-क्या संभव हो सकता है। NEEEV का उद्देश्य प्रत्येक शिक्षार्थी के लिए ऐसे ही अवसरों का निर्माण करना है।

NEEEV के अंतर्गत आप केवल एक शिक्षार्थी नहीं हैं, बल्कि एक चिंतक, समस्या-समाधानकर्ता और भावी नेता हैं, जो आने वाले कल की नीव (Foundation) रख रहे हैं।

यहीं से हमारी यात्रा प्रारंभ होती है—NEEEV रूपरेखा के अंतर्गत नए अधिगम मार्गों और अवसरों की खोज की दिशा में।

NEEEV के बारे में

NEEEV – दृष्टि, मिशन और उद्देश्य

NEEEV एक विद्यालय-आधारित पहल है, जिसका उद्देश्य शिक्षार्थियों में उद्यमशील चिंतन, नवाचार और नेतृत्व कौशल का विकास करना है। यह योजना शिक्षार्थियों को वास्तविक जीवन की समस्याओं की पहचान करने, सृजनात्मक ढंग से सोचने तथा उत्तरदायी समाधान तैयार करने के लिए तैयार करती है, जो भारत के आर्थिक और सामाजिक विकास में योगदान दें।

दृष्टि

एक ऐसी सशक्त, उद्यमशील और सामाजिक रूप से सजग नवप्रवर्तकों की पीढ़ी का निर्माण करना, जो भारत के आर्थिक भविष्य को आकार देने में सक्षम हो।

मिशन

विद्यालयी शिक्षार्थियों में उद्यमशील कौशल, नवाचार तथा वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान की क्षमता का संवर्धन करना, साथ ही समावेशी और समान अवसर आधारित अधिगम को बढ़ावा देना।

उद्देश्य

विद्यालयों में एक भविष्य-उन्मुख उद्यमशील पारितंत्र का निर्माण करना, जिससे शिक्षार्थी व्यवहारिक कौशल, आत्मविश्वास और नेतृत्व गुणों से सशक्त बन सकें।

NEEEV योजना के प्रमुख घटक

NEEEV पाठ्यक्रम

एक सुव्यवस्थित पाठ्यक्रम, जो शिक्षार्थियों को वास्तविक जीवन के संदर्भों के माध्यम से उद्यमिता की अवधारणाओं, नवाचार, वित्तीय साक्षरता और समस्या-समाधान से परिचित कराता है।

NEEEV संवाद

उद्यमियों, उद्योग विशेषज्ञों और मार्गदर्शकों के साथ संवादात्मक सत्र, जो शिक्षार्थियों को प्रेरित करते हैं तथा कक्षा-अधिगम को वास्तविक जीवन के अनुभवों से जोड़ते हैं।

स्टार्टअप स्टॉर्मर्स

एक ऐसा मंच जहाँ शिक्षार्थी अपने स्टार्टअप विचारों का विकास, प्रस्तुतीकरण और परिष्कार करते हैं, जिससे सृजनात्मकता, टीमवर्क और उद्यमशील आत्मविश्वास को प्रोत्साहन मिलता है।

विशेष कार्यशालाएँ

कौशल-आधारित कार्यशालाएँ, जो डिज़ाइन थिंकिंग, व्यवसाय योजना, संप्रेषण कौशल, नेतृत्व तथा डिजिटल कौशलों पर केंद्रित होती हैं।

उद्योग/इनक्यूबेशन सेल भ्रमण

अनुभवात्मक अधिगम के अवसर, जिनमें शिक्षार्थी स्टार्टअप्स, उद्योगों और नवाचार केंद्रों का भ्रमण करते हैं। इससे वे वास्तविक व्यावसायिक कार्यप्रणाली का अवलोकन करते हैं, कार्यस्थल संस्कृति को समझते हैं तथा सैद्धांतिक ज्ञान को व्यवहारिक अनुभव से जोड़ते हैं।

NEEEV के अंतर्गत विकसित किए जाने वाले प्रमुख मूल्य

जिज्ञासा और सृजनात्मकता

सहयोग और सामुदायिक भावना

सत्यनिष्ठा और नैतिकता

समावेशन और सुलभता

स्थिरता और दूरदृष्टि

आजीवन अधिगम

NEEEV की संरचना : SIC – ZIC – DIC

यह एक तीन-स्तरीय नवाचार सहयोग प्रणाली है–

School Innovation Council (SIC)
विद्यालय स्तर पर विचार-सृजन और नवाचार को प्रोत्साहित करती है।

Zonal Innovation Council (ZIC)
दिल्ली के एक क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विद्यालयों के बीच सहयोग, मार्गदर्शन और विचारों के परिष्कार को समर्थन प्रदान करती है।

District Innovation Council (DIC)
दिल्ली के किसी विशिष्ट जिले में शिक्षार्थियों के संभावनाशील विचारों को उन्नत मार्गदर्शन, अनुभवात्मक अवसर और विस्तार के अवसर प्रदान करती है।

साप्ताहिक कार्य

अपने विद्यालय, घर या आसपास के क्षेत्र में ध्यानपूर्वक देखिए। किसी एक ऐसी समस्या के बारे में सोचिए, जो बार-बार उत्पन्न होती है। यह समस्या आपकी स्वयं की हो सकती है या अन्य लोगों की।

अपने उत्तर लिखिए–

प्र.1. समस्या क्या है?

....

प्र.2. यह समस्या किन लोगों को प्रभावित करती है और यह कितनी बार उत्पन्न होती है?

....

उद्यमी की तरह सोचें : अब इस समस्या के बारे में एक सशक्त प्रश्न पूछिए। आपका प्रश्न "क्यों" या "कैसे" से प्रारंभ होना चाहिए।

प्र.1. अपना प्रश्न लिखिए :...

प्र.2. इस समस्या का समाधान सरल या शीघ्र तरीके से कैसे किया जा सकता है?

....

प्र.3. क्या कोई व्यक्ति, समूह या सेवा है जो इसी प्रकार की समस्या का समाधान करता हो? आप निम्न के बारे में विचार कर सकते हैं—

- शिक्षक या विद्यालय मॉनिटर
- बस सेवाएँ या परिवहन
- स्थानीय दुकानदार या विक्रेता
- मोबाइल ऐप या ऑनलाइन सेवाएँ
- सामुदायिक सहायक

लिखिए कि वे इस समस्या को बेहतर या नए तरीके से हल करने में कैसे सहायता कर सकते हैं:

....

....

आपके विचार के लिए सहयोग

अंत में विचार कीजिए कि आपके विचार को सफल बनाने में कौन सहायता कर सकता है। अपनी नोटबुक में निम्न तालिका पूर्ण कीजिए—

पारितंत्र घटक (व्यक्ति / समूह / सेवा)	वे किस प्रकार सहायता कर सकते हैं

अन्वेषणात्मक कार्य: उद्यमिता के विभिन्न क्षेत्रों का अध्ययन खुली स्रोत सामग्री या इंटरनेट के माध्यम से कीजिए। अगली कक्षा में चर्चा के लिए तैयार रहें।

हमने क्या सीखा!

- **NEEEV क्या है?**

उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV) एक उद्यमिता शिक्षा कार्यक्रम है, जिसे विद्यालयों में इस उद्देश्य से प्रारंभ किया गया है कि शिक्षार्थी व्यवहारिक जीवन-कौशल विकसित कर सकें। .यह 'करके सीखने' पर आधारित है और शिक्षार्थियों को सृजनात्मक रूप से से सोचने, वास्तविक जीवन की समस्याओं का समाधान खोजने तथा पहल करने के लिए प्रेरित करता है।

- **NEEEV का उद्देश्य क्या है?**

➤ शिक्षार्थियों में आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का निर्माण करना।
➤ केवल व्यावसायिक ज्ञान नहीं, बल्कि उद्यमशील सोच का विकास करना।
➤ परिवर्तित होती अर्थव्यवस्था में भविष्य के व्यवसायों के लिए शिक्षार्थियों को तैयार करना।
➤ अधिगम को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCFSE) 2023 तथा सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) के अनुरूप बनाना।

- **NEEEV शिक्षार्थियों के विकास में कैसे सहायक है?**

➤ NEEEV विभिन्न क्षेत्रों में आवश्यक कौशल विकसित कर शिक्षार्थियों के समग्र विकास का समर्थन करता है

➤ **उद्यमिता और नवाचार**: समस्याओं की पहचान, समाधान का निर्माण और मूल्य सृजन।
➤ **कैरियर तत्परता**: निर्णय-निर्माण, टीमवर्क, नेतृत्व और अनुकूलनशीलता जैसे कौशल।
➤ **वित्तीय एवं आर्थिक समझ**: मूलभूत वित्तीय साक्षरता और आर्थिक जागरूकता।
➤ **सामाजिक और नैतिक विकास**: उत्तरदायित्व, नैतिक चिंतन और समाज के प्रति योगदान।
➤ **व्यक्तिगत विकास**: आत्मविश्वास, संप्रेषण कौशल, सृजनात्मकता और धैर्यशीलता।

NEEEV शिक्षार्थियों को ऐसे आत्मविश्वासी समस्या-समाधानकर्ता के रूप में विकसित करता है, जो स्वयं और दूसरों के लिए अवसरों का सृजन कर सकें।

अध्याय 02

उद्यमिता की खोज

Y9B6L1

कालांश: 3

पिछला सारांश

पिछले अध्याय में हमने NEEEV और इसके विभिन्न आयामों के बारे में सीखा कि कैसे यह विद्यार्थियों को भविष्य का उद्यमी बनने में मदद करेगा। अब, इस अध्याय में हम यह देखने का प्रयास करेंगे कि 'उद्यमिता' का वास्तविक अर्थ क्या है?

परिचय

उद्यमिता केवल कोई व्यवसाय शुरू करने तक सीमित नहीं है, यह चुनौतियों और समस्याओं की पहचान करके उन्हें अवसर में बदलने का नाम है। उद्यमी रचनात्मक रूप से समस्याओं का समाधान करने वाले व्यक्ति होते हैं, जो जोखिम उठाते हैं, नवाचार (नई सोच) लाते हैं और दूसरों के जीवन को आसान बनाते हैं। उद्यमिता को अक्सर व्यवसाय शुरू करने, कोई स्टार्टअप लगाने या अपना खुद का बॉस बनने के एक आकर्षक कार्य के रूप में देखा जाता है। लेकिन वास्तव में, उद्यमिता सिर्फ व्यवसाय बनाने से कहीं अधिक व्यापक है। यह अवसरों को पहचानने, सोचे-समझे जोखिम उठाने और वास्तविक दुनिया की समस्याओं को सुलझाने के लिए नवाचार को बढ़ावा देने की क्षमता है।

अधिगम प्रतिफल:

- उद्यमिता को सरल शब्दों में परिभाषित करना।
- अपने आस-पास के दैनिक जीवन से उद्यमिता के उदाहरणों को पहचान करना।
- एक उद्यमी के गुणों को समझना।
- यह जानना कि उद्यमी समस्याओं को अवसरों में कैसे बदलते हैं।
- समाज में उद्यमिता के महत्त्व और इसकी भूमिका को समझना।

स्वयं को तैयार करें:

- उद्यमिता (Entrepreneurship) की दुनिया में कदम रखने से पहले, आइए दो बहुत ही महत्त्वपूर्ण शब्दों को समझते हैं: उद्यमी और उद्यमिता
- सबसे पहले, एक मिनट का समय लें और इन दोनों शब्दों के बारे में सोचें। जो कुछ भी आपके मन में आता है, उसे लिखें। फिर अपने पास बैठे साथी के साथ अपने विचारों को साझा करें। चर्चा करने के बाद, अपनी समझ को यहाँ लिखें।

....

....

गतिविधि 1 आइए गहराई से समझें

उद्देश्य :
- उद्यमी और उद्यमिता के बारे में गहरी समझ बनाना।
- उद्यमिता को वास्तविक जीवन के उदाहरणों से जोड़ना।

निर्देश :
- एक शिक्षक व विद्यार्थी के बीच नीचे दी गई बातचीत पढ़ें।
- सोचिए कि शिक्षक उद्यमिता को आसान तरीके से कैसे समझाते हैं।

5
बिल्कुल सही। वह इंफोसिस जैसी बदलाव लाने वाली कंपनियाँ बनाने के लिए जाने जाते हैं। लेकिन चलिए इसे अपने आस-पास लाते हैं - क्या आप अपने जीवन में किसी उद्यमी के बारे में सोच सकते हैं?
मेरी चाची एक छोटा सा व्यवसाय चलाती हैं जिसमें वह हस्तनिर्मित बैग को इंस्टाग्राम के माध्यम से बेचती हैं। क्या यह गिना जाएगा ?
6
बिल्कुल! उद्यमिता सिर्फ बड़ी टेक कंपनियों तक सीमित नहीं है। कोई व्यक्ति जो घर से व्यवसाय चला रहा हो, किसान जो जैविक उत्पादों की ओर रुख कर रहे हो या यहाँ तक कि स्ट्रीट कार्ट पर मोमोज बेचने वाला व्यक्ति,कोई भी हो सकता है। यह अवसर पहचानने, पहल करने और समस्याओं को सुलझानें के बारें में हैं।
तो क्या छोटे पैमाने के विक्रेता ऑनलाइन व्यवसाय के मालिक भी उद्यमी हैं?
7
हां। आकार (स्केल) मायने नहीं रखता - सोच मायने रखती है। उद्यमिता ,नवाचार, मूल्य सृजन और जोखिम उठाने की तत्परता के बारे में है। इस बारे में बात करते हुए क्या कोई एक ऐसे उद्यमी का नाम बता सकता है जिसने हमारे जीने के तरीके में मौलिक बदलाव कर दिया हो?
स्टीव जॉब्स।
8
बिल्कुल सही बात। स्टीव जॉब्स ने केवल उत्पाद (प्रोडक्ट) ही नहीं बनाए, बल्कि उन्होंने इस बात को एक नई सोच दी कि हम तकनीक का उपयोग कैसे करते हैं। यही असली उद्यमिता है। महत्वपूर्ण केवल यह नहीं है कि आप क्या करते हैं, बल्कि असली अंतर इस बात से आता है कि आप उसे कैसे और क्यों करते हैं। तो, आपको क्या लगता है कि कौन सी बात किसी व्यक्ति को एक उद्यमी बनाती है? अलग ढंग से सोचने और नए विचारों को साकार करने के लिए उनमें किन गुणों या कौशलों की आवश्यकता होती है?
रचनात्मकता या फिर शायद जोखिम उठाने की क्षमता ?
9
बिल्कुल! रचनात्मकता, जोखिम उठाने की क्षमता, लचीलापन और समस्याओं को सुलझाना—ये सब बहुत महत्त्वपूर्ण हैं और अब एक आखिरी विचार: क्या आपको लगता है कि उद्यमी (entrepreneurs) पैदा ही ऐसे होते हैं—या ये गुण सीखे जा सकते हैं?
मुझे लगता है कि इन्हें सही मानसिकता और अनुभव के साथ सीखा जा सकता है।
10
यह एक बेहतरीन विचार है और यही वो चीज़ है जिसे हम इस कक्षा में समझेंगे—कि उद्यमिता कैसे काम करती है, यह समय के साथ कैसे बदलती है और आप इसका लाभ कैसे उठा सकते हैं? तो चलिए, शुरुआत करते हैं ।

चिंतन प्रश्न

प्र.1. उद्यमिता के बारे में आपकी क्या समझ है?

....

प्र.2. आप किस उदाहरण से सबसे अधिक जुड़ाव महसूस करते हैं और क्यों?

....

प्र.3. क्या आप अपने आस-पास किसी ऐसे व्यक्ति को जानते हैं जो एक उद्यमी (entrepreneur) की तरह व्यवहार करता है?

....

ज्ञान वर्धक

- एक उद्यमी वह व्यक्ति होता है जो किसी समस्या को पहचानता है और दूसरों के जीवन में मूल्य जोड़ने (value add) के लिए एक नया समाधान तैयार करता है। उदाहरण: ब्लिंकिट (Blinkit) के संस्थापकों ने गौर किया कि लोगों को दैनिक आवश्यकताओं के सामान की बहुत शीघ्रता से आवश्यकता होती है। इसलिए, उन्होंने एक ऐसा ऐप बनाया जो कुछ ही मिनटों में किराना सामान डिलीवर करता है, समय बचाता है और तत्काल जरूरतों को पूरा करता है।आज, ब्लिंकिट तकनीक और एक मज़बूत डिलीवरी नेटवर्क का उपयोग करके कई शहरों में दैनिक खरीदारी को तेज़ और सुविधाजनक बना रहा है
- उद्यमिता किसी समस्या का निरीक्षण करने, समाधान की योजना बनाने, परीक्षण करने और उसके द्वारा सामाजिक एवं आर्थिक प्रभाव पैदा करने के लिए उसमें सुधार करने की एक प्रक्रिया है। सरल शब्दों में: उद्यमी = एक व्यक्ति जो व्यवसाय शुरु करता है, उसे व्यवस्थित करता है और चलाता है। उद्यमिता = विचारों को विकसित करने और व्यवसाय शुरु करने की प्रक्रिया।

साप्ताहिक कार्य

- किसी भी उद्यमी (स्थानीय अथवा राष्ट्रीय) के विषय में जानकारी एकत्रित करें और लिखें: वह किस विशिष्ट समस्या का समाधान करते हैं, वे समुदाय की किस प्रकार सहायता करते हैं, और उनके समक्ष आने वाली प्राथमिक चुनौतियाँ क्या हैं।
- अपना शोध कार्य पूर्ण करने के पश्चात, निम्नलिखित प्रश्नों पर चिंतन करें:
  - उद्यमी ने किस समस्या की पहचान की?
  - उनके समाधान/सेवा/उत्पाद से कौन लाभान्वित हुआ?
  - उद्यमी द्वारा अनुपालन किया गया कोई एक मूल्य (value)

गतिविधि 2 पहचानिए, उद्यमी कौन है!!

उद्देश्य

- यह पहचानना कि 'उद्यमी' (Entrepreneur) वास्तव में कौन होता है।
- उद्यमियों के विभिन्न प्रकारों को समझना और उन्हें अपने आस-पास के उदाहरणों से जोड़ना।

निर्देश

- 4 विद्यार्थियों का एक समूह बनाएँ ।
- समूह में चर्चा करके अपने आस-पास के किन्हीं 5 स्थानीय व्यापारियों के नाम लिखें। ये वे लोग हो सकते हैं जिन्हें आप रोज़ देखते हैं, जैसे: दर्जी, बेकरी का मालिक, ट्यूशन टीचर, दुकानदार आदि।
- नीचे दिए गए उद्यमियों के प्रकार को ध्यान से पढ़ें:
- नवाचारी उद्यमी (Innovator Entrepreneur): जो समस्याओं को हल करने के लिए नए विचार या नए तरीके खोजता है (जैसे: कोई नया ऐप या अनोखा प्रोडक्ट बनाना)।
- सामाजिक उद्यमी (Social Entrepreneur): जो व्यापारिक तरीकों का उपयोग करके समाज या पर्यावरण की समस्याओं को हल करता है।
- लघु व्यवसाय उद्यमी (Small Business Entrepreneur): जो समुदाय की सेवा के लिए एक स्थानीय व्यवसाय चलाता है।
- स्केलेबल स्टार्टअप उद्यमी (Scalable Startup Entrepreneur): जो अक्सर तकनीक (Technology) का उपयोग करके एक ऐसा व्यवसाय बनाता है जो बहुत बड़ा हो सकता है |
- अपनी सूची के स्थानीय उद्यमियों का सही प्रकार से मिलान करें और उन्हें चिह्नित करें।

चिंतन प्रश्न

प्र.1. आपकी सूची में किस प्रकार के उद्यमी सबसे अधिक हैं?

....

प्र. 2. स्थानीय उद्यमी आपके समुदाय (Community) की मदद कैसे करते हैं?

....

प्र. 3. आप भविष्य में किस प्रकार के उद्यमी बनना चाहेंगें? एक कारण बताइए ।

....

ज्ञान वर्धक

- उद्यमिता हर किसी के लिए एक जैसी नहीं होती और इसके कई अलग-अलग रूप हो सकते हैं '
- लघु व्यवसाय उद्यमिता स्थानीय समुदायों की सेवा करती है और दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करती है।सामाजिक उद्यमिता सामाजिक या पर्यावरणीय समस्याओं को हल करने पर ध्यान केंद्रित करती है | नवाचारी उद्यमिता नए विचार, उत्पाद या समाधान लेकर आती है।
- स्केलेबल स्टार्टअप उद्यमिता का लक्ष्य बड़ा विकास और व्यापक प्रभाव डालना होता है।
- सभी प्रकार के उद्यमी मूल्य निर्माण (creating value), अवसर पैदा करने और वास्तविक दुनिया की आवश्यकताओं को पूरा करके अर्थव्यवस्था और समाज में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

साप्ताहिक कार्य

- चार विद्यार्थियों का एक समूह बनाइए। अब अपने समूह में समाज के किसी एक संवेदनशील वर्ग (बुजुर्ग / बच्चे / दिव्यांग व्यक्ति / रेहड़ी-पटरी वाले) की पहचान करें और उनकी सहायता के लिए किसी सरल सेवा या उत्पाद के बारे में सोचें।
- अब,आपका ग्रुप आयडिया को स्कैच करने और संभावित स्टार्टअप का नाम रखने में शामिल होगा । याद रखें कि आपके ग्रुप को बुजुर्ग / बच्चे /दिव्यांग लोग /स्ट्रीट वेंडर इनके लिए एक आसान और सबको साथ लेकर चलने वाली सेवा (सर्विस) डिजाइन करना है।
- आइडिया बनाएँ और स्टार्टअप का नाम रखें ।

गतिविधि 3 अपने आस पास नवाचार (innovations) को पहचाने

उद्देश्य

- नवाचार (Innovation) का अर्थ समझना और यह देखना कि यह उद्यमिता से कैसे जुड़ा है।
- दैनिक जीवन में नवाचार के विभिन्न रूपों की पहचान करना।
- यह समझना कि कैसे नए या बेहतर विचार वास्तविक समस्याओं को हल करते हैं और समाज में मूल्य (Value) पैदा करते हैं।

निर्देश

- इस छोटे से उदाहरण को पढ़ें: पुराना तरीका: बस या ट्रेन के लिए कागज के टिकट। नया तरीका: स्मार्ट कार्ड या फोन पर QR कोड। क्या बदला? यात्रा वही है, लेकिन भुगतान का तरीका बेहतर हो गया है! इसे ही नवाचार (Innovation) कहते हैं! अपने घर, स्कूल या मोहल्ले में नजर दौड़ाइए। कोई ऐसी चीज़ ढूंढिए जो आपको लगता है कि पहले से नई या बेहतर है (कोई उत्पाद, सेवा या काम करने का तरीका)।
- यहां कुछ नवाचार के प्रकार उदाहरण के साथ दिए गए हैं:
  - उत्पाद नवाचार (Product Innovation): नए या बेहतर उत्पाद बनाना (जैसे: पर्यावरण के अनुकूल पेंसिल)।
  - प्रक्रिया नवाचार (Process Innovation): काम करने या चीज़ें बनाने के तरीके में सुधार (जैसे: तीव्र फूड डिलीवरी सेवा)।
  - सामाजिक नवाचार (Social Innovation): ऐसे विचार जो लोगों या पर्यावरण की मदद करें (जैसे: मोहल्ला सफाई अभियान)।
  - तकनीकी नवाचार (Technology Innovation): स्मार्ट तरीके से तकनीक का उपयोग (जैसे: होमवर्क में मदद करने वाला ऐप)।
- सोचें और उत्तर दें: - यह किस समस्या का समाधान करता है?
  - यह पुराने तरीके से बेहतर कैसे है?
  - इससे किसे मदद मिलती है?

चिंतन प्रश्न

प्र.1. क्या कोई चीज़ सरल होने के बावजूद 'नवाचार' हो सकती है ? क्यों?

....

प्र. 2. क्या युवा लोग भी नए या बेहतर विचार सोच सकते हैं? कोई एक कारण बताइए।

....

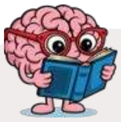

ज्ञान वर्धक

- नए तरीके से सोचना और काम करने के लिए नए या बेहतर तरीके ढूंढना(जैसे नए विचार, सुधार, तकनीक का उपयोग या बेहतर प्रक्रियाएँ) ही नवाचार है। वहीं, उद्यमिता (Entrepreneurship) उन विचारों को वास्तविक दुनिया में उतारने का नाम है ताकि समस्याओं को सुलझाया जा सके और समाज के लिए मूल्य पैदा किया जा सके।
- एक उद्यमी (Entrepreneur) हमेशा कुछ पूरी तरह से नया आविष्कार नहीं करता; कभी-कभी मौजूदा उत्पादों या सेवाओं में छोटे-छोटे सुधार भी (जैसे डिजिटल पेमेंट ने हमारे पैसे इस्तेमाल करने के तरीके को बदल दिया) सफल उद्यमिता का हिस्सा बन सकते हैं।

नवाचार, आविष्कार और रचनात्मकता के बीच का अंतर

शब्द (Term)	**सरल परिभाषा (Simple Definition)**	**आसान उदाहरण (Easy Example)**	**याद रखने के लिए कीवर्ड (Keyword)**
Creativity (रचनात्मकता)	एक नए विचार के बारे में सोचना।	एक रंगीन पेंसिल बॉक्स के बारे में सोचना।	**सोचना** (Think)
Invention (आविष्कार)	कुछ नया बनाना।	एक नए तरह का पेंसिल बॉक्स बनाना।	**बनाना** (Create)
Innovation (नवाचार)	किसी चीज़ को और बेहतर बनाना।	पेंसिल बॉक्स के अंदर ही शार्पनर जोड़ देना।	**सुधारना** (Improve)

साप्ताहिक कार्य

- अपने आस-पास देखें और किसी एक दैनिक उद्यमी (Everyday Entrepreneur) को पहचानें। यह कोई दुकानदार, रेहड़ी-पटरी वाला, घर से छोटा व्यवसाय चलाने वाला, कोई सेवा प्रदाता, या यहाँ तक कि कोई छात्र भी हो सकता है जिसने खुद का कुछ शुरू किया हो।
- यह जानने की कोशिश करें: वे किस समस्या का समाधान करते हैं? उन्होंने शुरुआत कैसे की? और उन्हें किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है?यदि संभव हो, तो उनके सफर को बेहतर ढंग से समझने के लिए उनसे या उनके परिवार के किसी सदस्य से कुछ सरल प्रश्न पूछें।

गतिविधि 4 अपना उद्यमी अवतार (Entrepreneur Avatar) डिजाइन करें

उद्देश्य

- यह बताना कि एक उद्यमी कौन है, वे गुण पहचाना जो एक व्यक्ति को एक उद्यमी बनाती हैं!

निर्देश

- सोचें: " वे कौन से गुण हैं जो एक व्यक्ति को एक अच्छा उद्यमी बनाती हैं?"
- अब, (अलग-अलग या जोड़ियों में) Entrepreneur Avatar तैयार करें—जो कि एक उद्यमी के रूप में आपका 'सुपरहीरो' रूप होगा!
- आपके अवतार में ये चीजें होनी चाहिए
    - नाम: (जैसे: आईडिया स्पार्क, प्रॉब्लम बस्टर, प्लान मास्टर)
    - सुपरपावर्स: (विशेष उद्यमी कौशल – जैसे रचनात्मकता, नेतृत्व, साहस)
    -मिशन: (आप समाज की कौन सी समस्या हल करना चाहते हैं)
    -कमजोरी: (ऐसी चीज़ जो कभी-कभी आपको पीछे खींचती है)
- कागज पर अपने इस अवतार का चित्र बनाएँ
- इस सुपरहीरो का वर्णन करते हुए 2–3 पंक्तियाँ लिखें

चिंतन प्रश्न

प्र.1. आपके अनुसार असली उद्यमियों को किस 'सुपरपावर' की सबसे अधिक आवश्यकता होती है और क्यों?

....

....

प्र.2. आपके सुपरहीरो के कौन से गुण असल जिंदगी में आपके पास पहले से मौजूद हैं?

....

....

ज्ञान वर्धक

- एक उद्यमी (Entrepreneur) केवल वह नहीं है जो व्यवसाय शुरू करता है, बल्कि वह है जिसमें रचनात्मकता, आत्मविश्वास, नेतृत्व, समस्या सुलझाने की क्षमता और जोखिम लेने का साहस जैसे महत्त्वपूर्ण गुण होते हैं।
- खुद को एक "उद्यमी अवतार" के रूप में कल्पना करके, आप यह महसूस कर सकते हैं कि हर उद्यमी की अपनी क्षमता और कमजोरियाँ होती हैं और ये दोनों ही सीखने की यात्रा का हिस्सा हैं।
- उद्यमिता कौशल (Entrepreneurial skills) समय के साथ विकसित किए जा सकते हैं। आपकी छोटी-छोटी क्षमताएँ भी जब पहचानी और मजबूत की जाती हैं तो दुनिया की समस्याओं को हल करने और सकारात्मक बदलाव लाने में मदद करती हैं।

केस स्टोरी 1 रितेश अग्रवाल -एक साधारण विचार से ग्लोबल प्रभाव तक

उद्देश्य

- असली उद्यमी (Entrepreneurs) अवसरों की पहचान कैसे करते हैं और उन पर कदम कैसे उठाते हैं।
- ऐसे रोल मॉडल्स को पहचानना जिनकी यात्रा उद्यमिता के अलग-अलग रास्तों को दर्शाती है।

निर्देश

- कहानी को ध्यान से पढ़ें।

रितेश अग्रवाल

कल्पना कीजिए कि आपके पास कमरे का किराया देने के लिए पैसे नहीं हैं, बैंक खाता खाली है और आप एक नए शहर में बिना किसी सहारे के अपनी उत्तरजीविता (survivial) के बारे में सोच रहे हैं। रितेश अग्रवाल के लिए, यह दौर उनके सफर का अंत नहीं, बल्कि सीखने की एक गहरी शुरुआत थी। एक युवा उद्यमी के रूप में भारत भर में यात्रा करते समय, वे सैकड़ों छोटे होटलों और गेस्टहाउस में रुके। उन्होंने वहां एक पैटर्न देखा: कमरे सस्ते तो थे, लेकिन विश्वसनीय नहीं थे। साफ-सफाई का कोई ठिकाना नहीं था और ग्राहकों के पास गुणवत्ता (quality) का कोई आश्वासन नहीं था। रितेश ने इसे एक बाधा के रूप में देखने के जगह , एक ऐसी 'सिस्टम-लेवल' समस्या के रूप में देखा जिसे सुलझाया जा सकता था।

उन्होंने महसूस किया कि अधिकांश होटल मालिक जानबूझकर खराब सेवा नहीं दे रहे थे; बल्कि उनके पास सही सिस्टम, तकनीक और मार्गदर्शन की कमी थी। रितेश का विचार प्रतिस्पर्धा करने के जगह साझेदारी करने का था ताकि वे छोटे होटलों की मदद कर सकें।

रितेश ने होटल मालिकों के साथ मिलकर बारीकी से काम किया, बुनियादी गुणवत्ता मानक (quality standards) लागू किए, कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया और बुकिंग व कीमत तय करने के लिए तकनीक का इस्तेमाल किया। इससे ग्राहकों के लिए एक विश्वसनीय ब्रांड खड़ा हुआ और इस तरह oyo की शुरुआत हुई। इतनी कम उम्र में उन्होंने संदेह, अस्वीकृति और आर्थिक दबाव का सामना किया लेकिन उन्होंने सुनना, सीखना और अपने तरीके को सुधारना जारी रखा। उनकी यात्रा दिखाती है कि उद्यमिता केवल विचारों या तेज़ विकास के बारे में नहीं है बल्कि समस्याओं को सुलझाने के लिए नवाचार का उपयोग करने, चुनौतियों के अनुसार ढलने और ऐसे समाधान बनाने के बारे में है जो सभी के लिए काम करें।

चिंतन प्रश्न

प्र.1. आपको क्या लगता है कि रितेश अग्रवाल ने कौन से जोखिम (Risks) उठाए और उन्होंने उन्हें कैसे संभाला?

....

प्र.2. क्या आपने कभी अपने स्कूल या समुदाय में कोई छोटी समस्या देखी है जो एक बड़ा अवसर बन सकती है?

....

प्र.3. यह कहानी चुनौतियों को सफलता की सीढ़ी (Stepping stones) बनाने के बारे में क्या सिखाती है?

....

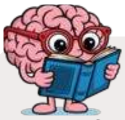

ज्ञान वर्धक

- चुनौतियाँ अक्सर समस्याओं के रूप में सामने आती हैं लेकिन जब कोई व्यक्ति रचनात्मक रूप से सोचता है, नए तरीकों को आजमाने का साहस रखता है और आसानी से हार नहीं मानता तो ये चुनौतियाँ अवसरों में बदल सकती हैं।
- रचनात्मकता नए समाधान खोजने में मदद करती है, साहस पहला कदम उठाने में मदद करता है और लचीलापन (resilience) कठिन समय में भी आगे बढ़ने की शक्ति देता है।
- उद्यमिता (Entrepreneurship) पाँच मुख्य चरणों का पालन करती है: पहला, विचार प्राप्त करना; दूसरा, उस पर काम करने की योजना बनाना; तीसरा, कार्रवाई करना; चौथा, जोखिम उठाने और गलतियों से सीखने के लिए तैयार रहना; और अंत में, दूसरों के लिए मूल्य (value) बनाना। यह दर्शाता है कि छोटे विचार भी सार्थक समाधान बन सकते हैं जब कोई पहल करता है और दृढ़ संकल्प के साथ उन पर काम करता है।

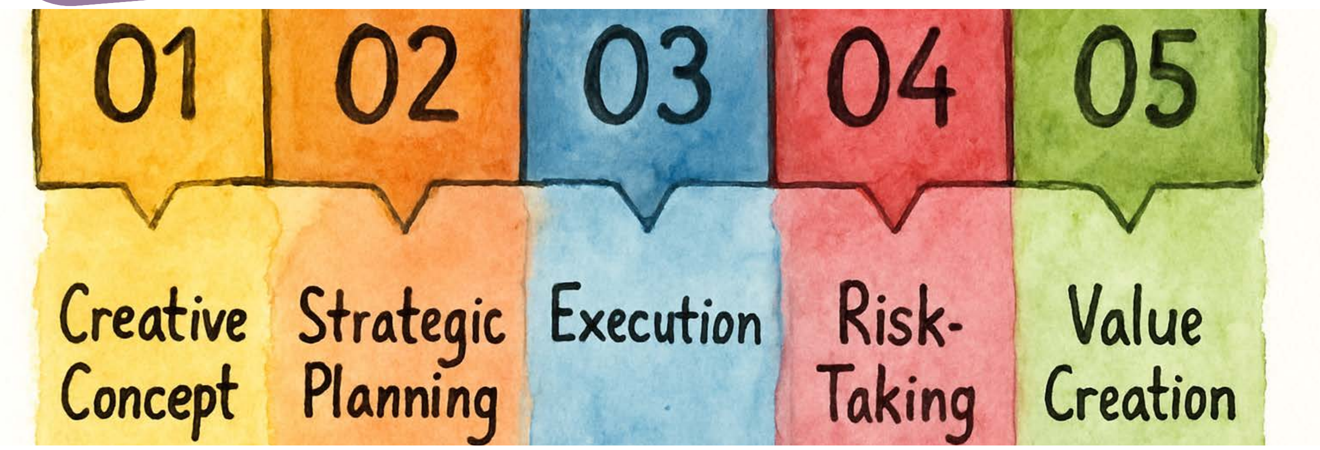

रचनात्मक अवधारणा

हर उद्यमी यात्रा की शुरुआत एक विचार, रचनात्मकता की एक नन्ही सी चिंगारी से होती है। यह किसी ऐसी नए विचार, उत्पाद या सेवा को खोजने के बारे में है जो किसी आवश्यकता को पूरा करे या किसी समस्या का समाधान प्रस्तुत करे। उद्यमी लीक से हटकर सोचते हैं और उन संभावनाओं की कल्पना करते हैं जिन्हें दूसरों ने अब तक टटोला भी नहीं होता।

रणनीतिक योजना

योजना बनाने की। योजना बनाना इसलिए आवश्यक है ताकि आप समझ सकें कि उस विचार को वास्तविकता में कैसे बदलना है। एक उद्यमी अपनी राह के कदम तय करता है, साफ लक्ष्य चुनता है और उन संसाधनों और साथ की पहचान करता है जो उसे सफल बनाने के लिए ज़रूरी है ।

निष्पादन

लाया जाए। 'एग्जीक्यूशन' (कार्यान्वियन) ही वह पड़ाव है जहाँ सारी योजना वास्तविकता का रूप लेती है। एक उद्यमी अपने विचार को जीवंत करने के लिए ठोस कदम उठाता है—चाहे वह प्रोटोटाइप बनाना हो या ग्राहकों से फीडबैक लेना। असल में, यह योजनाओं को एक ठोस परिणाम में बदलने का नाम है।

जोखिम उठाना

पैसों का दांव हो, समय का निवेश हो या फिर असफल होने का डर—एक उद्यमी छलांग लगाने से पीछे नहीं हटता। वे बखूबी जानते हैं कि तरक्की चुनौतियों के साथ ही आती है और वे उस अनिश्चितता का सामना करने के लिए तैयार रहते हैं जो किसी विचार को एक्शन में बदलने के साथ आती है ।

मूल्य सर्जन

ग्राहकों, समुदायों और समाज के लिए मूल्य सृजन करना है। चाहे वह किसी समस्या का समाधान करना हो, जीवन स्तर में सुधार लाना हो, अथवा अर्थव्यवस्था में योगदान देना हो, उद्यमी अपने कार्यों के माध्यम से प्रभाव उत्पन्न करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

हमने क्या सीखा!

- उद्यमिता (Entrepreneurship) का अर्थ सिर्फ व्यवसाय शुरू करना नहीं है; यह अलग तरह से सोचने, समस्याओं को सुलझाने और दैनिक जीवन में मूल्य (value) जोड़ने के बारे में है।
- कोई भी, किसी भी उम्र में, समस्याओं पर गौर करके, नई संभावनाओं की कल्पना करके और उन पर कदम उठाकर एक उद्यमी बन सकता है।
- हमने उद्यमिता के विभिन्न प्रकारों के बारे में सीखा जैसे: नवाचारी (innovative), सामाजिक, लघु-स्तरीय, तकनीकी, अनुकरणीय (imitative), रचनात्मक, ग्रामीण और विद्यार्थी उद्यमिता। इससे पता चलता है कि समाज पर प्रभाव डालने के कई तरीके हैं।
- अगली कक्षा में, हम इस यात्रा को जारी रखते हुए 'उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र' (entrepreneurial ecosystem) के बारे में जानेंगे।

अवधारणा

- उद्यमशीलता वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से व्यक्ति या समूह अवसरों की पहचान करते हैं, विचारों को विकसित करते हैं, जोखिम उठाते हैं और समाज के लिए कुछ मूल्यवान बनाते हैं। उद्यमी नए उत्पादों, सेवाओं या काम करने के नए तरीकों की पेशकश करके समस्याओं का समाधान करते हैं।
- OECD (आर्थिक सहयोग और विकास संगठन) के अनुसार: "उद्यमशीलता व्यक्तियों द्वारा विचारों को क्रियान्वयन (action) में बदलने के बारे में है। इसमें रचनात्मकता, नवाचार और अपने परिवेश को आकार देने की जिम्मेदारी लेना शामिल है।"
- तकनीक, नई नौकरियों और वैश्विक चुनौतियों के कारण दुनिया तेज़ी से बदल रही है। उद्यमशीलता ऐसे कौशल (skills) विकसित करती है जो युवाओं को आगे बढ़ने में मदद करते हैं, चाहे वे खुद का व्यवसाय शुरू करें या न करें।
- UNESCO के अनुसार, उद्यमिता शिक्षा 21वीं सदी के आवश्यक कौशल विकसित करती है, जिनमें शामिल हैं: तार्किक सोच (Critical thinking) समस्या समाधान (Problem-solving) सहयोग और संचार (Collaboration & Communication) अनुकूलन क्षमता और लचीलापन (Adaptability & Resilience)

साप्ताहिक कार्य

- अपने आस-पास नज़र डालें और किसी एक 'रोज़मर्रा के उद्यमी' को पहचानें। यह कोई दुकान मालिक, रेहड़ी-पटरी वाला, घर से छोटा व्यवसाय चलाने वाला, कोई सेवा प्रदाता (service provider), या यहाँ तक कि कोई छात्र भी हो सकता है जिसने खुद कुछ शुरू किया हो।
- यह देखने की कोशिश करें कि वे किस समस्या का समाधान करते हैं, उन्होंने शुरुआत कैसे की, और उन्हें किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। यदि संभव हो, तो उनके सफर को बेहतर ढंग से समझने के लिए उनसे या उनके परिवार के किसी सदस्य से कुछ सरल प्रश्न पूछें।
- इसके बाद: एक छोटा पैराग्राफ (6-8 वाक्य) लिखें जिसमें बताएँ कि वह उद्यमी कौन है, वे क्या करते हैं, आपने उन्हें क्यों चुना और आपने उनसे क्या सीखा। कृपया अपना उत्तर एक पेज पर साफ-सुथरा लिखें और अगली कक्षा में जमा करें

अध्याय 03

उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र का परिचय

H4R7R5

कालांश: 3

पिछला सारांश

पिछले अध्याय में, हमने **NEEEV** मिशन, उसके विज़न और मुख्य घटकों के बारे में सीखा। हमने रितेश अग्रवाल की प्रेरक कहानी के माध्यम से यह समझा कि कैसे सही सोच और सहयोग से एक छोटी-सी समस्या एक सफल विचार में बदल सकती है। अब हम आगे बढ़ने और उस बड़ी तस्वीर को समझने के लिए तैयार हैं, जिसे उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र का परिचय (Entrepreneurial Ecosystem) कहा जाता है। यह तंत्र हर उद्यमी की यात्रा में उसकी मदद करता है।

परिचय

किसी भी उद्यमी को केवल एक अच्छे विचार की ही आवश्यकता नहीं होती; उसे ऐसे लोगों, जगहों, टूल्स और सहयोग की भी आवश्यकता होती है जो उसके विचार को आगे बढ़ाने में मदद करें। उदाहरण के लिए, एक छोटे फूड स्टाल के बारे में सोचें (यह आपके विद्यालय के पास वाला मोमोज का स्टाल भी हो सकता है।) उस मोमोज वाले को अपना स्टाल चलाने के लिए कई अन्य विक्रेताओं (Vendors) पर निर्भर रहना पड़ता है, जैसे सब्जी बेचने वाला, गैस सप्लाई करने वाला, पैकिंग का सामान देने वाला, ग्राहक और यहाँ तक कि डिलीवरी के लिए ऑनलाइन मैप्स। ये सभी हिस्से मिलकर एक उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र का परिचय बनाते हैं।

इस अध्याय में, हम यह जानेंगे कि कैसे मार्गदर्शक, आपूर्तिकर्ता, ग्राहक, तकनीक और सरकारी सहायता जैसे विभिन्न लोग और प्रणालियाँ उद्यमियों को उनके विचारों को सफलतापूर्वक शुरू करने और उन्हें बड़ा बनाने में मदद करती हैं। जिस तरह एक पौधे को बढ़ने के लिए धूप, मिट्टी और पानी की आवश्यकता होती है, उसी तरह हर उद्यमी को फलने-फूलने के लिए सही वातावरण की आवश्यकता होती है।

अधिगम प्रतिफल:

- उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र (Entrepreneurial Ecosystem) के बारे में समझना।
- इस पारिस्थितिकी तंत्र के मुख्य घटकों (Components) की पहचान करना।
- पारिस्थितिकी तंत्र के प्रत्येक सदस्य की भूमिका का वर्णन करना।
- यह समझना कि इस तंत्र के अलग-अलग हिस्से एक साथ मिलकर कैसे काम करते हैं।
- नए विचारों के लिए सहायता प्रणालियों के महत्त्व को पहचानना।
- इन अवधारणाओं को अपने स्वयं के विचारों पर लागू करना।

गतिविधि 1 स्वयं का उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र का परिचय मानचित्र तैयार करें

उद्देश्य

- यह समझना कि उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र का परिचय (Entrepreneurial Ecosystem) क्या है।
- यह जानना कि कैसे अलग-अलग लोग और संगठन किसी व्यवसाय को बढ़ने में मदद करते हैं।

निर्देश

- कल्पना कीजिए कि आप एक उद्यमी (Entrepreneur) हैं।
- एक कागज़ के बीच में अपना नाम लिखें और एक गोला बनाएँ : "उद्यमी: मैं"।
- किसी एक साधारण बिज़नेस आइडिया के बारे में सोचें, जैसे: नाश्ते का स्टाल, हाथ से बना साबुन, इको-फ्रेंडली बैग या मोबाइल रिपेयरिंग।
- बीच वाले गोले के चारों ओर, इन लोगों या समूहों (हितधारकों/Stakeholders) के नाम लिखें:
  - मेंटर
  - ग्राहक
  - सरकार
  - निवेशक (Investor)
  - इंक्यूबेटर (Incubator)
  - समुदाय (Community)
- केंद्र (Centre) से प्रत्येक हितधारक तक रेखाएँ खींचें।
- प्रत्येक के लिए, 2-3 छोटे बिंदु लिखें कि:
- वे आपके बिज़नेस की मदद कैसे करते हैं?
- वे क्यों महत्त्वपूर्ण हैं?
- वे आपकी किन समस्याओं को हल करने में मदद करते हैं?
- माइंड मैप (Mind Map) पूरा करने के बाद, इसे कक्षा में सबके साथ साझा करें।
- ध्यान दें कि कैसे अलग-अलग बिज़नेस आइडिया के लिए सहायता के प्रकार अलग हो सकते हैं, भले ही हितधारक (Stakeholders) एक जैसे हों।

चिंतन प्रश्न

प्र.1. आपको पारिस्थितिकी तंत्र (Ecosystem) में आपको कौन-सा हिस्सा सबसे महत्त्वपूर्ण लगता है और क्यों?

....

....

प्र.2. यदि आपके बिज़नेस आइडिया में से कोई एक हिस्सा (जैसे ग्राहक या मेंटर) गायब हो जाए, तो आपके बिज़नेस का क्या होगा?

....

....

प्र.3. यअगर एक खिलाड़ी (जैसे ग्राहक या मेंटर्स) मौजूद नहीं होता तो आपके व्यवसाय विचार का क्या होता?

....

....

ज्ञान वर्धक

विभिन्न लोग और संगठन एक बड़े तंत्र (System) के हिस्सों की तरह मिलकर काम करते हैं, जिसे उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र का परिचय का परिचय कहा जाता है। एक विचार को सफल व्यवसाय में बदलने के लिए हर कोई एक विशिष्ट भूमिका निभाता है।

- **मेंटर (Mentor):** एक मार्गदर्शक जो अपने अनुभव साझा करता है, सलाह देता है और गलतियों से बचने में मदद करता है।
- **ग्राहक (Customer):** वे लोग जो उत्पाद या सेवा का उपयोग करते हैं और सुधार के लिए अपनी प्रतिक्रिया देते हैं।
- **सरकार (Government):** नियम, सहायता योजनाएँ, अनुमतियाँ और सुविधाएँ प्रदान करती है जो व्यवसाय चलाना आसान बनाती हैं।
- **निवेशक (Investor):** व्यवसाय को शुरू करने और बढ़ाने के लिए पैसा और संसाधन देता है।
- **इंक्यूबेटर (Incubator):** नए विचारों को मज़बूत व्यवसाय में बदलने के लिए प्रशिक्षण (Training), कार्यक्षेत्र और मार्गदर्शन प्रदान करता है।
- **समुदाय (Community):** इसमें स्थानीय लोग और संगठन शामिल होते हैं जो सहायता करते हैं, जागरूकता फैलाते हैं और व्यवसाय के लिए एक सकारात्मक माहौल बनाते हैं।

जब उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र का परिचय के ये हिस्से आपस में जुड़ते हैं और एक उद्यमी का समर्थन करते हैं तो विचार के और भी मज़बूत, बेहतर और सफल होने की संभावना बढ़ जाती है।

गतिविधि 2 पारिस्थितिकी तंत्र (Ecosystem) से मिलें- एक रोल प्ले

उद्देश्य

- To यह समझना कि पारिस्थितिकी तंत्र के अलग-अलग खिलाड़ी (जैसे- मेंटर, ग्राहक, निवेशक, सरकार, इंक्यूबेटर) एक ही विचार को अलग-अलग दृष्टिकोण से कैसे देखते हैं।
- यह सीखना कि विभिन्न हितधारकों (Stakeholders) से मिलने वाला सुझाव कैसे एक विचार को अधिक व्यावहारिक, उपयोगी और लागू करने के योग्य बनाने में मदद करता है।

निर्देश

- 5 विद्यार्थियों का समूह (Groups) बनाएँ।
- एक साधारण बिज़नेस आइडिया चुनें (उदाहरण के लिए: नाश्ते का स्टाल, इको-फ्रेंडली बैग, एक छोटी स्टेशनरी की दुकान, या मोबाइल रिपेयरिंग)।
- प्रत्येक समूह में, हर विद्यार्थी को एक भूमिका (Role) दें:
  - मेंटर
  - ग्राहक
  - निवेशक
  - सरकार
  - इंक्यूबेटर (Incubator)
- विभिन्न पारिस्थितिकी तंत्र के भागीदार - जैसे मेंटर, ग्राहक, निवेशक , सरकार और इनक्यूबेटर , एक ही विचार को अलग-अलग दृष्टिकोण से कैसे देखते हैं।

- विभिन्न हितधारकों से मिलने वाला फीडबैक किसी विचार को अधिक वास्तविक, उपयोगी और लागू करने के लिए तैयार करने में कैसे मदद करता है।
- प्रत्येक विद्यार्थी अपनी भूमिका (Role) के अनुसार सोचेंगे और कहेंगे:
    - उन्हें विचार के बारे में क्या पसंद आया?
    - उन्हें इसमें क्या समस्याएँ या कमियाँ दिखाई देती हैं?
    - क्या सलाह देना चाहेंगे?
- एक-दूसरे को ध्यान से सुनें और नोट करें कि एक ही विचार अलग-अलग लोगों को अलग-अलग तरीके से कैसा दिखता है।
- अंत में, चर्चा करें कि यह फीडबैक विचार को बेहतर बनाने और उसे शुरू करने के लिए तैयार करने में कैसे मदद कर सकता है।

चिंतन प्रश्न

प्र.1. प्रत्येक हितधारक ने विचार को अलग तरह से कैसे प्रभावित किया?

....

....

....

प्र.2. किस फीडबैक ने विचार को सबसे अधिक बदला?

....

....

....

ज्ञान वर्धक

- एक ही व्यावसायिक विचार (Business Idea) अलग-अलग लोगों को बहुत अलग तरीके से दिख सकता है। उदाहरण के लिए, जहाँ एक मार्गदर्शक विचार को सही दिशा और मार्गदर्शन देने के बारे में सोचता है, वहीं एक ग्राहक उसकी उपयोगिता और कीमत पर ध्यान देता है। इसी तरह, एक निवेशक हमेशा लाभ और जोखिम के संतुलन को देखता है जबकि सरकार का मुख्य ध्यान नियमों के पालन और सहायता प्रदान करने पर होता है। एक इंक्यूबेटर (Incubator) यह देखता है कि उस विचार को कैसे बेहतर ढंग से विकसित और प्रशिक्षित किया जा सकता है।
- जब एक उद्यमी इन सभी अलग-अलग दृष्टिकोणों और पारिस्थितिकी तंत्र के सदस्यों की बातों को सुनता है, तो उसका विचार पहले से अधिक स्पष्ट, मजबूत और व्यावहारिक बन जाता है।

केस स्टोरी 1 काव्या का स्वच्छ जल विचार

उद्देश्य

- यह समझना कि पारिस्थितिकी तंत्र के विभिन्न सदस्य जैसे मार्गदर्शक, ग्राहक , समुदाय , इंक्यूबेटर (Incubator), निवेशक और सरकार किसी विचार को विकसित करने में कैसे मदद करते हैं।
- यह सीखना कि किसी अस्पष्ट विचार को वास्तविक और उपयोगी समाधान में बदलने के लिए उसका परीक्षण करना, उसमें सुधार करना और फीडबैक लेना क्यों आवश्यक है।

काव्या, एक छोटे से कस्बे की कक्षा 10 की छात्रा है। उसने ध्यान दिया कि उसके पड़ोस के कई घरों में सब्जियाँ धोते समय बहुत सारा पानी बरबाद हो रहा था। उसने एक साधारण फ़िल्टर बनाने के बारे में सोचा, जिससे परिवार इस पानी को दोबारा पौधों के लिए उपयोग कर सकें।

शुरुआत में, काव्या के पास केवल एक अस्पष्ट स्केच (Rough sketch) था। उसके मार्गदर्शक, जो एक विज्ञान शिक्षक थे, उन्होंने डिज़ाइन को बेहतर बनाने में उसकी मदद की और कपड़े की परतों तथा एक छोटे कंटेनर का उपयोग करके एक बुनियादी प्रोटोटाइप (Prototype) या नमूना बनाने के लिए उसका मार्गदर्शन किया।

इसके बाद, काव्या ने ग्राहकों यानी अपने पड़ोसियों और दुकानदारों से बात की, ताकि वह समझ सके कि क्या वे वास्तव में ऐसे फ़िल्टर का उपयोग करेंगे। उन्होंने उसे बताया कि फ़िल्टर को थोड़ा छोटा और साफ करने में आसान होना चाहिए। इस फीडबैक ने उसे अपने मॉडल में सुधार करने में मदद की।

स्थानीय समुदाय ने काव्या को अपनी रसोई में फ़िल्टर का परीक्षण करने की अनुमति देकर उसका समर्थन किया। कुछ परिवारों ने तो यहाँ तक रिकॉर्ड किया कि उन्होंने एक सप्ताह में कितना पानी बचाया।

जब काव्या ने एक स्कूल कार्यक्रम में अपना बेहतर प्रोटोटाइप (Prototype) प्रस्तुत किया, तो पास के एक इंक्यूबेटर (Incubator) के प्रतिनिधि ने उसकी परियोजना पर ध्यान दिया। इंक्यूबेटर ने उसे बेहतर उपकरणों, एक छोटे अनुदान और डिज़ाइन थिंकिंग (Design Thinking) पर कार्यशालाओं तक पहुँच प्रदान की। इससे काव्या को फ़िल्टर का एक अधिक मजबूत और टिकाऊ संस्करण बनाने में मदद मिली।

बाद में, एक जिला प्रदर्शनी के दौरान, एक छोटे निवेशक समूह ने इस विचार की क्षमता की सराहना की। उन्होंने कम लागत वाली निर्माण योजना का सुझाव दिया और बाज़ार में परीक्षण करने के लिए 100 इकाइयों को वित्तपोषित करने (फंड देने) की पेशकश की। सरकार की नवाचार योजना ने उसके यात्रा का खर्च उठाया और एक प्रमाण-पत्र प्रदान किया, जिससे उसके विचार को विश्वसनीयता मिली। मार्गदर्शकों , ग्राहकों , समुदाय , इंक्यूबेटरों , निवेशकों और सरकार के समर्थन से ही काव्या का साधारण विचार एक वास्तविक, उपयोगी उत्पाद के रूप में विकसित हुआ। यह दिखाता है कि कैसे इस पारिस्थितिकी तंत्र का हर हिस्सा एक नवाचारी को सफल होने में मदद करता है।

चिंतन प्रश्न

प्र.1. क्या होता अगर काव्या ने कभी ग्राहकों से बात नहीं की होती या अपने प्रोटोटाइप का परीक्षण नहीं किया होता?

....

प्र.2. प्रत्येक हितधारक ने काव्या के विचार को बेहतर बनाने में कैसे मदद की?

....

प्र.3. काव्या की यात्रा का कौन-सा हिस्सा आपको सबसे महत्त्वपूर्ण लगा और क्यों?

....

ज्ञान वर्धक

- यह कहानी दर्शाती है कि एक अच्छा विचार तब आगे बढ़ता है, जब कई लोग और संगठन उसका समर्थन करते हैं। काव्या ने अकेले काम नहीं किया; उसके मार्गदर्शक ने डिज़ाइन सुधारने में मदद की, ग्राहकों ने उपयोगी फीडबैक दिया, समुदाय ने परीक्षण में सहायता की, इंक्यूबेटर ने टूल और प्रशिक्षण दिया, निवेशकों ने फंड (धन) के साथ समर्थन किया और सरकार ने पहचान तथा सहायता प्रदान की।
- इस पारिस्थितिकी तंत्र के प्रत्येक हिस्से ने विचार को अधिक मजबूत, व्यावहारिक और वास्तविक उपयोग के लिए तैयार करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह हमें सिखाता है कि उद्यमशीलता एक टीम यात्रा है, जहाँ मार्गदर्शन, फीडबैक, संसाधन और प्रोत्साहन मिलकर एक साधारण विचार को एक सार्थक समाधान में बदलने में मदद करते हैं।

हमने क्या सीखा!

- इस अध्याय में हमने सीखा कि प्रत्येक उद्यमी को एक पारिस्थितिकी तंत्र (Ecosystem) द्वारा समर्थन प्राप्त होता है, यह उन लोगों और संगठनों का समूह है जो विचारों को विकसित करने में मदद करते हैं। हमने जाना कि मार्गदर्शक हमें रास्ता दिखाते हैं, ग्राहक अपना फीडबैक देते हैं और समुदाय हमें अपने विचारों का परीक्षण करने में मदद करता है। साथ ही, इंक्यूबेटर (Incubators) हमें टूल्स और प्रशिक्षण प्रदान करते हैं, निवेशक धन उपलब्ध कराते हैं और सरकारें नियम तथा अवसर बनाती है। ये सभी अलग-अलग भूमिकाएँ निभाते हैं और मिलकर किसी विचार को एक वास्तविक समाधान बनाना आसान बना देते हैं।
- काव्या की कहानी के माध्यम से हमने समझा कि विचार अकेले सफल नहीं हो सकते। उसका फ़िल्टर कदम-दर-कदम इसलिए बेहतर हुआ क्योंकि सही समय पर अलग-अलग लोगों ने उसका साथ दिया। हमारी गतिविधियों ने हमें यह भी दिखाया कि वास्तविक जीवन में यह पारिस्थितिकी तंत्र कैसे काम करता है, विभिन्न हितधारक कैसे सोचते हैं, वे क्या अपेक्षा करते हैं और उनका समर्थन किसी विचार को कैसे मजबूत बनाता है।
- कुल मिलाकर, हमने सीखा कि नवाचार एक सामूहिक प्रयास है। जब हम अपने पारिस्थितिकी तंत्र को समझते हैं और उसका सही उपयोग करते हैं तो हम साधारण विचारों को सार्थक समाधानों में बदल सकते हैं जो हमारे स्कूल, समुदाय और समाज की मदद करते हैं।

अवधारणा

- ग्लोबल एंटरप्रेन्योरशिप रिसर्च (Isenberg, Harvard Business Review; OECD Entrepreneurial Ecosystem Framework) के अनुसार, एक **उद्यमी पारिस्थितिकी तंत्र (Entrepreneurial Ecosystem)** "परस्पर जुड़े लोगों, संस्थानों और संसाधनों का एक नेटवर्क है जो उद्यमियों को विचारों को विकसित करने और उन्हें बड़े स्तर पर ले जाने (Scaling) में सहायता करने के लिए मिलकर काम करते हैं।" एक मजबूत उद्यमी पारिस्थितिकी तंत्र में आमतौर पर निम्नलिखित शामिल होते हैं:
- **मार्गदर्शक :** ज्ञान, कौशल (Skills) और अनुभव प्रदान करते हैं।
- **ग्राहक :** इस बात की पुष्टि करते हैं कि क्या विचार किसी वास्तविक समस्या का समाधान करता है।

- **समुदाय :** शुरुआती सहायता, परीक्षण के लिए स्थान और प्रोत्साहन प्रदान करता है।
- **इंक्यूबेटर्स (Incubators):** प्रशिक्षण, टूल्स, कार्य करने के लिए स्थान (Workspaces) और विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।
- **निवेशक :** फंडिंग (Funding) और व्यावसायिक नेटवर्क (Business networks) प्रदान करते हैं।
- **सरकार :** विकास को सक्षम करने के लिए नियम, नीतियाँ (Policies) और योजनाएँ (Schemes) बनाती है।
- ये तत्त्व अलग-अलग काम **नहीं** करते हैं बल्कि वे एक-दूसरे का समर्थन और मजबूती प्रदान करते हैं। आधुनिक उद्यमशीलता अध्ययन इस बात पर बल देते हैं कि: "नवाचार तब सफल होता है, जब उद्यमी अकेले काम करने के जगह एक सहायक पारिस्थितिकी तंत्र (Supportive ecosystem) से जुड़े होते हैं।"

साप्ताहिक कार्य

- किसी एक उद्यमी की कहानी चुनें—यह आपके पड़ोस का कोई व्यक्ति, आपके परिवार का सदस्य, स्थानीय दुकान का मालिक या कोई प्रसिद्ध उद्यमी जैसे पीयूष बंसल (Lenskart), रितेश अग्रवाल (OYO), या प्रफुल्ल बिल्लोर (MBA Chaiwala) हो सकते हैं।
- एक छोटा पैराग्राफ (8-10 वाक्य) लिखें, जिसमें निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर हों:
- उद्यमी कौन है और उन्होंने किस समस्या का समाधान किया?
- शुरुआत में उन्हें किसने समर्थन दिया?
- (जैसे: मार्गदर्शक , परिवार, शिक्षक, ग्राहक, समुदाय, निवेशक, आदि)
- किस फीडबैक या मदद ने उनके विचार को और मजबूत बनाया?
- क्या किसी संगठन, सरकारी योजना, इंक्यूबेटर (Incubator) या मेंटर ग्रुप ने उनकी मदद की?
- उनके पारिस्थितिकी तंत्र (Ecosystem) ने उनके विचार या व्यवसाय को बढ़ाने में कैसे मदद की?
- उनकी यात्रा से हमें कौन-सी एक महत्त्वपूर्ण सीख मिलती है?
- अपना पैराग्राफ लिखने के बाद, इसे एक फाइल (A4 शीट या नोटबुक के पेज) में अच्छे से तैयार करें और अगले कालांश में जमा करें।

अध्याय 04

एक उद्यमी की तरह सोचें

Y4V5S1

कालांश: 3

पिछला सारांश

पिछले अध्याय में, हमने सीखा कि **उद्यमिता** का वास्तव में क्या अर्थ है—अलग तरह से सोचना, समस्याओं को सुलझाना, और लाभ कमाकर या समाज में योगदान देकर मूल्य पैदा करना। हमने विभिन्न प्रकार के उद्यमियों के बारे में जाना और समझा कि जब कोई पहल करता है तो साधारण विचार भी बड़े कैसे बन सकते हैं। प्रेरणादायक कहानियों और व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से, हमने यह जाना कि कोई भी, किसी भी उम्र में, दैनिक जीवन की चुनौतियों को पहचानकर और उन्हें अवसरों में बदलकर एक उद्यमी की तरह काम कर सकता है।

परिचय

उद्यमी कौशल वे क्षमताएँ हैं जो किसी व्यक्ति को रचनात्मक रूप से सोचने, समस्याओं को हल करने, पहल करने और विचारों को वास्तविकता में बदलने में मदद करती हैं। ये कौशल न केवल व्यवसाय शुरू करने के लिए उपयोगी हैं बल्कि हमारे दैनिक जीवन के लिए भी उतने ही महत्त्वपूर्ण हैं। ये हमें अपने परिवेश का निरीक्षण करने, अवसरों की पहचान करने, निर्णय लेने, दूसरों के साथ मिलकर काम करने और आत्मविश्वास के साथ चुनौतियों का सामना करने में मदद करते हैं। आज की तेज़ी से बदलती दुनिया में, उद्यमशील होने का अर्थ है—दूसरों द्वारा समस्याओं के सुलझने का इंतज़ार करने की जगह , स्वयं सीखने, परिस्थितियों के अनुसार ढलने और समाधान खोजने के लिए तैयार रहना। यह अध्याय आपको उन मुख्य कौशलों को समझने में मदद करेगा जिनका उपयोग उद्यमी करते हैं और आप उन्हें अपने जीवन में कैसे विकसित कर सकते हैं। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे, यह अध्याय इस बात पर ध्यान केंद्रित करेगा कि हम एक साथ कैसे सीखते हैं, निर्माण करते हैं और आगे बढ़ते हैं। उद्यमिता केवल एक व्यक्तिगत यात्रा नहीं है; इसमें टीम वर्क, सहयोग, प्रभावी संचार और दूसरों के साथ मिलकर काम करने की क्षमता की भी आवश्यकता होती है।

अधिगम प्रतिफल:

- अपने आस-पास की चीज़ों को अधिक ध्यान से देखेंगे और समस्याओं तथा छिपे हुए अवसरों की पहचान करेंगे।
- समस्याओं के भावनात्मक और सामाजिक पहलुओं को समझने में और दूसरों के प्रति समानुभूति विकसित करेंगे।
- रचनात्मक समाधान खोजने के लिए अपनी जिज्ञासा और कल्पना की शक्ति का उपयोग करेंगे।
- रचनात्मकता, समस्या-समाधान, संचार, टीम वर्क और निर्णय लेने जैसे कौशल विकसित करेंगे।
- सुनने और बोलने के बेहतरीन कौशल का उपयोग करते हुए टीमों में मिलकर काम करेंगे।

केस स्टोरी 1 वह व्यक्ति जिसने राष्ट्र की एक समस्या को पहचाना

उद्देश्य

- कैसे ध्यानपूर्वक अवलोकन वास्तविक समस्याओं की पहचान करने में मदद करता है।
- कैसे सही प्रश्न पूछने से सार्थक समाधान निकल सकते हैं।
- लोगों की आवश्यकताओं को समझने में समानुभूति और सुनने का महत्व।

निर्देश

- वर्गीज कुरियन (Verghese Kurien) और अमूल सहकारी संस्था (Amul cooperative) की कहानी को ध्यान से पढ़ें।

वर्गीज कुरियन

1940 के दशक में, भारत एक नया स्वतंत्र देश बना था जो अपने लोगों का पेट भरने के लिए संघर्ष कर रहा था। दूध, जो पोषण का एक महत्वपूर्ण स्रोत था, दुर्लभ और महंगा था। किसान कड़ी मेहनत करते थे लेकिन बहुत कम कमा पाते थे। ऐसी स्थिति में वर्गीज कुरियन आए, जो एक युवा इंजीनियर थे। वे गुजरात के आनंद (Anand) शहर में कोई व्यवसाय शुरू करने नहीं बल्कि केवल अपनी नौकरी करने आए थे। जब कुरियन किसानों के बीच रहने लगे तो उन्होंने उनके दैनिक जीवन का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया। उन्होंने देखा कि दूध अक्सर खराब हो जाता था क्योंकि किसानों के पास 'कोल्ड स्टोरेज' (शीत भंडारण) की सुविधा नहीं थी।.

किसानों के पास बिजली नहीं थी और भारत आयातित डेयरी उत्पादों पर निर्भर था। कई लोगों ने इन समस्याओं को देखा लेकिन कुरियन ने गहरे सवाल पूछे: "जब किसान उत्पादक हैं तो उन्हें कष्ट क्यों सहना चाहिए? वे खुद इस व्यवस्था के मालिक क्यों नहीं बन सकते?"

कुरियन ने किसानों से बात की, उनकी बातों को धैर्यपूर्वक सुना और उनकी आवश्यकताओं को समझा। उन्होंने महसूस किया कि मुख्य समस्या दूध का उत्पादन नहीं, बल्कि उसका सही **संगठन (Organization)** था। इसी समझ से एक **'सहकारी प्रणाली' (Cooperative system)** का विचार आया, जहाँ किसान अपना दूध एक साथ इकट्ठा कर सकें, लाभ को आपस में बाँट सकें और मिलकर व्यवसाय का प्रबंधन कर सकें।

दृढ़ संकल्प के साथ, कुरियन ने **अमूल (Amul)** की स्थापना में मदद की, जो किसानों के स्वामित्व वाली एक सहकारी संस्था बनी। गाँवों में दूध संग्रह केंद्र स्थापित किए गए, नई तकनीक लाई गई और लाभ सीधा किसानों के पास जाने लगा। समय के साथ, भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश बन गया और इससे लाखों ग्रामीण परिवारों को लाभ पहुँचा।

चिंतन प्रश्न

प्र.1. वर्गीज कुरियन ने किसानों के बीच रहते हुए उनके जीवन में किन समस्याओं को देखा?

....

प्र.2. वर्गीज कुरियन की किसानों के संघर्षों के प्रति जागरुकता ने उन्हें दूध की कमी के पीछे की असली समस्या को समझने में किस प्रकार मदद की?

....

प्र.3. आपको क्या लगता है कि कम आय, खराब दूध और बिचौलियों के नियंत्रण के कारण किसान कैसा महसूस कर रहे होंगे?

....

ज्ञान वर्धक

- यह कहानी दर्शाती है कि उद्यमिता की शुरुआत लोगों को समझने और उनकी समस्याओं को गहराई से देखने से होती है। वर्गीज कुरियन ने एक बड़ी कंपनी बनाने के विचार से शुरुआत नहीं की थी; उन्होंने किसानों की स्थिति को देखने, सुनने और उनकी परवाह करने से शुरुआत की।
- चीजें अनुचित क्यों थीं, यह प्रश्न पूछकर और एक बेहतर प्रणाली के बारे में सोचकर, उन्होंने एक ऐसा समाधान बनाने में मदद की जिससे लाखों लोगों को लाभ हुआ। यह सिखाता है कि समानुभूति, स्पष्ट सोच और सामूहिक प्रयास के साथ, एक साधारण विचार भी बड़े पैमाने पर सकारात्मक बदलाव ला सकता है।

गतिविधि 1 समानुभूति साक्षात्कार (The Empathy Interview)

उद्देश्य

- यह समझना कि लोग दैनिक जीवन की स्थितियों में कैसा महसूस करते हैं।
- ध्यान से सुनना और विचारों, कार्यों और भावनाओं पर गौर करना।
- किसी समस्या को दूसरे व्यक्ति के नज़रिए से देखकर समानुभूति विकसित करना।

निर्देश

- अपने किसी सहपाठी के साथ जोड़ी बनाएं।
- अपने साथी से किसी ऐसी स्थिति को साझा करने के लिए कहें जहाँ उन्होंने असहज महसूस किया हो या किसी समस्या का सामना किया हो (उदाहरण के लिए, क्लास प्रेजेंटेशन से पहले घबराहट महसूस करना, खेल के दौरान बाहर छोड़ दिया जाना या किसी विषय को कठिन पाना)।
- सरल प्रश्न पूछें जैसे:
- आपको उस स्थिति में कैसा महसूस हुआ?
- उस समय आप क्या सोच रहे थे?
- आपने क्या किया?
- समानुभूति मानचित्र (Empathy Map) पूरा करें:

  उस व्यक्ति ने क्या कहा: : _________________________
  उस व्यक्ति ने क्या किया: __________________________
  उस व्यक्ति ने क्या सोचा: ______________________
  उस व्यक्ति ने क्या महसूस किया: _________________________

चिंतन प्रश्न

प्र.1. दूसरे व्यक्ति की भावनाओं को समझने से आपके सोचने के तरीके में क्या बदलाव आया?

....

प्र.2. ध्यान से सुनना आसान था या कठिन? क्यों?

....

प्र.3. दूसरों की भावनाओं को समझना स्कूल या घर में कैसे मदद कर सकता है?

....

ज्ञान वर्धक

- जब हम ध्यान से सुनते हैं और यह समझने की कोशिश करते हैं कि दूसरे कैसा महसूस करते हैं तो हम अधिक दयालु और विचारशील बनते हैं। समानुभूति हमें अलग-अलग दृष्टिकोणों का सम्मान करने और समस्याओं को मिलकर सुलझाने के बेहतर तरीके खोजने में मदद करती है। हर व्यक्ति अलग तरह से समस्याओं का अनुभव करता है और उनकी भावनाएं उतनी ही महत्वपूर्ण हैं जितनी कि समस्या।
- ध्यान से और बिना टोके सुनने से, हम दूसरों के विचारों और भावनाओं का सम्मान करना सीखते हैं। समानुभूति हमें धैर्यवान, दयालु और सहायक बनना सिखाती है। जब हम समझते हैं कि कोई कैसा महसूस करता है तो हम बेहतर तरीके से प्रतिक्रिया दे सकते हैं और ऐसे समाधान सोच सकते हैं जो मददगार हों। यह कौशल न केवल दोस्ती और टीम वर्क के लिए महत्वपूर्ण है बल्कि जिम्मेदार और संवेदनशील व्यक्ति बनने के लिए भी जरूरी है, जो दूसरों के साथ बेहतर तरीके से काम करता है

साप्ताहिक कार्य

- सप्ताह के दौरान, अपने घर, स्कूल या पड़ोस में अपने परिवेश का सावधानीपूर्वक निरीक्षण करें। उन छोटी कठिनाइयों या चुनौतियों पर ध्यान दें जिनका लोग अपने दैनिक जीवन में सामना करते हैं। किसी एक ऐसी समस्या को चुनें जिसे आप अक्सर देखते हैं।
- इस समस्या से प्रभावित कम से कम एक व्यक्ति से बात करें। वे क्या कहते हैं उसे ध्यान से सुनें और समझने की कोशिश करें कि यह समस्या उन्हें कैसा महसूस कराती है। इस चरण में टोकें नहीं या समाधान न सुझाएं
- और लिखें (6-8 वाक्य):
  - आपने कौन सी समस्या देखी?
  - आपने इसे कहाँ देखा?
  - इस समस्या से कौन प्रभावित है?
  - समस्या लोगों को भावनात्मक या व्यावहारिक रूप से कैसे प्रभावित करती है?
  - उन्हें सुनकर आपने क्या सीखा?

केस स्टोरी 2 गज़ल अलघ - सवाल पूछना जिससे Mamaearth की शुरुआत हुई

उद्देश्य

- जिज्ञासा वास्तविक जीवन की समस्याओं को पहचानने में कैसे मदद करती है।
- सवाल पूछने और सावधानीपूर्वक निरीक्षण करने का महत्व।
- लोगों की बात सुनने और फीडबैक के आधार पर सुधार करने से विचार कैसे आगे बढ़ते हैं।

निर्देश

- गज़ल अलघ की कहानी को ध्यान से पढ़ें।
- उस समस्या को पहचानें जो उन्होंने अपने दैनिक जीवन में देखी थी।

गज़ल अलघ की उद्यमिता (Entrepreneurship) की यात्रा किसी ऑफिस या फैक्ट्री से नहीं, बल्कि उनके घर से शुरू हुई। एक युवा माँ के रूप में, वह अपने बच्चे के लिए इस्तेमाल किए जा रहे उत्पादों को लेकर काफी चिंतित थीं। बेबी-केयर उत्पादों की खरीदारी के दौरान, उन्होंने गौर किया कि कई उत्पाद "सुरक्षित" या "प्राकृतिक" होने का दावा करते हैं, लेकिन जब उन्होंने सामग्री के लेबल को ध्यान से पढ़ा तो उन्हें ऐसे रसायन(chemicals) मिले जो हानिकारक हो सकते थे। इस चिंता को नज़रअंदाज़ करने के बजाय, गज़ल के मन में जिज्ञासा जागी।

उन्होंने कुछ गहरे सवाल पूछना शुरू किया:

- माता-पिता को यह स्पष्ट रूप से क्यों नहीं पता होता कि बेबी उत्पादों में क्या डाला गया है?
- वास्तव में सुरक्षित उत्पादों को खोजना इतना कठिन क्यों है?
- कंपनियाँ अधिक ईमानदार और पारदर्शी क्यों नहीं हो सकतीं?

mamaearth

इन सवालों से प्रेरित होकर, गज़ल ने प्राकृतिक सामग्रियों पर शोध किया, डॉक्टरों, वैज्ञानिकों और अन्य माता-पिता से बात की, और वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं का अध्ययन किया। अपनी कल्पना शक्ति और लोगों से मिले फीडबैक का उपयोग करते हुए, उन्होंने अपनी टीम के साथ मिलकर **Mamaearth** बनाया, जो समस्याओं का एक शक्तिशाली समाधान साबित हुआ। एक ऐसा ब्रांड जो टॉक्सिन-मुक्त (हानिकारक रसायनों से रहित), ईमानदार और पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों पर केंद्रित था। यह यात्रा आसान नहीं थी। लोगों का विश्वास जीतने में समय लगा। ग्राहकों से मिलने वाले फीडबैक के आधार पर उत्पादों का परीक्षण किया गया, उनमें सुधार किया गया और उन्हें फिर से डिजाइन किया गया। गज़ल और उनकी टीम ने माता-पिता को जागरूक करने और उनकी चिंताओं को सुनने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग किया। Mamaearth इसलिए सफल हुआ क्योंकि इसकी नींव जिज्ञासा, कल्पना और लोगों की ज़रूरतों की गहरी समझ पर रखी गई थी। गज़ल की कहानी हमें सिखाती है कि सही सवाल पूछने से ही सार्थक और बड़े समाधान निकल सकते हैं।

गज़ल अलघ

चिंतन प्रश्न

प्र.1. गज़ल अलघ ने दैनिक जीवन के उत्पादों में किस समस्या पर गौर किया?

....

प्र.2. जिज्ञासा ने उन्हें मौजूदा उत्पादों पर सवाल उठाने में कैसे मदद की?

....

प्र.3. कल्पना ने चिंता को समाधान में बदलने में कैसे मदद की?

....

ज्ञान वर्धक

- यह कहानी दर्शाती है कि उद्यमिता (Entrepreneurship) अक्सर जिज्ञासा और लोगों के कल्याण के प्रति चिंता के साथ शुरू होती है।

- सावधानीपूर्वक अवलोकन करने, सही प्रश्न पूछने और वास्तविक आवश्यकताओं को समझने से ही अर्थपूर्ण विचारों (meaningful ideas) का निर्माण किया जा सकता है। ग़ज़ल अलघ की यात्रा हमें सिखाती है कि लोगों का विश्वास जीतने और वास्तव में मदद करने वाले समाधान विकसित करने के लिए ईमानदारी, कल्पना, शोध (research) और फीडबैक अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

गतिविधि 2 अंतराल कम करना (Bridge the Gap)

उद्देश्य

- टीम वर्क (सामूहिक कार्य) और सहयोग के महत्व को समझना।
- यह देखना कि कठिन कार्य को पूरा करने के लिए लोग एक-दूसरे का समर्थन कैसे करते हैं।
- यह महसूस करना कि साथ मिलकर काम करने से चुनौतियों को हल करना आसान हो जाता है।

निर्देश

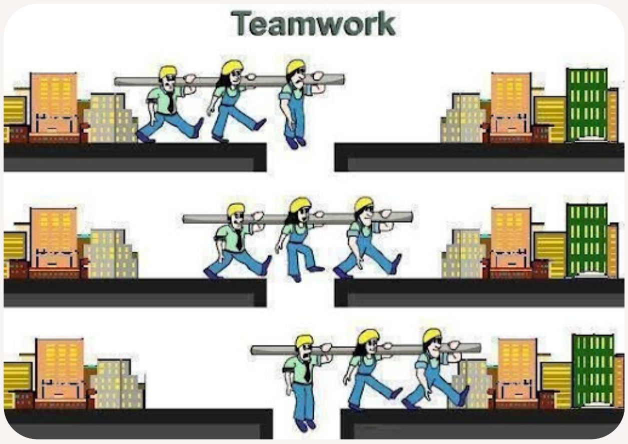

- ऊपर दिए गए चित्र को देखें।
- इन प्रश्नों के उत्तर दें:
- आप इस चित्र से क्या समझते हैं?
- आपको क्या लगता है कि यहाँ क्या हो रहा है?
- इसे पढ़ें: मजदूर एक बड़े अंतराल (gap) का सामना कर रहे हैं। अकेले पार करने के जगह, वे एक टीम के रूप में काम करते हैं। एक व्यक्ति पाइप को मजबूती से पकड़ता है, दूसरा पार करता है और फिर वे अगले व्यक्ति की मदद करते हैं। कदम दर कदम, हर कोई सुरक्षित पहुँच जाता है।

चिंतन प्रश्न

प्र.1. कुछ कार्यों को अकेले पूरा करना कठिन क्यों होता है?

....

प्र.2. टीम वर्क काम को आसान और सुरक्षित कैसे बनाता है?

....

प्र.3. एक समूह में आप आमतौर पर कौन सी भूमिका निभाते हैं? (योजना बनाने वाला, वक्ता, सहायक, आयोजक, आदि)

....

ज्ञान वर्धक

- यह गतिविधि दर्शाती है कि सफलता के लिए टीम वर्क और सहयोग बहुत महत्वपूर्ण हैं। जैसा कि चित्र में दिखाया गया है, जब लोग एक-दूसरे का समर्थन करते हैं और अपनी अपनी क्षमताओं का एक साथ उपयोग करते हैं तो कठिन कार्य भी संभव हो जाते हैं।
- हर किसी की अपनी एक विशेष भूमिका होती है, और जब ये भूमिकाएँ एक साथ मिलती हैं, तो टीम और अधिक मजबूत हो जाती है। समूह में काम करने से हमें बेहतर सीखने, समस्याओं को तेज़ी से हल करने और उन लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिलती है जिन्हें अकेले पाना कठिन होता है।

गतिविधि 3 | गेंद पास करें – टीम समन्वय (Coordination) चुनौती

उद्देश्य

- समन्वय (coordination), संचार (communication) और साझा जिम्मेदारी के महत्व को समझना।
- यह अनुभव करना कि टीम वर्क किसी कार्य को सफलतापूर्वक पूरा करने में कैसे मदद करता है।
- यह सीखना कि योजना बनाने और साथियों पर भरोसे से कठिन कार्य कैसे आसान हो जाते हैं।

निर्देश

- 6-8 शिक्षार्थियों की टीमें बनाएँ।
- प्रत्येक टीम एक सीधी रेखा में, कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी होगी, जिसमें प्रत्येक शिक्षार्थी के बीच थोड़ा स्थान होगा।
- प्रत्येक टीम के पहले शिक्षार्थी को कागज की गेंद दी जाएगी।
- चुनौती यह है::
  - गेंद को पहले व्यक्ति से आखिरी व्यक्ति तक बिना हाथों का उपयोग किए पहुँचाना है।
  - आप केवल कोहनियों, कंधों का उपयोग कर सकते हैं या इसे ठुड्डी (chin) के नीचे दबाकर रख सकते हैं।
  - यदि गेंद गिर जाती है तो टीम को फिर से शुरु करना होगा।
- आपकी टीम को अभ्यास करने और यह तय करने के लिए 5 मिनट मिलेंगे कि:
  - शुरुआत कौन करेगा?
  - गेंद किस दिशा में पास की जाएगी?
  - टीम गेंद को कैसे संतुलित करेगी और सहारा देगी?
- अभ्यास के बाद, प्रत्येक टीम को दो आधिकारिक प्रयास मिलेंगे।
- जो टीम सबसे कम समय में सफलतापूर्वक गेंद पास करेगी, वह विजेता होगी।
- गतिविधि के बाद, प्रत्येक पंक्ति का अंतिम शिक्षार्थी साझा करेगा कि टीम के साथियों पर निर्भर रहना कैसा महसूस हुआ।

चिंतन प्रश्न

प्र.1. इस गतिविधि में संचार (communication) क्यों महत्वपूर्ण था?

....

प्र.2. क्या हुआ जब एक व्यक्ति ने अपना संतुलन या ध्यान खो दिया?

....

प्र.3. टीम वर्क ने आपको कार्य पूरा करने में कैसे मदद की?

....

ज्ञान वर्धक

- सफलता केवल व्यक्तिगत प्रयास के बारे में नहीं है बल्कि मिलकर काम करने के बारे में है। जब टीम के सदस्य स्पष्ट रूप से संवाद करते हैं, एक-दूसरे का समर्थन करते हैं और साझा जिम्मेदारी लेते हैं तो चुनौतीपूर्ण कार्य भी संभव हो जाते हैं। विश्वास, समन्वय और सहयोग एक समूह को एक साथ आगे बढ़ने और एक सामान्य लक्ष्य प्राप्त करने में मदद करते हैं।

साप्ताहिक कार्य

- उस समस्या का उपयोग करें जिसे आपने कालांश 1 में पहचाना था। अब रचनात्मक रूप से सोचें और एक साधारण विचार की कल्पना करें जो इस समस्या को कम करने या हल करने में मदद कर सके। विचार का पूर्ण रूप से विकसित, महंगा या एकदम सही होना आवश्यक नहीं है।
- स्वयं से ऐसे प्रश्न पूछें जैसे:
  - यह समस्या क्यों मौजूद है?
  - क्या बदला या सुधारा जा सकता है?
  - यह विचार लोगों की मदद कैसे करेगा?
- **शिक्षार्थी (6-8 वाक्य) लिखेंगे**:
- समस्या का संक्षिप्त विवरण दें।
- अपने विचार या समाधान की व्याख्या करें।
- आपका विचार लोगों की मदद कैसे करता है?
- क्या बात आपके विचार को उपयोगी या अलग बनाती है?
- इस विचार का उपयोग करते समय आपको किस कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है?

गतिविधि 4 मुझे ध्यान से सुनें (Listen to Me Carefully)

उद्देश्य

- बिना टोके और पूरे ध्यान से सुनना।
- शब्दों, लहज़े और शारीरिक भाषा (body language) के माध्यम से दूसरों की भावनाओं को समझना।
- संवेदनशीलता और सम्मान के साथ संवाद करना।

निर्देश

- अपने जीवन की किसी ऐसी घटना के बारे में सोचें जब आपने बहुत खुशी, उत्साह या दुख महसूस किया हो।
- जोड़ियाँ बनाएं और यह तय करने के लिए 5 मिनट लें कि आप में से प्रत्येक कौन सी कहानी साझा करेगा।
- आप में से एक 3 मिनट तक अपनी कहानी साझा करेगा जबकि दूसरा साथी चुपचाप सुनेगा।
- सुनते समय बीच में न टोकें, आँखों का संपर्क (eye contact) बनाए रखें और अपनी राय न दें।

- अपने साथी के शब्दों, लहजे और शारीरिक भाषा पर ध्यान दें। आप छोटे नोट्स भी बना सकते हैं।
- अब 6-8 शिक्षार्थियों का समूह बनाने के लिए दो या तीन जोड़ियों को एक साथ मिलाएँ।
- प्रत्येक शिक्सर्थी अपने साथी की कहानी को उसी शब्दों और भावनाओं का उपयोग करते हुए समूह को फिर से सुनाएगा, बिना कोई नया विवरण जोड़े।
- प्रत्येक शिक्षार्थी को बोलने के लिए 2-3 मिनट मिलेंगे।

चिंतन प्रश्न

प्र.1. अपने साथी की कहानी सुनते समय आपको कैसा लगा?

....

प्र.2. बिना टोके सुनने में क्या आसान या कठिन था?

....

प्र.3. क्या आपके मन में कोई विचार या भटकाव आया?

....

प्र.4. क्या आपको लगता है कि आपने अपने साथी की भावनाओं को सही ढंग से प्रस्तुत किया? क्यों?

....

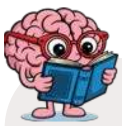

ज्ञान वर्धक

- सुनना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना बोलना। जब हम ध्यान से और समानुभूति के साथ सुनते हैं तो हम दूसरों को बेहतर ढंग से समझते हैं और विश्वास कायम करते हैं। भावनाओं, लहज़े और भावों पर ध्यान देने से हमें दयालु और सम्मानजनक तरीके से जवाब देने में मदद मिलती है।
- किसी और की कहानी को फिर से सुनाना हमें दूसरों की भावनाओं के प्रति जिम्मेदार होना और ईमानदारी से संवाद करना सिखाता है। ये कौशल टीम वर्क, दोस्ती और एक विचारशील व सहायक व्यक्ति बनने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

हमने क्या सीखा!

- अवलोकन और जिज्ञासा: उद्यमिता की शुरुआत दुनिया का बारीकी से अवलोकन करके समस्याओं और अवसरों को पहचानने से होती है, और जो चीज़ें पहले से मौजूद हैं, उन्हें बेहतर बनाने के लिए सवाल पूछने से होती है।
- सहानुभूति और संचार: दूसरों की ज़रूरतों को समझना, ध्यान से सुनना और अलग-अलग दृष्टिकोणों का सम्मान करना, सार्थक और उपयोगी समाधान बनाने में मदद करता है।
- टीमवर्क और पहल: मिलकर काम करना, अपनी ताकतों को जोड़ना, रचनात्मक होना और पहल करना—ये सभी एक ज़िम्मेदार और नए-नए समाधान खोजने वाले व्यक्ति की सोच को विकसित करते हैं।

अवधारणा

- 21वीं सदी के कौशल के रूप में टीमवर्क: टीमवर्क में प्रत्येक व्यक्ति की क्षमता का उपयोग करके और एक-दूसरे का समर्थन करते हुए एक साझा लक्ष्य की ओर मिलकर काम करना शामिल है। (स्रोत: ओईसीडी फ्यूचर ऑफ एजुकेशन एंड स्किल्स 2030 फ्रेमवर्क)

- सहयोग: सहयोग का अर्थ है समस्याओं को प्रभावी ढंग से हल करने के लिए विविध दृष्टिकोणों और कौशलों को मिलाना। इसमें जिम्मेदारियां साझा करना, टीम के साथियों की मदद करना और मिलकर समाधान निकालना शामिल है। (स्रोत: यूनेस्को "की कॉम्पिटेंसीज़ फॉर लाइफलोंग लर्निंग" (2019)

- संचार: संचार विचारों को स्पष्ट रूप से साझा करने और दूसरों को सक्रिय रूप से सुनने की क्षमता है। मजबूत संचार में बोलना, सुनना, बॉडी लैंग्वेज का उपयोग करना और भावनाओं को सम्मानपूर्वक व्यक्त करना शामिल है। (स्रोत: पार्टनरशिप फॉर 21st सेंचुरी स्किल्स (P21 फ्रेमवर्क))

- सक्रिय श्रवण और सहानुभूति: सक्रिय रूप से सुनने का अर्थ है दूसरे व्यक्ति के शब्दों, लहज़े और भावनाओं पर पूरा ध्यान देना। समानुभूति हमें यह समझने में मदद करती है कि दूसरे कैसा महसूस करते हैं और देखभाल के साथ प्रतिक्रिया करते हैं। ये कौशल टीमवर्क और रिश्तों को मजबूत करते हैं। (स्रोत: वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम - "स्किल्स फॉर द फ्यूचर ऑफ वर्क" (2020)

साप्ताहिक कार्य

- अपने होमवर्क के लिए, घर, विद्यालय या अपने पड़ोस में अपनी दैनिक दिनचर्या का निरीक्षण करें और एक ऐसी स्थिति की पहचान करें जहाँ टीमवर्क ने किसी चीज़ को आसान या अधिक सफल बनाया हो। यह हो सकता है - विद्यालय की गतिविधि के दौरान सहपाठियों के साथ काम करना, घर के कामों में परिवार के सदस्यों की मदद करना, कोई टीम खेल खेलना, किसी कार्यक्रम या उत्सव की तैयारी करना, दोस्तों के साथ किसी समस्या को हल करना आदि।
- अब एक छोटा अनुच्छेद (6-8 वाक्य) लिखें जिसमें निम्नलिखित का वर्णन हो:

  - वह स्थिति क्या थी?
  - वह स्थिति क्या थी?
  - सबने मिलकर कैसे काम किया?
  - आपने क्या भूमिका निभाई?
  - संचार ने आपकी टीम को सफल होने में कैसे मदद की?
  - आपने उस अनुभव से टीमवर्क के बारे में क्या सीखा?

अध्याय 05

स्वयं की खोज

S5S3A5

कालांश: 3

पिछला सारांश

पिछले अध्याय में, हमने सीखा कि कैसे समानुभूति (empathy), समूह में कार्य करना (teamwork) और संचार (communication) हमें अकेले कार्य करने की तुलना में अधिक परिणाम प्राप्त करने में मदद करते हैं। गतिविधियों के माध्यम से हमने समझा कि सहयोग (cooperation), समानुभूति और स्पष्ट संचार कार्यों को आसान बनाते हैं और मजबूत संबंध बनाते हैं। हमने यह भी जाना कि कैसे अच्छी टीमें जिम्मेदारियाँ बाँटती हैं, एक-दूसरे का समर्थन करती हैं और एक साथ आगे बढ़ने के लिए सभी की क्षमता(strengths) का उपयोग करती हैं।

परिचय

दूसरों के साथ काम करने से पहले, स्वयं को समझना महत्वपूर्ण है। प्रत्येक व्यक्ति की अपनी अनूठी क्षमता, आदतें और सोचने के तरीके होते हैं और ये हमारे सीखने, संवाद करने और निर्णय लेने के तरीके को आकार देते हैं। यह अध्याय हमें अपने भीतर झांकने और यह समझने में मदद करेगा कि हम कौन हैं, हम किन चीज़ों में अच्छे हैं और हमें कहाँ सहायता की आवश्यकता है। जब हम खुद को जानते हैं, तो हम आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकते हैं, अपनी कमजोरियों में सुधार कर सकते हैं और अपने दैनिक जीवन में बेहतर विकल्प चुन सकते हैं।

यह किसी की रुचियों, मूल्यों और भावनाओं को पहचानने और यह समझने में भी मदद करता है कि ये कार्यों और व्यवहार को कैसे प्रभावित करते हैं। अधिक आत्म-जागरूक (self-aware) बनकर, लोग सार्थक लक्ष्य (goals) निर्धारित कर सकते हैं, चुनौतियों का बेहतर ढंग से सामना कर सकते हैं और एक सकारात्मक एवं मजबूत मानसिकता (resilient mindset) विकसित कर सकते हैं। यह आत्म-समझ (self-understanding) जिम्मेदार, आत्मविश्वासी और विचारशील व्यक्ति (thoughtful individuals) बनने की नींव बनती है।

अधिगम प्रतिफल:

- व्यक्तिगत क्षमताओं, योग्यताओं और सोचने के तरीकों के संदर्भ में स्पष्टता और आत्मविश्वास के साथ स्वयं को समझना।
- विकास के क्षेत्रों को पहचानना और यह समझना कि इन कौशलों को प्रयास और अभ्यास से सुधारा जा सकता है।
- भावनाओं, आदतों और व्यवहारों पर विचार करना और यह समझना कि वे दैनिक निर्णयों और कार्यों को कैसे प्रभावित करते हैं।
- उचित और बेहतर विकल्प चुनने के लिए आत्म-जागरूकता विकसित करना तथा भावी अधिगम (सीखने) एवं जीवन के लिए आत्मविश्वास का निर्माण करना।

गतिविधि 1 प्रश्न जो मुझे स्वयं को जानने में मदद करते हैं

उद्देश्य

- अपनी क्षमता(strengths), डर (fears),सपनों (dreams) और उन क्षेत्रों की पहचान करना जहाँ आप सुधार करना चाहते हैं।
- अपने बारे में एवं अपनी भावनाओं के बारे में सोचें.
- शांति से विचार करें और अपने विचारों को आत्मविश्वास के साथ साझा (share) करें.

निर्देश

मुझे किस बात से डर लगता है?	मेरे सपने क्या हैं?
मैं किस चीज़ में अच्छा हूँ?	मेरे सबसे करीबी लोग कौन हैं?
किस चीज़ पर मुझे ध्यान देने की ज़रूरत है?	मुझे कहाँ सुधार करने की आवश्यकता है?

- शांति से सोच रहे दो शिक्षार्थियों की तस्वीर को देखें।
- कुछ क्षणों के लिए चुपचाप बैठें और चित्र का अवलोकन करें।
- एक ऐसा प्रश्न चुनें जो आपको सबसे महत्वपूर्ण लगे और क्यों।
- उन कुछ सहपाठियों को सुनें जो अपने विचार साझा करना चाहते हैं। याद रखें, कोई भी उत्तर सही या गलत नहीं है।
- अब, अपनी आँखें बंद करें और कम से कम दो प्रश्नों के बारे में एक मिनट तक शांति से सोचें।
- यदि आप सहज महसूस करें, तो आप अपने विचार कक्षा के साथ साझा कर सकते हैं।

चिंतन प्रश्न

प्र.1.किस प्रश्न ने आपको अपने बारे में सबसे अधिक सोचने पर मजबूर किया और क्यों?

....

प्र.2. जब आपने अपने डर या सपनों के बारे में सोचा तो आपको कैसा लगा?

....

प्र.3. आत्म-चिंतन करते समय आपने अपनी खूबियों (strengths) के बारे में क्या जाना?

....

ज्ञान वर्धक

- स्वयं को जानना, आगे बढ़ने और सुधार करने की दिशा में पहला कदम है। अपने डर, सपनों, क्षमताओं और उन क्षेत्रों के बारे में सोचना, जहाँ हम बदलाव चाहते हैं, हमें यह समझने में मदद करता है कि हम कौन हैं? यह सामान्य बात है कि हमारे पास तुरंत सभी उत्तर न हों।
- हमें अपने आस-पास के लोगों, जैसे परिवार, दोस्तों और शिक्षकों से प्रतिक्रिया (फीडबैक) मिलती है, यह पहचान कर कि हम किसमें अच्छे हैं और हमें किस पर काम करने की आवश्यकता है, हम बेहतर चुनाव कर सकते हैं और खुद को भविष्य के लिए तैयार कर सकते हैं। यह चिंतन स्वयं को गहराई से समझने और आत्मविश्वास के साथ अपनी क्षमताओं को विकसित करने की यात्रा की शुरुआत है।

साप्ताहिक कार्य

- सप्ताह के दौरान, अपने बारे में सोचने के लिए कुछ शांत समय निकालें। अपनी भावनाओं, विचारों, डर, सपनों और क्षमताओं पर चिंतन करें। कक्षा में चर्चा किए गए **किन्हीं दो चिंतन प्रश्नों (चिंतन प्रश्न :) को चुनें** (जैसे डर, सपने, ख़ूबियाँ, या सुधार के क्षेत्र)। सही या गलत उत्तरों की चिंता किए बिना उनके बारे में ईमानदारी से सोचें।
- यदि आप सहज महसूस करें तो आप किसी विश्वसनीय व्यक्ति (माता-पिता, भाई-बहन, मित्र या शिक्षक) से बात कर सकते हैं, या अकेले में शांति से विचार कर सकते हैं।
- एक संक्षिप्त अनुच्छेद (6-8 वाक्य) लिखें जिसमें निम्नलिखित का वर्णन हो:
- आपके द्वारा चुने गए दो प्रश्न

- ये प्रश्न आपके लिए क्यों महत्वपूर्ण थे?
- आपने अपने बारे में क्या खोजा?
- चिंतन करने के बाद आपको कैसा महसूस हुआ?

केस स्टोरी1 भीमव्वा: वह महिला जिसने परछाइयों को जीवित रखा

उद्देश्य

- यह समझना कि कैसे निरंतर सीखने, अभ्यास और समर्पण से समय के साथ व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास होता है।
- यह पहचानना कि कैसे अपने कौशल और मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहने से विकास, पहचान और दीर्घकालिक प्रभाव प्राप्त हो सकता है।

निर्देश

- भीमव्वा की कहानी को ध्यान से पढ़ें।

96 वर्ष की आयु में, भीमव्वा डोड्डाबलप्पा शिल्लेक्याथरा केवल एक कलाकार नहीं बल्कि वे भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का एक जीवित प्रतीक हैं। कर्नाटक के एक छोटे से गाँव की रहने वाली भीमव्वा कहानियों, गीतों और परछाइयों के बीच पली-बढ़ीं, जो कपड़े के पर्दों पर नाचती थीं। ये परछाइयाँ कर्नाटक की पारंपरिक छाया कठपुतली 'तोगलू गोम्बेयाटा' (Togalu Gombeyaata) का हिस्सा थीं।

एक युवा लड़की के रूप में, भीमव्वा जी किसी विशेष कला विद्यालय में नहीं गईं। इसके बजाय, उनका घर ही उनकी कक्षा थी और उनके बड़े-बुजुर्ग उनके शिक्षक थे। उन्होंने ध्यान से देखा कि कैसे वे चमड़े से कठपुतलियाँ बनाते थे, उन्हें प्राकृतिक रंगों से रंगते थे, और प्रकाश और संगीत का उपयोग करके महाकाव्य कहानियों को जीवंत करते थे। धैर्य और अभ्यास के साथ, उन्होंने धीरे-धीरे इस कला में महारत हासिल की। भीमव्वा जी द्वारा बनाई गई प्रत्येक कठपुतली एक कहानी सुनाती थी - रामायण और महाभारत की कहानियाँ, जो साहस, भक्ति और बुद्धिमत्ता से भरी होती थीं। जब वह प्रदर्शन करती थीं तो कठपुतलियाँ जीवित लगती थीं। उनकी कला के माध्यम से, दर्शक राजाओं, रानियों, योद्धाओं और देवताओं की भावनाओं को महसूस कर सकते थे। 70 से अधिक वर्षों तक, भीमव्वा जी ने अपना जीवन इस प्राचीन परंपरा को समर्पित कर दिया। समय बदलने और आधुनिक मनोरंजन द्वारा लोक कलाओं की जगह लेने के बावजूद, उन्होंने कभी हार नहीं मानी। उन्होंने पूरे भारत की यात्रा की और 12 से अधिक देशों में प्रदर्शन किया, जिससे दुनिया को भारतीय संस्कृति की सुंदरता का पता चला।

उनकी प्रस्तुतियाँ केवल प्रदर्शन मात्र नहीं थी; वे इतिहास और पौराणिक कथाओं से मिलने वाली सीख थीं। उन्होंने लोगों को उनकी जड़ों से जोड़ा और उन्हें उन मूल्यों (values) की याद दिलाई जो पीढ़ियों से चले आ रहे हैं। उनके जीवन भर के समर्पण को पहचानते हुए, भीमव्वा जी को भारत के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों में से एक, 'पद्म श्री' (Padma Shri) से सम्मानित किया गया। यह सम्मान न केवल उनकी प्रतिभा का जश्न मनाता है, बल्कि उस कला को बचाने के उनके साहस का भी सम्मान करता है जिसे शायद लोग भुला चुके होते। भीमव्वा जी का जीवन हमें सिखाता है कि जुनून , समर्पण और अपनी संस्कृति के प्रति सम्मान एक ऐसी विरासत बना सकता है जो हमेशा के लिए अमर हो जाती है—भले ही वह परदों के पीछे की छाया में ही क्यों न हो

चिंतन प्रश्न

प्र.1. भीमाव्वा जी ने बिना किसी औपचारिक प्रशिक्षण के 'तोगलु गोम्बेयाटा' (Togalu Gombeyaata) की कला किस प्रकार सीखी?

....

प्र.2 भीमाव्वा जी के कौन-से गुण आपको सर्वाधिक प्रेरित करते हैं? कारण सहित स्पष्ट कीजिए।

....

प्र.3 यदि आपको किसी एक परंपरा अथवा कौशल को संरक्षित (preserve) करने का अवसर प्राप्त हो, तो वह क्या होगा और क्यों?

....

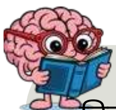

ज्ञान वर्धक

- विकास (growth) सदैव औपचारिक शिक्षा या आज के नए सिस्टम से नहीं होता । मनुष्य दूसरों को देखकर, बार-बार अभ्यास करके और समय के साथ अपने अनुभवों से भी बहुत कुछ सीखता है। भीमव्वा जी का सफर हमें दिखाता है कि अगर कोई व्यक्ति अपने हुनर को निखारता रहे, बदलावों के साथ स्वयं को ढाले और अपने काम से प्यार करे तो वह पूरी जिंदगी आगे बढ़ता रहता है। वास्तविक विकास केवल सफलता या पुरस्कार पाना नहीं है, बल्कि अपने संस्कारों को बचाए रखना, दूसरों के काम आना और आने वाली पीढ़ियों के लिए विरासत के रूप में कुछ अच्छा छोड़कर जाना भी है।

साप्ताहिक कार्य

- अपने दैनिक जीवन, विद्यालय , घर या दोस्तों के साथ खेलते समय का अवलोकन करें। उन स्थितियों के बारे में सोचें जहाँ आपने अच्छा प्रदर्शन किया और जहाँ आपको कठिनाई हुई। वास्तविक उदाहरणों का उपयोग करते हुए कम से कम दो क्षमताओं (Strengths) और दो ऐसे क्षेत्रों की पहचान करें जहाँ आप सुधार करना चाहते हैं। भीमव्वा जी की कहानी के बारे में सोचें कि कैसे धैर्य ,अभ्यास और विश्वास ने उन्हें बिना किसी औपचारिक प्रशिक्षण के आगे बढ़ने में मदद की।
- निम्नलिखित बातों का वर्णन करते हुए एक संक्षिप्त अनुच्छेद (6-8 वाक्य) लिखें:
  - उदाहरण के साथ दो क्षमता और उदाहरण के साथ सुधार के दो क्षेत्र.
  - आपकी एक खूबी आपके सुधार में कैसे मदद कर सकती है।
  - आपके विकास में कौन आपकी सहायता कर सकता है।

गतिविधि 2 शक्ति और कमजोरी का दर्पण

उद्देश्य

- अपनी व्यक्तिगत क्षमताओं और सुधार के क्षेत्रों की पहचान करें।
- यह समझना कि आपकी क्षमताएँ आपके विकास में कैसे मदद कर सकती हैं।
- अधिक आत्म-जागरूक बनने के लिए वास्तविक जीवन की स्थितियों पर विचार करें।

निर्देश

- शांति से बैठें और विद्यालय , घर और खेल के मैदान में अपने दैनिक जीवन के बारे में सोचें।
- ऐसी स्थितियों को याद करें जहाँ आपने कुछ अच्छा किया और वे स्थितियाँ जहाँ आपको कठिनाई का सामना करना पड़ा।
- वास्तविक उदाहरणों के साथ कम से कम तीन क्षमताएँ लिखें (उदाहरण के लिए, "सिर्फ बोलने में अच्छा हूँ" की जगह "मैं अपने दोस्तों को चीजें स्पष्ट रूप से समझाता हूँ")।
- **मेरी क्षमताएँ(My Strengths):**

....

- वास्तविक उदाहरणों के साथ कम से कम तीन सुधार के क्षेत्र लिखें (उदाहरण के लिए जैसे: केवल "आत्मविश्वास की कमी" लिखने की जगह "परीक्षा के दौरान मुझे घबराहट होती है")।
- **मेरे सुधार के क्षेत्र (My Areas for Improvement):**

....

चिंतन प्रश्न

प्र.1. गतिविधि के किस भाग ने आपको अपने बारे में सबसे अधिक सोचने पर मजबूर किया और क्यों?

....

प्र.2. आप उस समस्या का निराकरण किस प्रकार करेंगे जिसका उत्तर आपने प्रश्न 1 में दिया है?

....

....

....

....

ज्ञान वर्धक

- हर किसी की अपनी क्षमता और सुधार के क्षेत्र होते हैं। हमारी क्षमता केवल वे चीजें नहीं हैं जिनमें हम अच्छे हैं; वे हमारी कमजोरियों को दूर करने में भी हमारी मदद कर सकती हैं। जब हम अपनी क्षमताओं को पहचानते हैं और उनका सकारात्मक उपयोग करते हैं, तो सुधार आसान हो जाता है। स्वयं पर विश्वास करना और दूसरों से सहयोग लेना हमें कदम-दर-कदम बढ़ने में मदद करता है।

गतिविधि 3 मेरी दैनिक आदतों की जाँच

उद्देश्य

- अपनी दैनिक दिनचर्या का अवलोकन करना और यह समझना कि आपकी आदतें आपके विकास को कैसे प्रभावित करती हैं।
- उन आदतों की पहचान करना जो आपके सीखने और कल्याण में सहायक हैं।
- यह निर्धारित करना कि आप किन आदतों में सुधार करना चाहते हैं।

निर्देश

- सुबह से रात तक की अपनी दैनिक दिनचर्या के बारे में सोचें।
- नीचे दी गई प्रत्येक आदत को ध्यान से पढ़ें।
- उन आदतों पर टिक (✓) लगाएँ जिनका आप नियमित रूप से सप्ताह में कम से कम 4-5 दिन पालन करते हैं। यदि आप किसी आदत का नियमित रूप से पालन नहीं करते हैं, तो उसे खाली छोड़ दें।
- अपने प्रति ईमानदार रहें; यह आपके स्वयं के सीखने के लिए है, अंकों के लिए नहीं।

  □ समय पर जागना
  □ होमवर्क पूरा करना
  □ घर के कामों में मदद करना
  □ रोज़ाना पढ़ना
  □ शारीरिक गतिविधि (व्यायाम) करना
  □ डिजिटल उपकरणों का जिम्मेदारी से उपयोग करना

चिंतन प्रश्न

प्र.1. कौन सी आदत आपके दैनिक जीवन में आपकी सबसे अधिक मदद करती है? क्यों?

....

प्र.2. एक उद्यमी (Entrepreneur) बनने के लिए आप किस आदत में सुधार करना चाहेंगे?

....

प्र.3. आपकी कौन सी आदतें आपको एक उद्यमी बनने में मदद कर सकती हैं और क्यों?

....

ज्ञान वर्धक

- हमारी दैनिक आदतें ही यह तय करती हैं कि हम क्या बनेंगे। हर दिन हम जो छोटी-छोटी चीजें करते हैं—जैसे हम समय का प्रबंधन कैसे करते हैं, पढ़ाई करते हैं, दूसरों की मदद करते हैं और अपने शरीर व मन का ध्यान रखते हैं—वे धीरे-धीरे हमारे भविष्य का निर्माण करती हैं। अच्छी आदतें हमें अनुशासित, आत्मविश्वासी और जिम्मेदार बनाती हैं। नियमित रूप से किया गया एक छोटा सा सकारात्मक बदलाव भी समय के साथ बड़ा सुधार ला सकता है।
- एक शिक्षार्थी और व्यक्ति के रूप में विकसित होने के लिए स्वयं को समझना एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हमने यह जाना कि आत्म-चिंतन (self-reflection) हमें अपनी शक्तियों, उन चीजों जिन्हें हम स्वाभाविक रूप से अच्छी तरह कर लेते हैं और अपने 'विकास के क्षेत्रों' (growth areas) अर्थात उन कौशलों या आदतों को पहचानने में मदद करता है जिन्हें हम सुधारना चाहते है।
- अपनी आदतों पर ध्यान देकर और यह समझकर कि हम एक खास तरीके से व्यवहार क्यों करते हैं, हमें बेहतर विकल्प चुनने, चुनौतियों के लिए तैयार रहने और सार्थक लक्ष्य निर्धारित करने की शक्ति मिलती है।

हमने क्या सीखा!

- मुख्य ध्यान अपनी क्षमताओं,योग्यताओं और सोचने के तरीकों के प्रति जागरूक होकर स्वयं को बेहतर ढंग से समझने पर है। यह उन क्षेत्रों को पहचानने में मदद करता है जहाँ सुधार की आवश्यकता है और यह महसूस करने में भी कि मेहनत एवं अभ्यास से कौशल तथा आदतों को विकसित किया जा सकता है।
- यह अध्याय भावनाओं, व्यवहारों और दैनिक कार्यों पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित करता है ताकि यह समझा जा सके कि वे हमारे विकल्पों और निर्णयों को कैसे प्रभावित करते हैं। कुल मिलाकर, यह आत्म-जागरूकता (self-awareness) और आत्मविश्वास के विकास में सहायक है, जिससे लोग अधिक विचारशील निर्णय लेने और अपने सीखने और दैनिक जीवन में सकारात्मक रूप से बढ़ने में सक्षम होते हैं।

अवधारणा

- **आत्म-जागरूकता (Self-awareness)** CASEL के सामाजिक-भावनात्मक शिक्षण ढांचे (Social-Emotional Learning Framework) द्वारा परिभाषित मुख्य कौशलों में से एक है। इसमें शामिल है:
- **अपनी क्षमता और सुधार के क्षेत्रों को जानना:** विद्यार्थी सीखते हैं कि वे किस चीज़ में अच्छे हैं और उन्हें कहाँ सुधार की आवश्यकता है। इससे आत्मविश्वास बढ़ता है और उन्हें वास्तविक लक्ष्य निर्धारित करने में मदद मिलती है।
- **भावनाओं को समझना:** डैनियल गोलमैन के 'इमोशनल इंटेलिजेंस' सिद्धांत के अनुसार, अपनी भावनाओं पर ध्यान देने से हमें यह समझने में मदद मिलती है कि हम वैसा व्यवहार क्यों करते हैं जैसा हम करते हैं और अपनी प्रतिक्रियाओं को बेहतर ढंग से कैसे व्यवस्थित करें।
- **व्यवहार के पैटर्न को पहचानना:** व्यवहारिक मनोविज्ञान बताता है कि आदतें हमारी सफलता को आकार देती हैं। जब विद्यार्थी सहायक और अनुपयोगी पैटर्न्स की पहचान करते हैं तो वे बुरी आदतों को सकारात्मक आदतों से बदल सकते हैं।

साप्ताहिक कार्य

- कुछ दिनों तक अपनी दैनिक दिनचर्या का निरीक्षण करें। समय प्रबंधन, पढ़ाई, दूसरों की मदद करना, शारीरिक गतिविधि और डिजिटल उपकरणों के उपयोग से संबंधित अपनी आदतों पर ध्यान दें। एक अच्छी आदत की पहचान करें जो आपके विकास में सहायक हो और एक ऐसी आदत जिसे आप सुधारना चाहते हैं।
- सोचें कि आदतें व्यवहार और भविष्य की सफलता को कैसे आकार देती हैं।
- एक संक्षिप्त अनुच्छेद (6-8 वाक्य) लिखें जिसमें निम्नलिखित का वर्णन हो:

  - एक आदत जो आपके दैनिक जीवन में मदद करती है।
  - एक आदत जिसे आप सुधारना चाहते हैं और क्यों।
  - इस आदत को सुधारने से आपको आगे बढ़ने में कैसे मदद मिल सकती है।
  - स्वयं को बेहतर बनाने के लिए आप कौन सा एक छोटा कदम उठाएंगे।
  - आपने इस कार्य से अपने बारे में क्या सीखा।

अध्याय 06

डिज़ाइन थिंकिंग का परिचय

कालांश: 4

पिछला सारांश

पिछले अध्याय में हमने यह समझा कि स्वयं को जानना आवश्यक क्यों है,हम किसमें अच्छे हैं, किन बातों में हमें कठिनाई होती है और हमारी आदतें ,हमारे सोचने तथा व्यवहार करने के तरीके को कैसे प्रभावित करती हैं। हमने सीखा कि हमारे पास कुछ क्षमताएँ होती हैं जो हमें आगे बढ़ने में मदद करती हैं और कुछ “सुधार के क्षेत्र” होते हैं जिन्हें अभ्यास से नई क्षमताओं में बदला जा सकता है। व्यक्तिगत प्रश्नों पर सोचने और अपनी आदतों का मानचित्र बनाने जैसी गतिविधियों के द्वारा हमने पाया कि हमारी दैनिक क्रियाएँ अधिकांशतः एक पैटर्न का पालन करती हैं।

परिचय

एक दिन, कुछ विद्यार्थियों ने देखा कि छोटे बच्चों की पानी की बोतलें अक्सर छलक जाती थीं क्योंकि उनके ढक्कन बहुत कड़े थे। समस्या को अनदेखा करने की जगह, वे जिज्ञासु हो गए। उन्होंने बच्चों से बात की, समस्या को समझा, विचारों का स्केच बनाया और एक बेहतर ढक्कन का सरल प्रारूप तैयार किया। जब उन्होंने इसका परीक्षण किया तो पानी छलकना बंद हो गया। यही डिजाइन थिंकिंग है जिसमें जिज्ञासा और रचनात्मकता का उपयोग करके वास्तविक समस्याओं का समाधान किया जाता है। डिजाइन थिंकिंग हमें नवाचारी की तरह सोचने, संभावनाओं का पता लगाने और व्यावहारिक समाधान बनाने में मदद करती है जो वास्तव में लोगों की मदद करते हैं। यह हमें देखना, समझना और उद्देश्य के साथ सृजन करना सिखाती है। डिजाइन थिंकिंग हमें याद दिलाती है कि छोटे विचार भी बड़े सुधार तक ले जा सकते हैं क्योंकि हर महान आविष्कार एक सरल प्रश्न से शुरू होता है: “हम इसे और बेहतर कैसे बना सकते हैं?” डिजाइन थिंकिंग के पाँच चरण हैं:

1. समानुभूति – लोगों की आवश्यकताओं को समझें।
2. परिभाषित करना – असली समस्या को पहचानें।
3. विचार उत्पन्न करना – रचनात्मक विचारों का मंथन करें।
4. प्रोटोटाइप – एक सरल मॉडल या स्केच बनाएं।
5. परीक्षण – इसे आजमाएँ, फीडबैक प्राप्त करें और सुधार करें।

अधिगम प्रतिफल:

- अवलोकन एवं समानुभूति के माध्यम से सार्थक समस्याओं की पहचान करना।
- रचनात्मक समाधानों को विकसित करने के लिए डिज़ाइन थिंकिंग के चरणों को लागू करना।
- सहयोगात्मक तरीके से काम करना ताकि विचार उत्पन्न किए जा सकें, सरल प्रोटोटाइप बनाएँ जा सकें और प्रतिक्रिया का उपयोग करके उन्हें परिष्कृत किया जा सके।
- समस्या, विचार और अपेक्षित प्रभाव समझाते हुए समाधानों को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत और पिच करना

गतिविधि 1 क्या काम नहीं कर रहा है

उद्देश्य

- अपने आस-पास का निरीक्षण करें और उन वास्तविक समस्याओं की पहचान करें जो कई लोगों को प्रभावित करती हैं।
- जो कुछ आप देखते और समझते हैं, उसके आधार पर स्पष्ट और अर्थपूर्ण समस्या विवरण बनाना।

निर्देश

- उदाहरण पढ़ें
- "एक शिक्षार्थी ने देखा कि उसके विद्यालय के कूड़ेदानों में कचरा भरता रहता था क्योंकि सफाई कर्मचारियों को पता नहीं चल पाता था कि कूड़ेदान भर गए हैं। उसने एक सरल सेंसर बनाया जो उन्हें अलर्ट करता कि कब कूड़ेदान की सफाई करनी है। इस छोटे आइडिया ने पूरे विद्यालय को साफ-सुथरा बना दिया।"
- अब एक खाली A4 शीट, पेन या मार्कर, स्टिकी नोट (वैकल्पिक) लें।
- अपने विद्यालय या समुदाय में आप जिन तीन समस्याओं को देखते हैं उन्हें सूचीबद्ध करें। उदाहरण: टूटे बेंच, कागज की बर्बादी, पानी के नलों पर लंबी कतारें, गंदे गलियारे आदि।
- 4-5 शिक्षार्थियों के समूह बनाएँ और समस्याओं पर चर्चा करें।
- अपनी सूची में से एक मुद्दा चुनें।
- इस प्रारूप का उपयोग करके चुनी गई समस्या का विवरण लिखें:
  - आदर्श: क्या होना चाहिए?
  - वास्तविकता: वास्तव में क्या हो रहा है?
  - परिणाम: यह अंतर क्यों महत्त्वपूर्ण है?
  - समाधान की दिशा: आप समस्या को कैसे हल करेंगे

चिंतन प्रश्न

प्र.1. आपके अनुसार इस समस्या का समाधान करना क्यों महत्त्वपूर्ण है?

....

प्र.2. इस समस्या से सबसे अधिक कौन प्रभावित है?

....

ज्ञान वर्धक

- उद्यमी फैंसी विचारों के बारे में सोचकर शुरुआत नहीं करते, वे अपने आसपास जो काम नहीं कर रहा है, उसे ध्यान से देखने से शुरुआत करते हैं।

- एक शक्तिशाली उदाहरण दिल्ली की एक सरकारी विद्यालय से आता है जहाँ शिक्षार्थियों ने कैंटीन में बहुत सारा भोजन बर्बाद होते देखा। इसे नजरअंदाज करने की जगह , उन्होंने कम मात्रा देने और बचा हुआ खाना साझा करने के लिए 'फूड-शेयरिंग कॉर्नर' बनाने का सुझाव दिया। उनका सरल विचार बर्बादी को कम करने और जिम्मेदारी को बढ़ावा देने में मददगार साबित हुआ।

- यह दर्शाता है कि जब हम लोगों के साथ समानुभूति रखते हैं और उनकी आवश्यकताओं को समझते हैं तो छोटी-छोटी बातें भी प्रभावशाली समाधान में बदल सकती हैं

साप्ताहिक कार्य

- अगले 2–3 दिनों में अपने घर, स्कूल या अपने पड़ोस में अपने आस-पास के वातावरण का ध्यानपूर्वक अवलोकन करें। एक छोटी सामान्य समस्या खोजें जिसका लोग नियमित रूप से सामना करते हैं। यह सफाई, सुरक्षा, आराम, समय की बर्बादी, श्रम या असुविधा से संबंधित हो सकती है।
- यह देखने की कोशिश करें कि इस समस्या का सबसे अधिक सामना कौन करता है और यह उन्हें कैसे प्रभावित करती है। यदि संभव हो तो उस व्यक्ति से बात करें जो इस समस्या का सामना करता है और उनका अनुभव सुनें।.
- शिक्षार्थी एक छोटा पैराग्राफ (5–6 वाक्य) लिखेंगे:
  - आपने कौन सी समस्या देखी?
  - आपने इसे कहाँ देखा?
  - इस समस्या से कौन प्रभावित होता है?
  - यह समस्या लोगों को कैसे प्रभावित करती है?
  - आपको क्यों लगता है कि इस समस्या का समाधान होना चाहिए?

गतिविधि 2 "क्यों" के साथ गहराई से खोजें

उद्देश्य

- जिस समस्या वास्तव में हल करने की आवश्यकता है उसे समझकर स्पष्ट और केंद्रित समस्या कथन को परिभाषित करना।
- किसी समस्या के मूल कारणों का विश्लेषण करने के लिए " 5 क्यों" (5 why)तकनीक का उपयोग करें।

निर्देश

- उदाहरण देखें:
- समस्या: शिक्षार्थी कक्षा में देर से आते हैं।
- वास्तविक कारण तक पहुँचने के लिए बार-बार "क्यों?" पूछते रहें (अधिकतम पाँच बार तक)।
- उदाहरण:
  - क्यों? → बसें देर से आती हैं
  - क्यों? → भारी यातायात
  - क्यों? → शिक्षार्थी दूर रहते हैं
  - क्यों? → उचित विद्यालय परिवहन नहीं है
  - क्यों? → योजना और समय तालिका सही से नहीं बनी है
- अपने समूह में, पिछली गतिविधि के लिए आपने जो समस्या चुनी थी, उसे लें।
- चार्ट पेपर पर एक समस्या वृक्ष बनाएँ:
  - तना: मुख्य समस्या
  - जड़ें: कारण (छिपे हुए कारणों को खोजने के लिए बार-बार "क्यों?" पूछें)
  - शाखाएँ: प्रभाव (समस्या के कारण क्या होता है)
- एक स्पष्ट समस्या कथन लिखें.
- आप सच में किस समस्या को हल करना चाहते हैं?

- क्या समस्या का हिस्सा नहीं है?
- कारणों और प्रभावों के बीच संबंध दिखाने के लिए रंग, चित्र, तीर या स्टिकी नोट्स का उपयोग करें।

चिंतन प्रश्न

प्र.1. "क्यों" कई बार पूछने से आपने क्या सीखा?

....

प्र.2. क्या आपके समूह का अंतिम मूल कारण आपको आश्चर्यचकित कर गया?

....

प्र.3. उचित कारण जानने से हम बेहतर समाधान कैसे पा सकते हैं?

....

ज्ञान वर्धक

- डिज़ाइन थिंकिंग का एक सबसे महत्त्वपूर्ण कौशल – गहराई से जाँच करना है| जब हम किसी समस्या को देखते हैं तो हमारी पहली व्याख्या आमतौर पर पूरी सच्चाई नहीं होती। बार-बार 'क्यों?' पूछकर, आप छिपे हुए कारणों का पता लगाते हैं और समस्या को अधिक स्पष्ट रूप से समझते हैं।
- समस्या वृक्ष का उदाहरण इसे पूरी तरह से दिखाता है | जब हम वास्तविक कारण पहचानते हैं तो हमारे समाधान अधिक स्मार्ट और प्रभावी बन जाते हैं। यह गतिविधि दिखाती है कि अच्छे उद्यमी केवल उसे नहीं सुधारते जो वे देखते हैं बल्कि वे जाँचते हैं और यह समझते हैं कि गहराई में क्या छिपा है।

साप्ताहिक कार्य

- कालांश 1 में आपने जिस समस्या की पहचान की थी उसी समस्या का उपयोग करें। अब गहराई से सोचें कि **यह समस्या क्यों मौजूद है?** बार-बार (कम से कम तीन बार) सवाल पूछें "क्यों?" ताकि सतही कारणों से आगे जा सकें।
- इस सोच के आधार पर, समस्या को एक या दो सरल वाक्यों में स्पष्ट रूप से परिभाषित करने की कोशिश करें।
- **एक छोटा पैराग्राफ लिखें (6–7 वाक्य):**
- समस्या के बारे में |
- कम से कम दो कारण लिखें कि यह समस्या क्यों होती है?
- पहचानें कि आपको क्या लगता है कि समस्या का मुख्य कारण क्या है?
- एक स्पष्ट समस्या कथन लिखें (सटीक रूप से क्या हल करने की आवश्यकता है)

गतिविधि 3 क्रेज़ी 8 विचार स्प्रिंट (Crazy 8 idea Sprint)

उद्देश्य

- बिना आत्म-न्याय के तेज़ी से कई रचनात्मक समाधान उत्पन्न करना।
- स्वतंत्रतापूर्वक सोचें, विभिन्न संभावनाओं का अन्वेषण करें और एक समूह के रूप में आशापूर्ण विचार चुनें।

निर्देश

- एक A4 शीट लें और इसे 8 समान भाग में मोड़ें। इसे क्रेज़ी 8 प्रारूप कहा जाता है।
- आप 8 मिनट में 8 अलग-अलग विचार चित्रित करेंगे—प्रत्येक बक्से में एक विचार।
- 8 मिनट के लिए टाइमर सेट करें।
- प्रत्येक बक्से में, उस समस्या का समाधान खोजने के लिए एक विचार जल्दी से स्केच बनाएँ जिसे आपने पहले पहचाना था। आपका चित्र सरल स्टिक फिगर या साधारण स्केच हो सकती हैं।
- याद रखें: - कोई भी विचार गलत नहीं है।
  - कोई भी विचार साधारण या अद्भुत नहीं है।
  - बस स्वतंत्रता पूर्वक सोचें और चित्र बनाएँ।
- 8 मिनट के बाद, अपनी टीम के साथ बैठें और अपने सभी 8 विचार साझा करें।
- एक टीम के रूप में, चर्चा करें और हाथ उठाकर या स्टिकी नोट्स का उपयोग करके 1–2 सर्वश्रेष्ठ विचारों के लिए मतदान करें।
- ऐसे विचार चुनें जो:
  - सरल हों
  - कम लागत वाले हों
  - व्यावहारिक और आगे विकसित करने के लिए उपयोगी हों

चिंतन प्रश्न

प्र.1. आपके Crazy 8 से कौन सा विचार आपको सबसे ज्यादा उत्साहित करता है और क्यों?

....

प्र.2. दूसरों के विचारों को सुनने से, आपको अपने विचारों में सुधार करने या उन्हें पुनर्विचार करने में कैसे मदद मिली?

....

प्र. 3. क्या कोई विचार आपको चौंका गया या इस समस्या के बारे में अलग तरीके से सोचने पर मजबूर किया?

....

ज्ञान वर्धक

- जब जब हम स्वतंत्रता पूर्वक सोचते हैं और विभिन्न दृष्टिकोणों की जांच करते हैं तो हमारे सामने नए और असंभावित हल निकाल कर आने शुरू होते हैं जो की नवाचार को बढ़ावा देते हैं.
- याद रखें, सर्वोत्तम समाधान अक्सर सरल रेखाचित्रों, शीघ्रता से आने वाले विचारों या उन विचारों से आते हैं जो पहले अनोखे लगते हैं।

साप्ताहिक कार्य

- **एक साधारण विचार** के बारे में रचनात्मक रूप से सोचें जो उस समस्या को कम करने या हल करने में मदद कर सकता है जिस पर आप पहले काम कर चुके हैं। यह विचार परफेक्ट, महंगा या अंतिम होने की आवश्यकता नहीं है। यह व्यावहारिक और समझाने में आसान होना चाहिए। आप अपने विचार का समर्थन करने के लिए एक छोटा स्केच या डायग्राम बना सकते हैं।
- एक छोटा पैराग्राफ लिखें (6–7 वाक्यों में):
- अपने विचार को स्पष्ट रूप से वर्णित करें और समझाएँ कि आपका विचार लोगों की कैसे मदद करता है।
- आपको लगता है कि यह विचार क्यों काम कर सकता है और आपके विचार को कौन सी एक कठिनाई या सीमा का सामना करना पड़ सकता है?

गतिविधि 4 कागज पर इसे बनाएँ

उद्देश्य

- प्रोटोटाइप क्या है और यह क्यों महत्त्वपूर्ण है?
- किसी विचार को एक सरल मॉडल या चित्र में बदलना।
- अंतिम रूप देने से पहले किसी विचार का परीक्षण और सुधार करना।

निर्देश

- अपने समूह द्वारा पिछली गतिविधि में चुने गए किसी एक विचार को चुनें।
- याद रखें: एक प्रोटोटाइप किसी विचार का सरल पहला संस्करण होता है। इसे परफेक्ट होने की आवश्यकता नहीं है।
- पेपर, कार्डबोर्ड, मिट्टी, बोतलें, डिब्बे, या किसी भी कक्षा सामग्री का उपयोग करके एक छोटा मॉडल बनाएँ या एक साफ, लेबल वाला चित्र बनाएँ।
- अपने प्रोटोटाइप का नाम दें और 2–3 पंक्तियों में बताएँ कि यह कैसे काम करता है।
- अपने प्रोटोटाइप को दूसरे समूह को दिखाएँ और उनकी प्रतिक्रिया सुनें।
- प्रत्येक सुझाव को नोट करें और अपने डिजाइन में सुधार करें।

चिंतन प्रश्न

प्र.1. आपके प्रोटोटाइप को बनाते समय क्या आसान था और क्या कठिन था?

....

प्र.2. फीडबैक ने आपके विचार को सुधारने में कैसे मदद की?

....

प्र.3. अपने मॉडल का परीक्षण करने के बाद आपने क्या बदलाव किया?

....

ज्ञान वर्धक

- विचार मजबूत हो जाते हैं जब हम उन्हें सरल मॉडलों में बदलते हैं और उनका परीक्षण करते हैं। एक प्रोटोटाइप हमें यह देखने में मदद करता है कि क्या काम करेगा और किसमें सुधार की आवश्यकता है। यह हमें सिखाता है कि गलतियाँ सीखने का हिस्सा हैं और प्रतिक्रिया समाधान को बेहतर, अधिक व्यावहारिक और अधिक उपयोगी बनाने में मदद करती है।

साप्ताहिक कार्य

- अपना विचार **एक दोस्त, परिवार के सदस्य या सहपाठी** के साथ साझा करें। समस्या और अपने विचार को स्पष्ट रूप से समझाएँ। उनसे पूछें कि उन्हें आपके विचार में क्या अच्छा लगा और क्या सुधार किया जा सकता है। ध्यान से सुनें बिना बीच में टोके।
- सोचें कि फीडबैक और परीक्षण कैसे विचारों को सुधारने में मदद कर सकते हैं।
- **एक छोटा पैराग्राफ लिखें (6–8 वाक्य):**
- आपने अपना विचार किसके साथ साझा किया
- एक फीडबैक या सुझाव जो आपको प्राप्त हुआ
- इस प्रतिक्रिया ने आपको अलग तरीके से सोचने में कैसे मदद की
- अपने विचार को बेहतर बनाने के लिए आप क्या बदलाव करेंगे
- वाक्य के साथ समाप्त करें:
- **"यह एक समस्या है जिसे मैं डिज़ाइन थिंकिंग का उपयोग करके आगे बढ़ाना/ जानना (explore) चाहूँगा।"**

गतिविधि 5 स्मार्ट तरीके से पिच करें

उद्देश्य

- स्पष्ट और आत्मविश्वास के साथ अपने विचार दूसरों के सामने प्रस्तुत करना।
- यह जानना कि फीडबैक समाधानों को सुधारने और परिष्कृत करने में कैसे मदद करता है।

निर्देश

- अपनी टीम के साथ अपने प्रोटोटाइप या स्केच शीट को कक्षा के सामने लाएँ।
- अपने विचार को 2–3 मिनट में प्रस्तुत करें और समझाएँ:
  -आप किस समस्या को हल करने की कोशिश कर रहे हैं
  -आपका विचार क्या है
  - यह किसकी मदद करेगा और कैसे?
- जब एक टीम अपना प्रस्तुतीकरण दे रही हो, अन्य टीमें दर्शकों के रूप में ध्यान से सुनें।
- प्रत्येक प्रस्तुति के बाद, दर्शक साझा करेंगे:
- विचार के बारे में एक सकारात्मक बिंदु
- इसे सुधारने के लिए एक सुझाव
- आप जो फीडबैक प्राप्त करते हैं उसे लिख लें।
- यदि आवश्यक हो तो अपने विचार को सुधारने या परिष्कृत करने के लिए सुझावों का उपयोग करें।

चिंतन प्रश्न

प्र.1. आपको प्रोटोटाइप बनाते समय आसान क्या लगा और मुश्किल क्या था?

....

प्र.2. फीडबैक ने आपके आइडिया को बेहतर बनाने में कैसे मदद की?

....

प्र.3. अपने मॉडल का परीक्षण करने के बाद आपने कौन सा बदलाव किया?

....

ज्ञान वर्धक

- विचार प्रस्तुत करना और प्रतिक्रिया प्राप्त करना हमें अपने काम को विभिन्न दृष्टिकोणों से देखने में मदद करता है। यह हमें स्पष्ट रूप से संवाद करना, सम्मानपूर्वक सुनना और अपने समाधान में सुधार करना सिखाता है।

हमने क्या सीखा!

- इस अध्याय में, हमने सीखा कि डिज़ाइन थिंकिंग हमें दैनिक समस्याओं को अर्थपूर्ण समाधान में बदलने में मदद करती है। हमने समझा कि नवाचार उन समस्याओं को नोटिस करने, लोगों की आवश्यकताओं को समझने और रचनात्मक रूप से सोचने से शुरू होता है। पाँच चरणों – समानुभूति(Empathize), परिभाषित करना (define), विचार उत्पन्न करना (Ideate), प्रोटोटाइप और टेस्ट – के माध्यम से हमने देखा कि कैसे विचार धीरे-धीरे विकसित होते हैं।
- हमने वास्तविक समस्याएँ पहचानने, मूल कारण जानने के लिए "क्यों?" पूछने, कई विचारों पर मंथन करने, सरल प्रोटोटाइप बनाने और फीडबैक के माध्यम से उन्हें सुधारने का अभ्यास किया। इन गतिविधियों ने हमें दिखाया कि कोई भी व्यक्ति नवाचारी बन सकता है। हमें महंगी सामग्री की आवश्यकता नहीं है – केवल जिज्ञासा, टीमवर्क और प्रयास करने का साहस चाहिए।
- डिज़ाइन थिंकिंग हमें ध्यान से देखने, अलग तरह से सोचने, गलतियों से सीखने और लगातार सुधार करने की शिक्षा देता है। यहाँ तक कि छोटे विचार भी बड़ा प्रभाव डाल सकते हैं जब हम समस्या को अच्छी तरह समझते हैं और इसे हल करने के लिए मिलकर काम करते हैं।

अवधारणा

- डिज़ाइन थिंकिंग एक वैश्विक रूप से पहचाना जाने वाला समस्या-समाधान दृष्टिकोण है जिसे स्टैनफोर्ड डी. विद्यालय ने विकसित किया और IDEO द्वारा व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। यह नवाचारकों को पाँच स्पष्ट चरणों के माध्यम से वास्तविक समस्याओं को हल करने में मदद करता है:
- **समानुभूति** – लोगों की आवश्यकता को समझें

- हम उन लोगों का गहराई से अवलोकन करते और सुनते हैं जो समस्या का सामना कर रहे हैं, ताकि हमारे विचार वास्तविक उपयोगकर्ताओं के लिए अर्थपूर्ण हों। समानुभूति हमें ऐसे समाधान बनाने में मदद करती है जो वास्तव में लोगों के जीवन में फिट हों।
- **परिभाषित करें (DEFINE) –** वास्तविक समस्या की पहचान करें।
- हम सारी जानकारी को व्यवस्थित करते हैं जो हमने एकत्र की है और उस सटीक चुनौती को खोजते हैं जिसे हल करने की आवश्यकता है। एक स्पष्ट समस्या विवरण एक मजबूत समाधान के लिए मानचित्र बन जाता है।
- **विचार उत्पन्न करें (IDEATE) –** कई रचनात्मक विचार उत्पन्न करें
- हम स्वतंत्र रूप से सोचते हैं, सभी संभावनाओं की खोज करते हैं और जितना संभव हो उतने विचार बनाते हैं बिना किसी निर्णय के। अधिक विचार मतलब कुछ नवाचारी खोजने की अधिक संभावनाएँ।
- **प्रोटोटाइप बनाएँ (PROTOTYPE) –** सरल मॉडल तैयार करें
- हम अपने विचारों को त्वरित, कम लागत वाले मॉडल या स्केच में बदलते हैं ताकि देखा जा सके कि वे कैसे काम कर सकते हैं। प्रोटोटाइप हमें तेज़ी से सीखने और शुरुआती गलतियों को सुधारने में मदद करते हैं।
- **परीक्षण (TEST) –** फीडबैक एकत्रित करें और सुधार करें
- हम अपने प्रोटोटाइप को उपयोगकर्ताओं के साथ साझा करते हैं, उनका फीडबैक सुनते हैं और सुधार करते हैं। परीक्षण हमें यह सिखाता है कि क्या काम करता है, क्या नहीं करता और विचार को मजबूत कैसे बनाया जा सकता है।

साप्ताहिक कार्य

- इस अध्याय में अपनी पूरे डिज़ाइन थिंकिंग यात्रा के बारे में सोचें – समस्याओं का निरीक्षण करने, "क्यों?" पूछने, विचार उत्पन्न करने, एक सरल समाधान बनाने और फीडबैक के माध्यम से इसे सुधारने तक। यह विचार करें कि आपने समस्या सुलझाने, रचनात्मकता, टीमवर्क और अपने बारे में क्या सीखा।
- इसमें सही या गलत उत्तर नहीं हैं। अंतिम विचार की जगह अपने सीखने के अनुभव पर ध्यान दें।
- एक चिंतनशील पैराग्राफ (7–8 वाक्यों में) लिखें जिसमें वर्णन करें:
- समस्या सुलझाने के बारे में आपने जो एक महत्त्वपूर्ण चीज़ सीखी।
- डिज़ाइन थिंकिंग के किसी भी चरण में आपको जो चुनौती मिली।
- आपने उस चुनौती को कैसे संभाला या उसे पार करने की कोशिश की।
- आपने जो एक कौशल विकसित किया (जैसे निरीक्षण, रचनात्मकता, टीमवर्क या संचार)
- यह कौशल स्कूल या दैनिक जीवन में कैसे मदद कर सकता है।
- अगली बार आप क्या अलग करेंगे।
- एक वाक्य में समाप्त करें कि डिज़ाइन थिंकिंग ने समस्याओं को देखने के तरीके को कैसे बदल दिया

अध्याय 07

डिजिटल दुनिया की खोज

कालांश: 4

पिछला सारांश

पिछले अध्याय में, हमने सीखा कि कैसे दैनिक समस्याएँ नवाचार (innovation) के अवसर बन सकती हैं। हमने 'डिज़ाइन थिंकिंग' के पाँच चरणों को विस्तार से समझा: समानुभूति (Empathize), परिभाषा , विचार मंथन (Ideate), प्रोटोटाइप (Prototype) और परीक्षण (Test)। हमने यह भी जाना कि वास्तविक समस्याओं का अवलोकन करके, गहरे प्रश्न पूछकर, नए विचारों पर मंथन करके और फीडबैक (प्रतिपुष्टि) के माध्यम से समाधानों में सुधार करके, कैसे सरल विचारों को सार्थक नवाचार में बदला जा सकता है।"

परिचय

हम एक ऐसी दुनिया में रहते हैं जहाँ तकनीक लगभग हमारे हर काम का हिस्सा है—चाहे वह खाना ऑर्डर करना हो, टिकट बुक करना हो, बिलों का भुगतान करना हो या नए कौशल (skills) सीखना हो। आज के विद्यार्थियों और भविष्य के उद्यमियों के लिए अच्छे विचार होना महत्वपूर्ण है, लेकिन डिजिटल उपकरणों का समझदारी से उपयोग करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यह अध्याय आपको 'डिजिटल साक्षरता' (Digital Literacy) से परिचित कराता है, जिसका अर्थ है डिजिटल उपकरणों, एप्लिकेशन और ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म को सुरक्षित, ज़िम्मेदार और प्रभावी तरीके से समझना और उनका उपयोग करना।

इस अध्याय में, आप कार्य करने के डिजिटल और गैर-डिजिटल दोनों तरीकों को जानेंगे, ईमेल लिखने की बुनियादी बातें सीखेंगे, ऑनलाइन सुरक्षा के महत्त्व को समझेंगे और अपने स्वयं के डिजिटल पोस्टर बनाना सीखेंगे। आपको आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) का परिचय भी मिलेगा और आप जानेंगे कि यह मानव बुद्धि (human intelligence) से कैसे अलग है। ये कौशल आपको स्पष्ट रूप से संवाद करने, ऑनलाइन सुरक्षित रहने, रचनात्मक रूप से सोचने और सीखने तथा समस्या-समाधान के लिए तकनीक का उपयोग करने में मदद करेंगे।

अधिगम प्रतिफल:

- दैनिक जीवन और सीखने की प्रक्रिया में डिजिटल और गैर-डिजिटल (non-digital) उपकरणों के अर्थ और महत्त्व को समझना।
- ईमेल लेखन और डिजिटल सामग्री के माध्यम से स्पष्ट और जिम्मेदारी से संवाद करना सीखना।
- ऑनलाइन सुरक्षा और इंटरनेट के जिम्मेदार उपयोग के प्रति जागरूकता विकसित करना।
- विचारों को रचनात्मक रूप से साझा करने के लिए सरल डिजिटल पोस्टर बनाना।
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) का परिचय प्राप्त करना और यह समझना कि यह मानव बुद्धि (HI) से कैसे अलग है।

गतिविधि 1 डिजिटल जासूस (Digital Detectives)

उद्देश्य

- उन डिजिटल उपकरणों की पहचान करना जिनका आप पहले से ही दैनिक जीवन में उपयोग करते हैं।
- यह समझना कि कैसे इन्हीं उपकरणों का उपयोग उद्यमियों (entrepreneurs) द्वारा अपने व्यवसाय को चलाने और बढ़ाने के लिए किया जाता है।

निर्देश

- आज, आप डिजिटल जासूस हैं। आपका काम यह पता लगाना है कि आपके दैनिक जीवन में तकनीक का उपयोग कहाँ किया जाता है।
- नीचे दी गई तालिका में प्रत्येक गतिविधि का उसके उद्देश्य से मिलान करें।

मेरे दैनिक जीवन में डिजिटल उपकरण।

गतिविधि (Activity)	उद्देश्य (Purpose)
यूट्यूब देखना (Watched YouTube)	बातचीत (Communication)
यूपीआई से भुगतान किया (Paid with UPI)	मनोरंजन (Recreation)
व्हाट्सएप संदेश भेजना (Sent WhatsApp message)	जानकारी / सूचना (Information)
गूगल मैप्स का उपयोग किया (Used Google Maps)	मनोरंजन/सीखना (Entertainment / Learning)
मौसम की जानकारी देखी (Checked weather)	जगह ढूंढना (Finding places)
ऑनलाइन गेम खेले (Played online games)	ऑनलाइन भुगतान (Online payment)

- प्रत्येक व्यवसाय कई डिजिटल उपकरणों का उपयोग कर सकता है। सबसे पहले, प्रत्येक व्यवसाय के लिए लागू होने वाले उपकरण (उपकरणों) की पहचान करें और फिर पहचाने गए उपकरण को उस व्यवसाय के उद्देश्य से मिलाएँ।

व्यवसाय में डिजिटल उपकरण

व्यवसाय का प्रकार	उपयोग किया गया डिजिटल उपकरण	उद्देश्य
फल विक्रेता	व्हाट्सएप (WhatsApp)	ऑफर भेजता है और ऑर्डर लेता है
दर्जी	यूट्यूब / गूगल (YouTube / Google)	नए डिज़ाइन सीखता है
नाश्ते की दुकान	इंस्टाग्राम (Instagram)	नए स्नैक्स (snacks) का प्रचार करता
स्टेशनरी की दुकान	यूपीआई (UPI)	तीव्र कैशलेस भुगतान
होम बेकर	कैनवा / चैटजीपीटी (Canva / Chat GPT)	पोस्टर और कैप्शन बनाता है

चिंतन प्रश्न

प्र.1. आपको क्यों लगता है कि इस समस्या को हल करना महत्त्वपूर्ण है?

....

प्र.2. इस समस्या से सबसे अधिक कौन प्रभावित है?

....

ज्ञान वर्धक

- तकनीक अब हमारे दैनिक कार्यों से गहराई से जुड़ी हुई है। गूगल पर सर्च करना , व्हाट्सएप पर चैटिंग करना, डिजिटल पेमेंट करना या वीडियो देखना जैसे सरल कार्य महत्त्वपूर्ण डिजिटल कौशल हैं।
- ये उपकरण नई चीजें सीखने, ग्राहकों से बात करने, उत्पादों का प्रचार करने और पैसे का प्रबंधन करने में मदद करते हैं। डिजिटल साक्षरता केवल बड़ी कंपनियों के लिए नहीं है; यहाँ तक कि छोटे दुकानदार और घर से काम करने वाले लोग भी होशियारी से काम करने और अधिक लोगों तक पहुँचने के लिए तकनीक का उपयोग कर सकते हैं।
- डिजिटल उपकरणों को समझना और उनका बुद्धिमानी से उपयोग करना नए अवसर खोल सकता है और भविष्य के व्यावसायिक विचारों (entrepreneurial ideas) का समर्थन कर सकता है।

साप्ताहिक कार्य

- अगले दो दिनों तक, घर, स्कूल या अपने पड़ोस में अपनी दिनचर्या को ध्यान से देखें। कम से कम तीन डिजिटल टूल या ऐप्स की पहचान करें जिनका आप या आपके आस-पास के लोग उपयोग करते हैं (जैसे यूट्यूब, व्हाट्सएप, गूगल सर्च, यूपीआई, गूगल मैप्स, मौसम ऐप, या ऑनलाइन गेम)।
- अपनी नोटबुक में, एक छोटा पैराग्राफ (6-8 वाक्य) लिखें जिसमें निम्नलिखित बातें हों:
  - आपके द्वारा देखे गए डिजिटल टूल
  - उनका उपयोग किसने किया (आप, परिवार का सदस्य, दुकानदार, शिक्षक, आदि)
  - उस टूल का उपयोग क्यों किया गया
  - इसने काम को कैसे आसान, तेज़ या बेहतर बनाया
  - अपने पैराग्राफ को इस वाक्य के साथ समाप्त करें:
- "यह दर्शाता है कि डिजिटल उपकरण हमारे रोजमर्रा के जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।"

केस स्टोरी 1 — कृष्णा यादव की कहानी: गृहिणी से अचार साम्राज्य तक

उद्देश्य

- डिजिटल साक्षरता वास्तविक जीवन में लोगों को व्यवसाय शुरू करने और बढ़ाने में कैसे मदद करती है।
- यूट्यूब (YouTube), गूगल (Google), व्हाट्सएप (WhatsApp), यूपीआई (UPI), कैनवा (Canva) और एआई (AI) जैसे सरल डिजिटल उपकरणों का उपयोग नए कौशल सीखने, उत्पादों का प्रचार करने, और ग्राहकों के साथ संवाद करने और के लिए कैसे किया जा सकता है।

निर्देश

- केस स्टडी पढ़ें: कृष्णा यादव - एक गृहिणी से अचार साम्राज्य तक।
- पढ़ते समय, नोट करें:
  - कृष्णा ने किन डिजिटल उपकरणों (tools) का उपयोग किया।
  - प्रत्येक उपकरण ने उन्हें सीखने, प्रचार करने, बेचने या उनके व्यवसाय को बढ़ाने में कैसे मदद की।

दिल्ली की एक गृहिणी, कृष्णा यादव ने अपनी यात्रा लगभग बिना किसी औपचारिक शिक्षा और बहुत सीमित संसाधनों के साथ शुरू की। अपने परिवार की मदद करने के लिए, उन्होंने घर में बना अचार बनाना शुरू किया। लेकिन वहीं रुकने के जगह , उन्होंने और अधिक सीखने के लिए इंटरनेट का सहारा लिया।

कृष्णा यादव

उन्होंने अचार को सुरक्षित रखने (food preservation) और पैकेजिंग के तरीकों को समझने के लिए यूट्यूब वीडियो देखे। बोतलों और लेबल के लिए आपूर्तिकर्ताओं (suppliers) को खोजने के लिए गूगल सर्च का उपयोग किया और ग्राहकों का भरोसा जीतने के लिए अपने ब्रांड को पंजीकृत करवाया। उन्होंने फेसबुक और व्हाट्सएप पर अपने अचार की तस्वीरें साझा कीं और ऑनलाइन ऑर्डर लिए। ग्राहकों के लिए लेन-देन (payment) आसान बनाने के लिए यूपीआई (UPI) का उपयोग किया। जब उन्हें पेशेवर दिखने वाले लेबल की जरूरत महसूस हुई, तो उन्होंने कैनवा और सरल एआई टूल्स का उपयोग करके खुद डिजाइन तैयार किए। धीरे-धीरे उनका व्यवसाय बढ़ा। आज, 'श्री कृष्णा पिकल्स' सालाना ₹5 करोड़ से अधिक कमाता है, और वह पूरे भारत में अपने दृढ़ संकल्प और डिजिटल उपकरणों के स्मार्ट उपयोग के लिए जानी जाती हैं। कृष्णा की कहानी साबित करती है कि डिजिटल साक्षरता केवल महंगी तकनीक के बारे में नहीं है बल्कि यह सीखने, खोज करने और अवसरों को बढ़ाने के लिए सरल उपकरणों का समझदारी से उपयोग करने के बारे में

Summary Table

गतिविधि	उद्देश्य
यूट्यूब (YouTube)	रेसिपी, पैकेजिंग और बिजनेस टिप्स सीखना
गूगल सर्च (Google Search)	आपूर्तिकर्ताओं (suppliers) और बाज़ार की जानकारी ढूँढना
फेसबुक / व्हाट्सएप (Facebook / WhatsApp)	उत्पादों को साझा करना और ऑर्डर लेना
यूपीआई (UPI)	आसान और भरोसेमंद भुगतान
कैनवा / एआई टूल्स (Canva / AI Tools)	लेबल, पोस्टर और कैप्शन डिजाइन करना

चिंतन प्रश्न

प्र.1. कृष्णा यादव की यात्रा के किस हिस्से ने आपको सबसे ज्यादा प्रेरित किया और क्यों?

....

प्र.2. डिजिटल उपकरणों (digital tools) ने उन्हें अपने व्यवसाय को तेज़ी से और होशियारी से बढ़ाने में कैसे मदद की?

....

प्र.3. क्या आप अपने आस-पास के किसी ऐसे छोटे व्यवसाय के बारे में सोच सकते हैं जो डिजिटल उपकरणों की मदद से इस तरह बढ़ सकता है?

....

प्र.4. यदि आप भविष्य में अपना स्वयं का व्यवसाय शुरू करते हैं तो कौन से डिजिटल उपकरण आपके लिए सबसे उपयोगी होंगे?

....

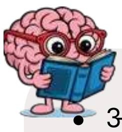

ज्ञान वर्धक

- आइए एक पल के लिए सोचें कि हमने कृष्णा यादव की कहानी से अभी क्या सीखा. वह कोई प्रशिक्षित बिजनेस एक्सपर्ट (business expert) नहीं थीं, वह हम में से कई लोगों के परिवारों जैसी ही थीं.
- लेकिन उसने सरल डिजिटल उपकरणों का उपयोग किया, जिन्हें आप सभी हर दिन सीखने, सुधारने और अपने व्यवसाय को बड़ा बनाने के लिए पहले ही इस्तेमाल करते हैं। डिजिटल साक्षरता कठिन नहीं है और यह आपके जीवन से दूर नहीं है।
- आप पहले से ही YouTube, Google, WhatsApp, UPI, और यहां तक कि AI टूल्स का उपयोग करते हैं। कृष्णा यादव ने भी बिल्कुल वही टूल्स इस्तेमाल किए, लेकिन उद्देश्य के साथ। उन्होंने इन्हें सीखने, अपने उत्पादों को प्रचारित करने, ग्राहकों से संवाद करने, और अपनी आय बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किया।

साप्ताहिक कार्य

- अगले दो दिनों तक, घर, विद्यालय या अपने पड़ोस में अपनी दिनचर्या को ध्यान से देखें। कम से कम तीन डिजिटल टूल या ऐप्स की पहचान करें जिनका आप या आपके आस-पास के लोग उपयोग करते हैं (जैसे यूट्यूब, व्हाट्सएप, गूगल सर्च, यूपीआई, गूगल मैप्स, मौसम ऐप, या ऑनलाइन गेम).
- अपनी नोटबुक में, एक छोटा पैराग्राफ (6-8 वाक्य) लिखें जिसमें निम्नलिखित बातें हों:
  - -आपके द्वारा देखे गए डिजिटल टूल
  - -उनका उपयोग किसने किया (आप, परिवार का सदस्य, दुकानदार, शिक्षक, आदि)
  - -उस टूल का उपयोग क्यों किया गया
  - -इसने काम को कैसे आसान, तीव्र या बेहतर बनाया
- अपने पैराग्राफ को इस वाक्य के साथ समाप्त करें:
- "यह दर्शाता है कि डिजिटल उपकरण हमारे दैनिक जीवन का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा हैं।"

गतिविधि 3 द ईमेल आर्किटेक्ट (ईमेल निर्माता)

उद्देश्य

- यह समझना कि ईमेल क्या है और औपचारिक संचार (formal communication) के लिए इसका उपयोग कैसे किया जाता है।
- एक स्पष्ट, विनम्र और सम्मानजनक ईमेल लिखना सीखना।
- विद्यालय की किसी गतिविधि के लिए अनुमति माँगने हेतु ईमेल लिखने का अभ्यास करना।

Email क्या है?

- पहले समझें कि ईमेल क्या है: ईमेल एक डिजिटल पत्र है जो इंटरनेट के माध्यम से भेजा जाता है ताकि शिक्षकों, कार्यालयों, दोस्तों या संगठनों से संवाद किया जा सके।
- उदाहरण के लिए, जब आप गूगल मेल या आउटलुक का उपयोग करके अपने शिक्षक को संदेश भेजते हैं तो उस संदेश को ईमेल कहा जाता है।

निर्देश

- अपने फोन या कंप्यूटर पर जीमेल, आउटलुक या मेल ऐप जैसा कोई ईमेल ऐप खोलें।
- यदि आपके पास कोई डिवाइस नहीं है, तो उसी प्रारूप (format) में कागज पर ईमेल लिखें।
- अपने ईमेल का उद्देश्य दिखाने के लिए एक स्पष्ट विषय पंक्ति' (Subject Line) लिखें।
  - उदाहरण: विषय: स्कूल गेमिंग टूर्नामेंट आयोजित करने का अनुरोध
- एक विनम्र अभिवादन (Greeting) के साथ शुरुआत करें।
  - उदाहरण: प्रिय महोदय/महोदया, या आदरणीय शिक्षक
- मुख्य भाग (main body) में, स्पष्ट रूप से लिखें:
  - आप कौन हैं (आपका नाम और कक्षा)
  - आप क्या करना चाहते हैं (गेमिंग टूर्नामेंट आयोजित करना)
  - यह कब होगा (तारीख और समय)
  - यह महत्त्वपूर्ण क्यों है (मज़ा, टीम वर्क, सीखना, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा)
- पाठक को धन्यवाद देते हुए और अपना नाम लिखते हुए ईमेल को विनम्रता से समाप्त करें। उदाहरण:
  - इस पर विचार करने के लिए धन्यवाद (Thank you for your kind consideration)।
  - आपका विश्वासी / भवदीय (Yours sincerely),
  - आपका नाम, कक्षा 8
- सबमिट करने या भेजने से पहले अपने ईमेल को दोबारा पढ़ें और वर्तनी (spelling), स्पष्टता और विनम्र भाषा की जाँच करें।

चिंतन प्रश्न

प्र.1. औपचारिक ईमेल लिखते समय आपको कैसा लगा?

....

प्र.2. ईमेल लिखने में क्या आसान था और क्या कठिन था?

....

प्र.3. वास्तविक जीवन में आपको ऐसा ईमेल लिखने की आवश्यकता कब हो सकती है?

....

ज्ञान वर्धक

- ईमेल बातचीत करने का एक औपचारिक (formal) तरीका है और इसे स्पष्ट और सम्मानपूर्वक लिखा जाना चाहिए।एक अच्छी तरह से लिखे गए ईमेल में उचित विषय (proper subject), विनम्र अभिवादन, स्पष्ट संदेश और शिष्ट समापन (courteous closing) शामिल होता है।

- सही शब्दों और प्रारूप (format) का उपयोग करना अच्छे शिष्टाचार को दर्शाता है और पाठक को हमारे उद्देश्य को आसानी से समझने में मदद करता है। ईमेल लिखना सीखने से हमें शिक्षकों, स्कूल और बाद में कार्यस्थलों (workplaces) पर बेहतर संवाद करने में मदद मिलेगी, जिससे हमारे संदेश अधिक प्रभावी और पेशेवर बनेंगे।

साप्ताहिक कार्य

- कल्पना करें कि आप विद्यालय में कोई गतिविधि आयोजित करना चाहते हैं (जैसे सफाई अभियान, गेमिंग टूर्नामेंट, प्रदर्शनी, या क्लब की बैठक)। अनुमति माँगने के लिए अपने शिक्षक या विद्यालय प्राधिकरण (school authority) को एक औपचारिक ईमेल लिखें।
- आपके ईमेल में यह सब शामिल होना चाहिए: एक स्पष्ट विषय पंक्ति (Subject line), एक विनम्र अभिवादन (Greeting) (जैसे: आदरणीय महोदय/महोदया या प्रिय शिक्षक)
- आप कौन हैं, आप क्या करना चाहते हैं, यह कब होगा और यह महत्वपूर्ण क्यों है, इसका स्पष्ट स्पष्टीकरण
- एक विनम्र समापन (Closing) और आपका नाम और कक्षा।

गतिविधि 4 क्या यह एआई (AI) है या सिर्फ एक मशीन?

उद्देश्य

- सरल शब्दों में यह समझना कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) का क्या अर्थ है।
- स्मार्ट मशीनों (AI) और साधारण मशीनों के बीच अंतर करना।

निर्देश

- नीचे दिए गए उदाहरणों को पढ़ें।
- सही जगह पर टिक (✓) करें कि आपको क्या लगता है—यह AI है या AI नहीं है।

उदाहरण	AI है	AI नहीं है
कैलकुलेटर संख्याओं को जोड़ रहा है		
चेहरे से मोबाइल फोन अनलॉक होना		
पंखा 3 की गति पर घूम रहा है		
यूट्यूब वीडियो का सुझाव दे रहा है		
ट्रैफिक सिग्नल अपने आप बदल रहा है		
वॉयस असिस्टेंट सवालों के जवाब दे रहा है		

चिंतन प्रश्न

प्र.1. किस उदाहरण ने आपको सबसे अधिक चौंकाया?

....

प्र.2. एक कैलकुलेटर वॉयस असिस्टेंट (Voice Assistant) से कैसे अलग है?

....

प्र.3. सीखना बुद्धिमानी (intelligence) का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा क्यों है?

....

ज्ञान वर्धक

- हर मशीन जो आधुनिक या डिजिटल दिखती है, वह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) नहीं होती।
- मुख्य अंतर यह है कि मशीन कैसे काम करती है।
- साधारण मशीनें केवल मनुष्यों द्वारा दिए गए तय निर्देशों (fixed instructions) पर काम करती हैं। वे हर बार एक ही काम को एक ही तरह से करती हैं और कुछ नया नहीं सीखतीं।
  - *उदाहरण*: एक कैलकुलेटर हमेशा एक तय फॉर्मूले का उपयोग करके संख्याओं को जोड़ता है।
- AI-संचालित मशीनें डेटा से सीख सकती हैं, पैटर्न पहचान सकती हैं और समय के साथ अपने जवाबों में सुधार कर सकती हैं।
- वे अनुभव या उपयोगकर्ता के व्यवहार के आधार पर अपने कार्यों को बदल सकती हैं।
  - *उदाहरण*: यूट्यूब उन वीडियो का सुझाव देता है जिन्हें आप देखते हैं और पसंद करते हैं।
- यदि कोई मशीन सीख सकती है, सोच सकती है, या अलग-अलग स्थितियों में अलग तरह से निर्णय ले सकती है, तो वह संभवतः AI है। यदि यह केवल दिए गए आदेशों का हूबहू पालन करती है तो यह AI नहीं है।

गतिविधि 5 एआई (AI) या मानव (Human)?

उद्देश्य

- कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस/AI) क्या है।
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और मानव बुद्धिमत्ता (HI) के बीच अंतर करना।

निर्देश

- नीचे दी गई तालिका में दी गई स्थितियों को पढ़ें।
- प्रत्येक स्थिति के लिए सोचें और तय करें कि इसे कौन बेहतर कर सकता है:
  - AI (एक मशीन या कंप्यूटर)
  - इंसान (एक व्यक्ति)
  - दोनों (AI और इंसान मिलकर)
- सही कॉलम में टिक (✓) लगाएँ।
- तालिका पूरी करने के बाद सोचें कि आपने प्रत्येक उत्तर क्यों चुना।

स्थिति	कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)	मानव (Human)	दोनों
गणित को तेजी से हल करना			
दोस्त की भावनाओं को समझना			
नक्शे पर जगह ढूँढना			
भावनाओं के साथ कविता लिखना			
वीडियो का सुझाव देना			
निष्पक्ष निर्णय लेना			

चिंतन प्रश्न

प्र.1. मशीनें कौन से कार्य इंसानों से बेहतर कर सकती हैं?

प्र.2. किन कार्यों में मानवीय भावनाओं और सोच की आवश्यकता होती है?

प्र.3. अगर मनुष्य और एआई साथ में काम करें तो कैसा होगा? अपने विचार साझा करें।

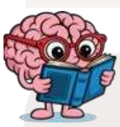

ज्ञान वर्धक

- सभी मशीनें बुद्धिमान नहीं होती हैं। कुछ मशीनें केवल तय निर्देशों का पालन करती हैं, जैसे एक पंखा जो एक निर्धारित गति पर चलता है या एक कैलकुलेटर जो केवल संख्याओं को जोड़ता है। हालाँकि, एआई सिस्टम (AI systems) डेटा से सीख सकते हैं और अनुभव के साथ सुधार कर सकते हैं।

- उदाहरण के लिए, यूट्यूब (YouTube) आपके द्वारा देखे जाने वाले वीडियो के आधार पर वीडियो का सुझाव देता है, गूगल मैप्स (Google Maps) ट्रैफ़िक पैटर्न का अध्ययन करके तेज़ रास्ते खोजता है और आपका फ़ोन आपके चेहरे को पहचानकर अनलॉक होता है। वॉयस असिस्टेंट (Voice assistants) आपके सवालों को समझ सकते हैं , जवाब दे सकते हैं और कैमरे तस्वीरों में लोगों को पहचान सकते हैं।
- एआई (AI) का उपयोग अनुवाद ऐप्स (translation apps), ऑनलाइन शॉपिंग सुझावों और यहाँ तक कि उन गेम्स में भी किया जाता है जो आपके खेलने के तरीके के आधार पर अपना लेवल बदल लेते हैं। ये उदाहरण दिखाते हैं कि एआई सोचने, सीखने और निर्णय लेने में मदद करता है और यह शिक्षा, काम और दैनिक जीवन का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा बनता जा रहा है।.

हमने क्या सीखा!

- इस अध्याय में, हमने सीखा कि डिजिटल साक्षरता (digital literacy) पहले से ही हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा है। हम यह महसूस किए बिना फोन, ऐप्स और इंटरनेट का उपयोग करते हैं कि ये वही उपकरण हैं जिनका उपयोग उद्यमी अपने व्यवसाय को सीखने, संचार करने, प्रचार करने और बढ़ाने के लिए करते हैं।
- वास्तविक जीवन के उदाहरणों और कृष्णा यादव की प्रेरक यात्रा को जानकर, हमने समझा कि कोई भी सरल डिजिटल उपकरणों की मदद से सीख सकता है, बना सकता है और सफल हो सकता है।
- हमने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के बारे में भी सीखा और जाना कि यह तेज़ी से काम करके, जानकारी का विश्लेषण करके और स्मार्ट सुझाव देकर इंसानों की मदद कैसे करता है, जबकि इंसान रचनात्मकता (creativity), भावनाएँ और निर्णय लेने की क्षमता लाते हैं। अब हम जानते हैं कि जब हम तकनीक और एआई का उपयोग होशियारी, जिम्मेदारी और रचनात्मक रूप से करते हैं, तो हम मजबूत कौशल बनाते हैं जो हमें विद्यालय , जीवन और भविष्य की उद्यमशीलता की यात्रा में मदद करते हैं।

अवधारणा

स्रोत: 21वीं सदी के शिक्षण के लिए P21 फ्रेमवर्क (P21 Framework for 21st Century Learning)

- P21 'ICT साक्षरता' को एक मुख्य कौशल मानता है जिसमें शामिल हैं:

1. शोध (research) के लिए डिजिटल उपकरणों का उपयोग करना
2. बनाने और संवाद करने के लिए तकनीक का उपयोग करना
3. ऑनलाइन जानकारी के बारे में सोच-समझकर विकल्प चुनना
4. ये कौशल सीधे उद्यमशीलता (entrepreneurial) की क्षमताओं को मजबूत करते हैं:
5. बाजार अनुसंधान (Market research)
6. ग्राहक संचार (Customer communication)
7. ब्रांडिंग और मार्केटिंग (Branding and marketing)
8. डिजिटल उपकरणों का उपयोग करके समस्या-समाधान (Problem-solving)

- यूनेस्को (UNESCO) परिभाषा: यूनेस्को डिजिटल साक्षरता को इस प्रकार परिभाषित करता है: *"डिजिटल तकनीकों के माध्यम से जानकारी को सुरक्षित रखना और उस तक उचित रूप से पहुंच रखने, प्रबंधित करने, समझने, एकीकृत करने, संवाद करने, मूल्यांकन करने और बनाने की क्षमता।"*
- उद्यमिता से जुड़े प्रमुख घटक:
  - पहुँच और उपयोग (Access & Use): फोन, ऐप्स, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का उपयोग करना।
  - संचार (Communication): जानकारी साझा करना, काम का प्रचार करना।
  - निर्माण (Creation): डिजिटल सामग्री (फोटो, संदेश, वीडियो) बनाना।
  - सुरक्षा (Safety): गोपनीयता (privacy), साइबर सुरक्षा, ज़िम्मेदार उपयोग को समझना।

अध्याय 08

वित्तीय साक्षरता की नींव

कालांश: 3

पिछला सारांश

पिछले अध्याय में हमने सीखा कि डिजिटल टूल्स पहले से ही हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा हैं, भले ही हमें इसका हमेशा एहसास न हो। वीडियो देखना, ऑनलाइन सर्च करना, UPI से भुगतान करना या WhatsApp पर चैट करना,ये सभी आसान काम वास्तव में महत्वपूर्ण डिजिटल कौशल हैं। हमने यह भी देखा कि छोटे व्यवसायी जैसे फल बेचने वाले, दर्जी और घर पर बेकिंग करने वाले लोग भी इन्हीं डिजिटल टूल्स का उपयोग अपने उत्पादों का प्रचार करने, नई चीजें सीखने और ग्राहकों से जुड़ने के लिए करते हैं।

परिचय

पैसा हमारे दैनिक जीवन और प्रत्येक व्यवसाय में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। लेकिन पैसे का सही उपयोग करने के लिए हमें सबसे पहले ज़रूरत (Needs) और इच्छा (Wants) के बीच अंतर समझना चाहिए। जरूरतें (Needs) वे चीजें होती हैं जो हमारे पास होनी चाहिए जैसे भोजन, कपड़े, कॉपी-किताबें या दवाइयाँ। जबकि इच्छाएँ (Wants) वे अतिरिक्त चीजें होती हैं जिन्हें हम पसंद करते हैं, जैसे महंगे जूते, गेमिंग एक्सेसरीज़ या नए-नए गैजेट्स। दोनों ही जीवन का हिस्सा हैं, लेकिन जरूरतों को पहले महत्व देना हमें सही निर्णय लेने में मदद करता है।

इस अध्याय में हम सीखेंगे कि जरूरत और इच्छा को समझना न केवल हमारी व्यक्तिगत ज़िंदगी में बल्कि व्यवसाय में भी कैसे मदद करता है। उद्यमियों (Entrepreneurs) को यह तय करना पड़ता है कि पैसा कहाँ खर्च करना है, कितना बचाना है और कहाँ निवेश करना है ताकि उनका व्यवसाय आगे बढ़ सके। अगर वे जरूरत और इच्छा में अंतर नहीं समझते तो वे पैसा बर्बाद कर सकते हैं और नुकसान उठा सकते हैं। लेकिन जब वे पहले जरूरतों पर ध्यान देते हैं तो वे एक मजबूत और सफल व्यवसाय बना सकते हैं।

अधिगम प्रतिफल:

- आवश्यक चीजों (Essentials), जरूरतों (Needs) और इच्छाओं (Wants) के बीच स्पष्ट अंतर समझ पाएंगे।
- समझ पाएंगे कि खर्च करने के हमारे निर्णय हमारी प्राथमिकताओं को कैसे दिखाते हैं।
- पैसे से जुड़े बुनियादी सिद्धांतों को समझ पाएंगे।
- वास्तविक जीवन की स्थितियों और केस स्टडी का विश्लेषण कर पाएंगे।
- पैसे का सही और जिम्मेदारी से उपयोग करने की अच्छी आदतें विकसित करेंगे।

गतिविधि 1 हमारे खर्च को समझना (Understanding Our Spending)

उद्देश्य

- यह पहचानना कि दैनिक जीवन में पैसे का उपयोग किन-किन तरीकों से होता है।
- यह समझना कि हमारे खर्च के चुनाव हमारी जरूरतों (Needs), इच्छाओं (Wants) और प्राथमिकताओं (Priorities) को कैसे दर्शाते हैं।

निर्देश

- पिछले सप्ताह अपने घर में हुए खर्च को याद करें और इन चीजों की सूची बनाएं:
  - तीन चीजें जिन पर आपने पैसा खर्च किया (जैसे: बस का किराया, नाश्ता, स्टेशनरी) ।
  - एक ऐसी चीज जिसे आपकी खरीदने की इच्छा हैं लेकिन अभी खरीद नहीं सकते।

चिंतन प्रश्न

प्र.1. इन तीन चीजों में से कौन-सी चीजें जरूरी (Need) हैं और कौन-सी वैकल्पिक (Want) हैं?

....

प्र.2. आपको क्या लगता है कि आप वह चीज अभी क्यों नहीं खरीद सकते? (पैसे की कमी / बचत करने की जरूरत / अभी प्राथमिकता नहीं है)

....

प्र.3. अपनी सूची की तुलना अपने किसी एक सहपाठी की सूची से करें और समान और अलग चीजों को लिखें।

....

ज्ञान वर्धक

- पैसा हमारी रोज़मर्रा की ज़िंदगी का एक हिस्सा है और इसका इस्तेमाल हमारी ज़रूरतों और इच्छाओं को पूरा करने के लिए किया जाता है। हम किस चीज़ पर खर्च करते हैं और क्या खरीदना चाहते हैं, इस बारे में सोचकर, हमने सीखा कि खर्च करने का हर फ़ैसला यह दिखाता है कि हमारे और हमारे परिवार के लिए क्या ज़रूरी है। हमने यह भी महसूस किया कि ज़िंदगी में कुछ चीज़ें, जैसे प्यार, देखभाल और मिल-बांटकर रहना, ऐसी हैं जिनके लिए पैसे की ज़रूरत नहीं होती।
- यह समझना कि पैसे का इस्तेमाल हमें अपने फ़ैसलों में ज़्यादा जागरूक, ज़िम्मेदार और सोच-समझकर काम करने में कैसे मदद करता है।

साप्ताहिक कार्य

- पिछले सप्ताह अपने घर में हुए खर्च को याद करें और सूची बनाएं:
- तीन चीजें जिन पर आपने या आपके परिवार ने पैसा खर्च किया (जैसे: बस का किराया, नाश्ता, स्टेशनरी)।
- एक ऐसी चीज जिसे आप खरीदना इच्छा रखते हैं लेकिन अभी खरीद नहीं सकते।
- इन तीन चीजों में से पहचानें कि कौन-सी जरूरत (Need) है और कौन-सी इच्छा (Want)।
- 1-2 पंक्तियों में लिखें कि आप वह चीज अभी क्यों नहीं खरीद सकते।
- अपनी सूची की तुलना अपने किसी एक सहपाठी की सूची से करें।

गतिविधि 2 क्या यह जरूरत है या इच्छा ? (Is It a Need or a Want?)

उद्देश्य

- जरूरतों और इच्छाओं में क्या अंतर है?
- यह समझें कि खर्च करने के विकल्प व्यक्तिगत और वित्तीय प्राथमिकताओं को कैसे दर्शाते हैं?

निर्देश

- 3–5 सदस्यों के छोटे-छोटे समूह बनाएं।
- नीचे दी गई वस्तुओं की सूची हर समूह को दें और उन्हें ध्यान से पढ़ने के लिए कहें।
  1. स्कूल फीस
  2. फल
  3. ब्रांडेड जूते
  4. पारिवारिक यात्रा (Family vacation)
  5. दवाइयाँ
  6. बिजली का बिल
  7. दूध
  8. मोबाइल फोन
  9. गेम कंसोल
  10. आभूषण (Jewellery)
- हर समूह आपस में चर्चा करे और प्रत्येक वस्तु को इन तीन श्रेणियों में वर्गीकृत करे:
  - जरूरत (Need) – जीवन के लिए बुनियादी और जरूरी चीज (Must)
  - इच्छा (Want) – ऐसी चीज जो जीवन को अधिक आरामदायक बनाती है (Comfort)
  - आकांक्षा / मांग (Desire / Demand) – किसी खास चीज को पाने की प्रबल इच्छा (Wish / Dream)
- प्रत्येक समूह अपनी जरूरत (Needs), इच्छा (Wants) और आकांक्षा (Desire) की तालिका भरें।

जरूरत (Need) – जीने के लिए		**इच्छा (Want) – बेहतर जीवन के लिए**		**आकांक्षा (Desire) – सपनों के लिए**

चिंतन प्रश्न

प्र.1. जरूरत, इच्छा और आकांक्षा के बीच निर्णय लेते समय आपने क्या महसूस किया?

....

प्र.2. क्या आपके समूह के सभी सदस्य हर वस्तु पर सहमत थे, या उनके विचार अलग-अलग थे? क्यों?

....

प्र.3. इस गतिविधि से आपको क्या समझ में आया कि अलग-अलग लोग आर्थिक निर्णय अलग तरीके से क्यों लेते हैं?

....

ज्ञान वर्धक

- जब हम यह सीख लेते हैं कि हमें वास्तव में किन चीजों की जरूरत है और किन चीजों की केवल इच्छा है तो हम अपने संसाधनों (Resources) का बेहतर प्रबंधन कर पाते हैं। यही कौशल उद्यमी (Entrepreneurs) भी उपयोग करते हैं, जब वे यह तय करते हैं कि अपने व्यवसाय में पैसा कहाँ खर्च करना है और कहाँ बचाना है। हमने सीखा कि पैसे का सही प्रबंधन करना, जरूरत (Needs), इच्छा (Wants) और आकांक्षा (Desire) के बीच अंतर समझने से शुरू होता है।
- जरूरत (Needs) – वे चीजें जो जीने और पढ़ाई करने के लिए जरूरी होती हैं।
- इच्छा (Wants) – वे चीजें जो जीवन को आसान और अधिक आरामदायक बनाती हैं।
- आकांक्षा (Desire) – वे चीजें जिन्हें हम मज़े या प्रतिष्ठा (Status) के लिए पाना चाहते हैं।
- इन श्रेणियों को पहचानने से हमें समझदारी से आर्थिक निर्णय लेने में मदद मिलती है। भविष्य के उद्यमियों के रूप में, यह समझ आपको बजट बनाने, अनावश्यक खर्च से बचने और पैसे से जुड़ी अच्छी आदतें विकसित करने में मदद करेगी।
- अब जब हम जरूरत और इच्छा को अलग करना समझ गए हैं, तो आइए देखें कि असली उद्यमी पैसे से जुड़े निर्णय कैसे लेते हैं। इसे बेहतर समझने के लिए, हम कक्षा 9 के एक शिक्षार्थी की कहानी से सीखेंगे, जिसने सरल योजना और समझदारी से पैसे का उपयोग करके एक छोटा व्यवसाय शुरू किया।

साप्ताहिक कार्य

- अगले 5–6 दिनों तक अपनी दैनिक **आय (Income)** (जैसे पॉकेट मनी) और **खर्च (Expenses)** का रिकॉर्ड रखें ताकि आपको अपने खर्च करने की आदतों की समझ हो सके।
- अपने दैनिक खर्च का एक छोटा रिकॉर्ड रखें, ताकि आप समझ सकें कि आप पैसा कैसे उपयोग करते हैं। हर बार जब आप थोड़ा सा भी पैसा खर्च करें, जैसे:
  - – नाश्ते पर
  - – यात्रा (Travel) पर
  - – स्टेशनरी पर या किसी अन्य चीज पर
- लिखें, आपने क्या खरीदा उसकी कीमत कितनी थी, वह जरूरत (Need), इच्छा (Want) या आवश्यक (Essential) थी
- सप्ताह के अंत में (At the end of the week) 5–6 वाक्यों का एक छोटा पैराग्राफ लिखें, जिसमें बताएं:
- आपने सबसे ज्यादा पैसा किस चीज पर खर्च किया | कौन-से खर्च वास्तव में जरूरी थे |
- कौन-से खर्च आप टाल सकते थे और आपको क्या लगता है कि आप अगले सप्ताह कितना पैसा बचा सकते हैं।
- इस कार्य के अंत में (At the end of this task)
- अपने परिवार के किसी सदस्य का इंटरव्यू लें और पूछें कि वे आर्थिक निर्णय कैसे लेते हैं।
- आर्थिक अनुशासन (Financial discipline) का अभ्यास करने के लिए एक **"Savings Jar Challenge"** शुरू करें।
- इस पूरी गतिविधि को अपनी नोटबुक में भी लिखें।

केस स्टोरी 1 प्रिया का घरेलू मोमबत्ती व्यवसाय

उद्देश्य

- वास्तविक जीवन के उदाहरण के माध्यम से आय खर्च, लाभ और हानि जैसे बुनियादी पैसे से जुड़े सिद्धांतों को समझना।
- यह समझना कि बचत पुनर्निवेश और पैसे का रिकॉर्ड रखना समझदारी से आर्थिक निर्णय लेने में कैसे मदद करता है।

निर्देश

- प्रिया के घरेलु मोमबत्ती व्यवसाय की केस स्टडी को ध्यान से पढ़ें।
- कहानी से निम्नलिखित बातें लिखें:
  - प्रिया की कुल आय (Total Income)
  - कुल खर्च (Total Expenses)
  - उसका लाभ (Profit)

प्रिया, कक्षा 9 की एक छात्रा, अपनी सर्दियों की छुट्टियों में कुछ उपयोगी और नया करने की इच्छा रखती थी, इसलिए उसने खुशबूदार मोमबत्ती (Scented Candle) का छोटा व्यवसाय शुरू करने का फैसला किया। उसके पिता ने उसके इस विचार का समर्थन किया और उसे शुरुआत के लिए ₹500 दिए। प्रिया ने अपने खर्च की सावधानी से योजना बनाई। उसने ₹300 मोम (Wax) और बत्ती (Wicks) पर खर्च किए, ₹150 रंग और खुशबू (Colours and Fragrances) पर खर्च किए, और ₹50 पैकेजिंग (Packaging) पर खर्च किए। इस तरह उसका कुल खर्च ₹500 हो गया। इन सामग्रियों से उसने 10 खुशबूदार मोमबत्ती बनाए और हर मोमबत्ती को ₹60 में बेचा। इस तरह उसकी कुल आय ₹600 हुई। इससे उसने एक आसान सूत्र का उपयोग करके अपना लाभ निकाला: **लाभ (Profit) = आय (Income) – खर्च (Expenses)** जो कि ₹100 आया। प्रिया को बहुत गर्व महसूस हुआ क्योंकि उसने न केवल अपना शुरुआती निवेश वापस प्राप्त किया बल्कि अपने प्रयास से अतिरिक्त पैसा भी कमाया। पूरा लाभ खर्च करने की जगह, उसने एक समझदारी भरा निर्णय लिया। उसने ₹50 बचाए और बाकी ₹50 का पुनर्निवेश (Reinvest) करके अगली बार मोमबत्ती बनाने के लिए नई सामग्री खरीदी। उसने एक छोटी डायरी में अपने हर खर्च और हर कमाई का रिकॉर्ड रखना भी शुरू किया। इससे उसे अनावश्यक खर्च से बचने, यह समझने में मदद मिली कि किस सामग्री पर सबसे ज्यादा खर्च होता है और कौन-सी मोमबत्ती डिजाइन ज्यादा तेजी से बिकती है। समय के साथ, प्रिया ने देखा कि कुछ खुशबू, जैसे लैवेंडर (Lavender), ज्यादा लोकप्रिय थीं इसलिए उसने अपने खर्च की योजना उसी अनुसार बदली। इन छोटे लेकिन समझदारी भरे कदमों से उसका व्यवसाय धीरे-धीरे बढ़ने लगा। इससे उसने सीखा कि बचत, योजना बनाना और पुनर्निवेश करना लगातार लाभ कमाने और एक जिम्मेदार युवा उद्यमी बनने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

चिंतन प्रश्न

प्र.1. प्रिया के खर्च क्या थे और उसने ₹500 का उपयोग कैसे किया?

....

प्र.2. मोमबत्ती बेचकर प्रिया ने कितनी आय अर्जित की?

....

प्र.3. क्या उसे लाभ हुआ या हानि? आपको कैसे पता चला?

....

ज्ञान वर्धक

- खर्च का रिकॉर्ड रखना, लाभ (Profit) को समझना, सावधानी से बचत करना और समझदारी से पुनर्निवेश (Reinvest) करना—इन सभी से एक छोटा विचार भी सफल व्यवसाय में बदल सकता है। चाहे वह विद्यालय प्रोजेक्ट हो या भविष्य का व्यवसाय, पैसे से जुड़ी अच्छी आदतें हमें बेहतर निर्णय लेने और छोटे प्रयासों को बड़ी सफलता में बदलने में मदद करती हैं।
- एक सरल बजट (Budget) बनाना अनावश्यक खर्च से बचने और पैसे को नियंत्रण में रखने में मदद करता है। कीमतों और खर्च की तुलना करने से हमें अपने पैसे का सही मूल्य मिलता है।
- स्पष्ट रिकॉर्ड रखने से पारदर्शिता (Transparency) बनी रहती है और अपने निर्णयों की समीक्षा करना आसान हो जाता है।
- छोटे और लंबे समय के लक्ष्य (Short-term and Long-term Goals) तय करने से हमें यह समझने में मदद मिलती है कि पैसे का सही उपयोग कैसे करना है।

हमने क्या सीखा!

- इस अध्याय में हमने सीखा कि पैसा हमारी रोज़मर्रा की ज़िंदगी में कैसे उपयोग होता है और समझदारी से आर्थिक निर्णय लेना क्यों महत्वपूर्ण है।
- हमने आवश्यक चीजें – वे चीजें जो हमारे लिए बिल्कुल जरूरी होती हैं। जरूरतें वे चीजें जो महत्वपूर्ण होती हैं, लेकिन कुछ हद तक बदली जा सकती हैं। इच्छाएँ वे चीजें जो हमें पसंद होती हैं, लेकिन इनके बिना भी हम जीवन जी सकते हैं, के बीच अंतर समझा।
- यह समझ हमें बेहतर योजना बनाने और पैसे की बर्बादी से बचने में मदद करती है। हमने प्रिया के मोमबत्ती व्यवसाय के उदाहरण से आय खर्च और लाभ के बारे में भी सीखा। उसकी कहानी से हमें पता चला कि एक छोटा विचार भी सफल हो सकता है, अगर हम अपने पैसे की सही योजना बनाएं। प्रिया ने अपने खर्च का रिकॉर्ड रखा, मोमबत्ती बेचकर आय अर्जित की, लाभ की गणना की, कुछ पैसा बचाया और बाकी पैसे का पुनर्निवेश करके अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाया।
- इस अध्याय ने हमें सिखाया कि वित्तीय साक्षरता का मतलब है पैसे का समझदारी से उपयोग करना, जरूरी चीजों पर खर्च करना, भविष्य के लिए बचत करना और कोई भी चीज खरीदने से पहले सोच-समझकर निर्णय लेना। ये सरल आदतें हमें जिम्मेदार व्यक्ति और भविष्य में बेहतर उद्यमी बनने में मदद करती हैं।

अवधारणा

(NCERT "Financial Education" कक्षा 6–10 और RBI Financial Literacy Framework पर आधारित)

- **जरूरतें (Needs)** वे बुनियादी चीजें हैं जो जीवन जीने और दैनिक कार्यों के लिए आवश्यक होती हैं।
- **उदाहरण:** भोजन, पानी, घर, दवाइयाँ, स्कूल की सामग्री, परिवहन।
- NCERT के अनुसार, इन खर्चों को प्राथमिकता देना जरूरी होता है।
- **इच्छाएँ (Wants)** वे चीजें होती हैं जिन्हें हम आराम, खुशी या बेहतर जीवन शैली के लिए पाने की आकांक्षा रखते हैं।
- **उदाहरण:** ब्रांडेड जूते, वीडियो गेम, आकर्षक स्टेशनरी, गैजेट्स, छुट्टियों की यात्रा।
- OECD की वित्तीय साक्षरता गाइडलाइन के अनुसार, इच्छाओं को नियंत्रित करना जरूरी है क्योंकि इससे अधिक खर्च (Overspending) हो सकता है।
- यह अंतर समझना क्यों महत्वपूर्ण है? (Why the difference matters?)
- RBI और NCERT दोनों के अनुसार, जरूरत और इच्छा के बीच अंतर समझने से व्यक्ति को सही आर्थिक निर्णय लेने में मदद मिलती है।

आवेग में आकर खर्च (Impulsive spending) करने से बचना
पैसे की बचत करना
बजट (Budget) की योजना बनाना
जिम्मेदारी से आर्थिक निर्णय लेना
व्यवसाय को अधिक कुशलता (Efficiently) से चलाना

- सफल उद्यमी अपने व्यवसाय में सबसे पहले जरूरतों (Needs) को प्राथमिकता देते हैं, जैसे कच्चा माल (Raw materials), उपकरण (Tools) और ग्राहकों की आवश्यकताएँ (Customer requirements)। वे सजावट (Decoration), ब्रांडिंग में सुधार (Branding upgrades) या विस्तार (Expansion) जैसी इच्छाओं (Wants) पर पैसा खर्च करने से पहले जरूरी चीजों पर ध्यान देते हैं।

साप्ताहिक कार्य

- भविष्य में आप जो एक चीज खरीदने की इच्छा रखते हैं उसके बारे में सोचें (जैसे: साइकिल, किताबें, हेडफोन, जूते या कोई छोटा गैजेट)।
- लिखें कि आप यह चीज क्यों खरीदना चाहते हैं और यह आपके लिए कैसे उपयोगी होगी।
- अनुमान लगाएं कि इस चीज की कीमत कितनी हो सकती है (लगभग राशि लिखें)।
- लिखें कि आप इस चीज के लिए पैसे कैसे बचा सकते हैं (जैसे: पॉकेट मनी बचाना, नाश्ते पर खर्च कम करना, घर में मदद करके पैसे कमाना, त्योहार पर मिले पैसे बचाना)।
- तय करें कि इस चीज के लिए पैसे बचाने में आपको कितना समय लग सकता है (सप्ताह या महीने)।
- इस वाक्य को 3–4 पंक्तियों में पूरा करें:
- "भविष्य के खर्च की योजना बनाने के बारे में मैंने एक बात सीखी है कि..."

अध्याय **09**

मूलभूत कानूनी सिद्धांत

B3K2V3

कालांश: 3

पिछला सारांश

पिछले अध्याय में हमने यह सीखा कि आवश्यकताएँ , इच्छाएँ और आकांक्षाओं बीच के अंतर को समझकर हम किस प्रकार समझदारी से धन संबंधी निर्णय ले सकते हैं। हमने यह भी जाना कि अपने खर्चों की योजना बनाना, बचत करना तथा पुनर्निवेश करना—जैसा कि प्रिया ने अपने मोमबत्ती व्यवसाय में किया—हमें धन का विवेकपूर्ण प्रबंधन करना सिखाता है। गतिविधियों और चर्चाओं के माध्यम से हमने समझा कि वित्तीय साक्षरता केवल धन अर्जित करने तक सीमित नहीं है बल्कि उसे सोच-समझकर उपयोग करने, अनावश्यक व्यय से बचने और अपने लक्ष्यों के अनुरूप निर्णय लेने से संबंधित है। ये आदतें हमें जिम्मेदार नागरिक और भावी उद्यमी (Entrepreneurs) बनने के लिए तैयार करती हैं।

परिचय

धन हमारे दैनिक जीवन और प्रत्येक व्यवसाय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। परंतु धन का सही उपयोग करने के लिए यह समझना आवश्यक है कि जरूरत (Need) और इच्छा (Want) में क्या अंतर है। जरूरत (Needs) वे वस्तुएँ या सेवाएँ हैं जिनके बिना हमारा जीवन कठिन हो जाता है, जैसे—भोजन, वस्त्र, कॉपियाँ या औषधियाँ। इच्छाएँ (Wants) वे अतिरिक्त वस्तुएँ हैं जिन्हें हम पसंद करते हैं, जैसे—आकर्षक जूते, गेमिंग उपकरण या नवीनतम गैजेट्स। दोनों जीवन का हिस्सा हैं, परंतु जरूरतों को प्राथमिकता (Priority) देना हमें बेहतर निर्णय लेने में सहायता करता है। इस अध्याय में हम यह समझेंगे कि जरूरतों और इच्छाओं का ज्ञान न केवल हमारे व्यक्तिगत जीवन में बल्कि व्यवसाय में भी अत्यंत उपयोगी है। उद्यमियों को यह निर्णय लेना होता है कि धन कहाँ व्यय करना है, कितना बचाना है और किसमें निवेश (Investment) करना है ताकि उनका व्यवसाय विकसित हो सके। यदि वे इच्छाओं को जरूरतों के समान समझ लेते हैं तो वे धन की बर्बादी कर सकते हैं और हानि (Loss) का सामना कर सकते हैं। परंतु जब वे पहले जरूरतों पर ध्यान केंद्रित करते हैं तो वे अधिक सशक्त और सफल व्यवसाय का निर्माण करते हैं।

अधिगम प्रतिफल

- समझ सकेंगे कि ईमानदारी निष्पक्षता और मौलिकता व्यवसाय में क्यों आवश्यक हैं।
- जान सकेंगे कि प्रत्येक व्यवसाय के लिए नियमों का पालन करना क्यों अनिवार्य है।
- मौलिक ब्रांड और नकल किए गए ब्रांड के बीच अंतर पहचान सकेंगे तथा यह समझ सकेंगे कि नकल करना अवैध और हानिकारक क्यों है।
- बौद्धिक संपदा (Intellectual Property - IP) जैसे ब्रांड नाम (Brand Name), लोगो (Logo) और डिज़ाइन (Design) के महत्व का विश्लेषण कर सकेंगे तथा यह जान सकेंगे कि उनकी सुरक्षा विश्वास (Trust) का निर्माण कैसे करती है।
- यह समझ सकेंगे कि कानूनी और नैतिक प्रक्रियाओं का पालन करने से व्यवसाय किस प्रकार विश्वास अर्जित करता है, समस्याओं से बचता है और दीर्घकालीन सफलता प्राप्त करता है।

गतिविधि 1 मौलिक या नकल? (Original or Copy?)

उद्देश्य

- प्रत्येक व्यवसाय के लिए अपना मौलिक नाम (Original Name), लोगो (Logo) और पहचान (Identity) होना, क्यों आवश्यक है?
- यह समझ विकसित करना कि किसी अन्य ब्रांड की नकल करना अनुचित (Unfair) है, ग्राहकों को भ्रमित करता है और अवैध (Illegal) है।

निर्देश

- समान दिखने वाले ब्रांड नामों की जोड़ियों को ध्यान से देखें, (जैसे:Coca-Cola बनाम Koka-Kola Pepsi बनाम Papsi ,Amul बनाम Amool) पहचानिए कि इनमें से वास्तविक ब्रांड कौन-सा है।
- रंग (Colour), अक्षर शैली (Font), लोगो (Logo) और वर्तनी (Spelling) में अंतर को ध्यानपूर्वक देखें।
- चर्चा कीजिए कि नकल किया गया ब्रांड ग्राहकों के लिए किस प्रकार भ्रम उत्पन्न कर सकता है।
- बाज़ार में देखे गए नकली या डुप्लीकेट उत्पादों (जैसे जूते, चिप्स, खिलौने, स्टेशनरी आदि) के उदाहरणों पर विचार कीजिए।
- **इन सरल विचारों को पढ़ें:**

शब्द	अर्थ	क्या यह अनुमति है?
नकल (Copying)	किसी के विचारों या शैली को अपनाना	कभी-कभी (संदर्भ पर निर्भर
साहित्यिक चोरी (Plagiarism)	किसी अन्य के विचारों को अपना बताना	नहीं
उल्लंघन (Infringement)	संरक्षित कार्य का बिना अनुमति उपयोग	नहीं (अवैध)

चिंतन प्रश्न

प्र.1. आपको क्यों लगता है कि असली ब्रांड अपने नाम और लोगो(logos) की सुरक्षा करना चाहते हैं?

....

प्र.2. अगर किसी ने आपका विचार या डिज़ाइन कॉपी कर लिया तो आपको कैसा महसूस होगा?

....

प्र.3. प्रत्येक व्यवसाय, बड़ा हो या छोटा, अपनी खुद की पहचान क्यों होना महत्वपूर्ण है?

....

ज्ञान वर्धक

- जब हम अपना स्वयं का नाम और लोगो बनाते हैं तो हम विश्वास अर्जित करते हैं और ईमानदारी प्रदर्शित करते हैं। मौलिकता ही नैतिक व्यवसाय करने की आधारशिला है।
- इस विचार को और बेहतर समझने के लिए अब हम एक कक्षा-आधारित वास्तविक कहानी पर दृष्टि डालेंगे जो यह दर्शाती है कि जब किसी व्यावसायिक विचार की नकल की जाती है तो क्या परिणाम होते हैं और कैसे ईमानदारी तथा मौलिकता अंततः सफलता दिलाती है।

साप्ताहिक कार्य

- अपने दैनिक जीवन में रचनात्मक कार्यों (जैसे पोस्टर, मोबाइल ऐप, गाने, वीडियो, या डिज़ाइन) के उदाहरण खोजें और बताएं कि इस मूल कार्य की सुरक्षा करना नैतिक और आवश्यक क्यों है।
- यह भी उल्लेख करें कि रचनात्मक कार्य की सुरक्षा करना निर्माता के प्रयास और विचारों का सम्मान करता है और समाज में नवाचार और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करता है। यह आपको यह समझने में मदद करेगा कि कॉपीराइट कानून उचित उपयोग और मौलिकता के लिए क्यों महत्वपूर्ण हैं।

केस स्टोरी 1 — कहानी चर्चा - रितिका के हस्तनिर्मित बैग

उद्देश्य

- यह समझना कि व्यवसाय में निष्पक्षता मौलिकता और नैतिक आचरण क्यों आवश्यक हैं।
- यह पहचानना कि किसी के कार्य की नकल करना विश्वास सृजनात्मकता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को कैसे प्रभावित करता है।

निर्देश

- रितिका के हस्तनिर्मित बैग" की कहानी को ध्यानपूर्वक और शांतिपूर्वक पढ़िए।
- निम्न भागों को रेखांकित (Underline) कीजिए:
  - मौलिक विचार और ब्रांड नाम
  - नकल से उत्पन्न समस्या
  - अंतिम समाधान

रितिका, कक्षा 9 की एक उत्साही छात्रा, जिसे कला और डिज़ाइन का विशेष शौक था, बहुत प्रसन्न हुई ,जब उसके विद्यालय में "बिज़नेस मेला " आयोजित करने की घोषणा हुई। उसने और उसकी सहेलियों ने कुछ उपयोगी और पर्यावरण-अनुकूल बनाने का निर्णय लिया। विचार-मंथन के बाद उन्होंने पुराने समाचार पत्रों से हस्तनिर्मित कागज़ के बैग बनाने का निश्चय किया। उन्होंने बैगों को पुष्प आकृतियों, प्राकृतिक रंगों और जूट के हैंडल से सजाया। अपने ब्रांड का नाम उन्होंने "EcoEase" रखा, जिसका अर्थ है—पर्यावरण के अनुकूल और उपयोग में आसान। कई दिनों तक विद्यालय के बाद वे डिज़ाइन बनाती रहीं, हरे पत्ते का लोगो (Logo) छापती रहीं और अपना स्लोगन सावधानीपूर्वक लिखती रहीं: "Reuse Today, Save Tomorrow." उनका स्टॉल तुरंत लोकप्रिय हो गया। शिक्षार्थी और शिक्षकों ने उनकी मौलिकता और सृजनात्मकता की सराहना की। परंतु अगले दिन एक अप्रत्याशित घटना घटी। रितिका ने देखा कि एक अन्य समूह लगभग समान बैग बेच रहा था—डिज़ाइन, रंग और यहाँ तक कि वही ब्रांड नाम "EcoEase" भी। उनके बैग कम मूल्य पर थे, जिससे ग्राहक उस नकल किए गए स्टॉल की ओर आकर्षित होने लगे। रितिका और उसकी टीम निराश और दुखी हो गई। जब प्रभारी शिक्षिका सुश्री शर्मा को इस घटना की जानकारी मिली तो उन्होंने दूसरे समूह को समझाया कि किसी अन्य के नाम, डिज़ाइन या विचार की बिना अनुमति नकल करना अनुचित और अनैतिक है। उन्होंने दोनों समूहों को अपने स्टॉल को पुनः डिज़ाइन करने और अलग-अलग, विशिष्ट (Unique) नाम चुनने की सलाह दी। रितिका की टीम ने सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखा और अपने बैगों में एक नया सृजनात्मक परिवर्तन जोड़ा —उन्होंने पर्यावरण से संबंधित प्रेरणादायक संदेश छापने शुरू किए। ग्राहकों ने उनकी ईमानदारी और परिश्रम की प्रशंसा की। मेले के अंत तक रितिका की टीम ने अपने सभी बैग बेच दिए। इस अनुभव से उन्होंने सीखा कि वास्तविक सफलता ईमानदारी (Integrity), मौलिकता (Originality) और दूसरों के अधिकारों के सम्मान पर आधारित होती है।

चिंतन प्रश्न

प्र.1. रितिका का मूल (Original) व्यावसायिक विचार क्या था?

....

प्र.2. किसी अन्य के डिज़ाइन या व्यावसायिक विचार की नकल क्यों नहीं करनी चाहिए?

....

प्र.3. दूसरे समूह की गतिविधियों का रितिका की टीम पर क्या प्रभाव पड़ा?

....

प्र.4. नकल करने के स्थान पर दूसरे समूह को क्या करना चाहिए था?

....

प्र.5. यह कहानी हमें ईमानदारी (Honesty) और मौलिकता (Originality) के बारे में क्या शिक्षा देती है?

....

ज्ञान वर्धक

- मौलिक विचार किसी व्यवसाय को बाज़ार (Market) में अलग पहचान दिलाते हैं और ग्राहकों का विश्वास अर्जित करने में सहायक होते हैं। दूसरों के कार्य का सम्मान , नैतिक आचरण) को प्रोत्साहित करता है और सकारात्मक प्रतिष्ठा का निर्माण करता है। मौलिक डिज़ाइन और विचार हमें नकल या दुरुपयोग से संबंधित कानूनी समस्याओं (Legal Issues) से सुरक्षित रखते हैं।
- नवाचार (Innovation) तब विकसित होता है जब हम स्वतंत्र रूप से सोचते हैं और समस्याओं का समाधान नए तरीकों से करते हैं। निष्पक्ष व्यवहार (Fair Practices) दीर्घकालीन ग्राहकों, साझेदारों और समर्थकों को आकर्षित करता है।
- स्वयं कुछ सृजित करने से आत्मविश्वास (Confidence) और गर्व (Pride) की भावना उत्पन्न होती है।
- नैतिक और मौलिक व्यवसाय समाज में सकारात्मक योगदान देते हैं तथा दूसरों को भी प्रेरित करते हैं।

साप्ताहिक कार्य

- अपने पड़ोस, बाज़ार, विद्यालय या घर के आसपास एक अवलोकन भ्रमण (Observation Walk) कीजिए और किसी भी तीन अलग-अलग लोगो (Logo) या प्रतीकों (Symbols) की पहचान कीजिए, जो व्यवसायों या उत्पादों द्वारा उपयोग किए जाते हैं।
- प्रत्येक लोगो या प्रतीक के लिए लिखिए:
  - ब्रांड का नाम लिखें तथा बताएँ कि आपने उसे कहाँ देखा।
  - यह बताइए कि ट्रेडमार्क (Trademark)
  - उस ब्रांड की पहचान (Brand Identity) की सुरक्षा कैसे करता है।
- यह समझाइए कि ट्रेडमार्क ग्राहकों को वास्तविक (Genuine) उत्पाद पहचानने में कैसे सहायता करता है।

गतिविधि 2 अपना स्वयं का ब्रांड बनाइए

उद्देश्य

- ब्रांड पहचान (Brand Identity) के निर्माण में मौलिकता (Originality) के महत्व को समझना।
- सृजनात्मकता (Creativity), नैतिक चिंतन (Ethical Thinking) और आत्मविश्वास (Confidence) को प्रोत्साहित करना।

निर्देश

- 4–5 शिक्षार्थियों के छोटे समूह बैठें ।
- प्रत्येक समूह एक सरल व्यवसायिक विचार की कल्पना करे, जैसे—नाश्ते का स्टॉल (Snack Stall), हस्तनिर्मित साबुन (Handmade Soaps), पर्यावरण-अनुकूल बैग (Eco-friendly Bags), बुकमार्क (Bookmarks), मोमबत्तियाँ (Candles)
- प्रत्येक समूह को चार्ट पेपर या A4 शीट, स्केच पेन, क्रेयॉन और मार्कर दिए जाएँ।
- समूह निम्न तैयार करेंगे:
  - एक विशिष्ट ब्रांड नाम (Unique Brand Name)
  - एक मौलिक लोगो (Original Logo)
  - (वैकल्पिक) एक छोटा नारा (Slogan)
- ध्यान रखें (Remember) "आपका ब्रांड पूर्णतः मौलिक होना चाहिए। किसी मौजूदा ब्रांड के नाम, लोगो, रंग या वर्तनी की नकल न करें।"
- सोचिए कि आपका विचार अन्य से कैसे अलग और विशेष है।
- आपको अपना ब्रांड पोस्टर तैयार करने के लिए 7–10 मिनट दिए जाएँगे।
- इसके बाद प्रत्येक समूह कक्षा के सामने अपने ब्रांड का नाम, लोगो और व्यवसायिक विचार प्रस्तुत करेगा।

चिंतन प्रश्न

प्र.1. आपका ब्रांड अन्य ब्रांडों की तुलना में किस प्रकार विशिष्ट (Unique) है?

....

....

प्र.2. किसी व्यवसाय के लिए अपने नाम और लोगो की सुरक्षा (Protection) करना क्यों आवश्यक है?

....

....

प्र.3. यदि कोई अन्य ब्रांड की नकल करता है, तो उसका विश्वास (Trust) और प्रतिष्ठा (Reputation) पर क्या प्रभाव पड़ सकता है?

....

....

ज्ञान वर्धक

- मौलिक ब्रांड (Original Brands) ग्राहकों की निष्ठा (Loyalty) अर्जित करते हैं क्योंकि वे कुछ विशिष्ट (Unique) प्रदान करते हैं। सृजनात्मकता (Creativity), ईमानदारी (Honesty) और मौलिकता (Originality) उद्यमियों (Entrepreneurs) को भीड़भाड़ वाले बाज़ार (Market) में अलग पहचान दिलाती हैं।
- मौलिक ब्रांड विश्वास (Trust) का निर्माण करते हैं क्योंकि ग्राहक जानते हैं कि उत्पाद या विचार वास्तविक (Genuine) है। सृजनात्मक सोच उद्यमियों को समस्याओं का समाधान नए तरीकों से करने में सहायता करती है, केवल नकल करने में नहीं।
- ईमानदार और मौलिक कार्य एक सशक्त ब्रांड पहचान (Strong Brand Identity) का निर्माण करता है जिसे लोग आसानी से याद रखते हैं। जब विचार विशिष्ट होते हैं तो प्रतिस्पर्धा (Competition) अधिक स्वस्थ और निष्पक्ष (Fair) बनती है। मौलिक चिंतन नवाचार (Innovation) को बढ़ावा देता है, जिससे बाज़ार और समाज दोनों का विकास होता है।

गतिविधि 3 विद्यालय मेले में नाश्ते की बिक्री

उद्देश्य

- यह समझना कि किसी भी व्यवसायिक गतिविधि को प्रारंभ करने से पहले अनुमति (Permission), नियम (Rules) और सुरक्षा जाँच (Safety Checks) क्यों आवश्यक हैं।
- यह विश्लेषण करना कि निर्धारित प्रक्रियाओं (Procedures) का पालन करने से व्यवसाय में निष्पक्षता (Fairness), विश्वास (Trust) और उत्तरदायित्व (Responsibility) कैसे विकसित होता है।

निर्देश

- कल्पना कीजिए कि यदि आपको कल विद्यालय मेले में नाश्ते की बिक्री करनी हो, तो आपको पहले कौन-कौन से कदम उठाने होंगे?
- शिक्षार्थियों को चार समूहों में विभाजित कीजिए। प्रत्येक समूह की एक भूमिका होगी:
  - समूह 1: शिक्षार्थी उद्यमी – जो नाश्ता बेचेंगे।
  - समूह 2: विद्यालय प्रबंधन – प्रधानाचार्य/शिक्षक, जो अनुमति देंगे।
  - समूह 3: अभिभावक/समुदाय – जो सुरक्षा और स्वच्छता को लेकर चिंतित हैं।
  - समूह 4: आगंतुक/ग्राहक – जो यह निर्णय लेंगे कि उन्हें खरीदारी करनी है या नहीं।
- प्रत्येक समूह को 5 मिनट की तैयारी का समय दिया जाएगा। उन्हें 2 मिनट का एक लघु भूमिका-अभिनय (Role-play) प्रस्तुत करना है, जिसमें निम्न बिंदु सम्मिलित हों:
  - अनुमति का अनुरोध (Requesting Permission)
  - नियमों की जाँच (स्वच्छता, सुरक्षा, निष्पक्षता, स्थान आवंटन)
  - अभिभावकों/ग्राहकों की प्रतिक्रिया (सुरक्षा एवं स्वच्छता के आधार पर)
- निर्णय लेना यह निर्णय कि नियमों का पालन किया गया या नहीं
- इसके बाद सभी समूह कक्षा के सामने अपना भूमिका-अभिनय प्रस्तुत करेंगे।

चिंतन प्रश्न

प्र.1. आपके भूमिका-अभिनय में अनुमति किसने दी और उसकी आवश्यकता क्यों थी?

....

प्र.2. यदि शिक्षार्थी बिना किसी अनुमति या नियमों के बिक्री प्रारंभ कर दें तो कौन-कौन सी समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं?

....

प्र.3. नियम (Rules) विद्यालय मेले को अधिक सुरक्षित (Safer), निष्पक्ष (Fairer) और सुव्यवस्थित (Better Organised) बनाने में कैसे सहायता करते हैं?

Q.4 सही प्रक्रिया (Proper Process) का पालन करना ईमानदारी (Honesty) और उत्तरदायित्व (Responsibility) को कैसे प्रदर्शित करता है?

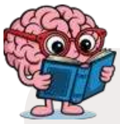

ज्ञान वर्धक

- प्रत्येक व्यवसायिक गतिविधि, चाहे वह छोटी ही क्यों न हो, सभी की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए अनुमति की आवश्यकता होती है।
- नियम असुरक्षित भोजन, भीड़भाड़ या अनुचित प्रतिस्पर्धा (Unfair Competition) जैसी समस्याओं को रोकने में सहायता करते हैं।
- निर्धारित प्रक्रियाओं (Procedures) का पालन करने से शिक्षार्थियों , शिक्षकों, अभिभावकों और ग्राहकों के बीच विश्वास (Trust) का निर्माण होता है।
- सुरक्षा और स्वच्छता जाँच लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा करती हैं और दूसरों के प्रति संवेदनशीलता दर्शाती हैं।
- अनुमति यह सुनिश्चित करती है कि स्थान , समय और सामग्री जैसे संसाधनों का समान और न्यायसंगत उपयोग हो।
- नियमों का पालन करने वाले उद्यमी ईमानदारी, अनुशासन और जिम्मेदारी का परिचय देते हैं।अच्छे व्यवसाय केवल लाभ पर केंद्रित नहीं होते बल्कि वे लोगों, नियमों और समुदाय का सम्मान करते हैं ।

साप्ताहिक कार्य

- कल्पना कीजिए कि भविष्य में आपका अपना व्यवसाय है। आपको अपने कर्मचारियों (Employees) के लिए एक निष्पक्षता समझौता (Fairness Agreement) तैयार करना है, जिसमें स्पष्ट नियम और नीतियाँ हों।
- आपके समझौते में निम्न बिंदु अवश्य शामिल हों: कार्यस्थल सुरक्षा (Workplace Safety), सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करना। यदि कोई समस्या उत्पन्न हो तो कर्मचारियों को अपनी बात रखने का अवसर देना।यह कार्य आपको यह समझने में सहायता करेगा कि एक सफल और जिम्मेदार व्यवसाय चलाने के लिए केवल लाभ कमाना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि श्रम कानूनों (Labour Laws) और नैतिक मूल्यों का पालन करना भी उतना ही आवश्यक है।

केस स्टोरी 2 अर्जुन और रवि का चाट स्टॉल

उद्देश्य

- यह समझना कि व्यवसाय चलाते समय अनुमति, स्वच्छता और निष्पक्षता क्यों महत्वपूर्ण हैं।
- यह जानना कि त्वरित सफलता के लिए अपनाए गए शॉर्टकट (Shortcuts) भविष्य में हानि पहुँचा सकते हैं। यह विश्लेषण करना कि दीर्घकालीन विश्वास और प्रतिष्ठा नियमों के पालन से ही बनती है।

निर्देश

- अर्जुन और रवि के चाट स्टॉल की कहानी को ध्यानपूर्वक पढ़िए।

कक्षा 9 के दो मित्र, अर्जुन और रवि, ने विद्यालय के पास चाट का स्टॉल लगाने का निर्णय लिया। वे उत्साहित थे कि वे धन अर्जित करेंगे और अपने सहपाठियों को स्वादिष्ट नाश्ता परोसेंगे। यद्यपि उनका विचार समान था परंतु उन्होंने अलग-अलग रास्ते चुने।

अर्जुन ने पहले स्थानीय नगर निगम (Municipal Authority) से संपर्क किया और अपने स्टॉल के लिए उचित अनुमति प्राप्त की। उसने अपने स्टॉल का नाम "Chatpata Junction" रखा। वह अपने स्टॉल को साफ और व्यवस्थित रखता था, हमेशा दस्ताने पहनता था, भोजन को ढके हुए पात्र में रखता था, बर्तनों को नियमित रूप से धोता था और पास में कूड़ादान रखता था। उसके लिए स्वच्छता, सुरक्षा और नियमों का पालन अत्यंत महत्वपूर्ण था।

दूसरी ओर, रवि ने कोई अनुमति नहीं ली। उसने विद्यालय के मुख्य द्वार के ठीक बाहर अपना स्टॉल लगा लिया ताकि अधिक विद्यार्थी उसे देख सकें। उसका भोजन खुला रहता था, पात्र ढके नहीं होते थे और पास में कोई कूड़ादान भी नहीं था। उसके दाम थोड़े कम थे इसलिए प्रारंभ में अधिक शिक्षार्थी उससे खरीदारी करने लगे। रवि ने अर्जुन का मज़ाक उड़ाते हुए उसे "बहुत धीमा" और "बहुत नियम मानने वाला" कहा। कुछ दिनों तक रवि ने अधिक धन कमाया और अपनी त्वरित सफलता पर गर्व महसूस किया। अर्जुन शांतिपूर्वक अपने स्टॉल को स्वच्छ, सुरक्षित और जिम्मेदारी के साथ चलाता रहा।

एक सप्ताह बाद समस्या उत्पन्न हुई। रवि के स्टॉल से चाट खाने के बाद एक शिक्षार्थी बीमार पड़ गया। शिकायतें विद्यालय प्रशासन और स्थानीय स्वास्थ्य विभाग तक पहुँचीं। निरीक्षण (Inspection) के दौरान अधिकारियों ने पाया कि रवि का स्टॉल अस्वच्छ, असुरक्षित और बिना अनुमति के चल रहा था। उसका स्टॉल तुरंत बंद कर दिया गया और उसकी सारी कमाई नष्ट हो गई। रवि को बहुत पछतावा हुआ।

उधर अर्जुन को शिक्षकों, अभिभावकों और शिक्षार्थियों से सराहना मिली। उसकी स्वच्छ और सुरक्षित कार्यप्रणाली ने विश्वास का निर्माण किया। अधिक ग्राहक उसके पास आने लगे। नियमित बचत के साथ उसने अपना स्टॉल बढ़ाया, एक अतिरिक्त मेज लगाई और अपने छोटे भाई की सहायता भी ली। उसका व्यवसाय धीरे-धीरे परंतु मज़बूती से विकसित हुआ—ईमानदारी और नियमों की नींव पर।

बाद में रवि ने अपनी गलती स्वीकार की। अर्जुन के शब्द उसके मन में रह गए:

"नियम हमें रोकने के लिए नहीं, बल्कि हमारी रक्षा के लिए बनाए जाते हैं। एक अच्छा व्यवसाय केवल लाभ पर नहीं बल्कि विश्वास पर आधारित होता है।"

चिंतन प्रश्न

प्र.1. अर्जुन की ईमानदारी और स्वच्छता ने उसके व्यवसाय को बढ़ाने में कैसे सहायता की?

....

....

प्र.2. क्या कोई व्यवसाय बिना नियमों का पालन किए सफल हो सकता है? क्यों या क्यों नहीं?

....

....

प्र.3. यह कहानी निष्पक्षता (Fairness) और उत्तरदायित्व (Responsibility) के बारे में क्या शिक्षा देती है?

....

ज्ञान वर्धक

- नियम (Rules), अनुमति (Permission) और स्वच्छता (Hygiene) बाधाएँ नहीं, बल्कि सुरक्षा के साधन हैं। रवि ने प्रारंभ में शीघ्र धन अर्जित किया, परंतु उसने सुरक्षा और निष्पक्षता की अनदेखी की, जिसके कारण उसका पूरा स्टॉल बंद कर दिया गया। अर्जुन ने धैर्य (Patience), ईमानदारी (Honesty) और उत्तरदायित्व का परिचय दिया।
- उसने नियमों का पालन किया, भोजन को स्वच्छ रखा और अभिभावकों, शिक्षकों तथा शिक्षार्थियों का विश्वास अर्जित किया। यही विश्वास उसके व्यवसाय की स्थिर और निरंतर वृद्धि (Steady Growth) का आधार बना।
- प्रत्येक उद्यमी को यह समझना चाहिए कि वास्तविक सफलता जिम्मेदारी, सुरक्षा और नैतिकता (Integrity) के साथ व्यवसाय करने में निहित है। अब हम अगली गतिविधि की ओर बढ़ेंगे जहाँ आप इन विचारों को एक व्यावहारिक परिस्थिति में लागू करेंगे।

हमने क्या सीखा!

- इस अध्याय में, हमने सीखा कि ईमानदारी, मौलिकता, निष्पक्षता और नियमों का पालन करना व्यावसायिकता की नींव हैं।
- हमने यह भी जाना कि जब हम अपने स्वयं के विचार बनाते हैं, दूसरों के काम का सम्मान करते हैं और महत्वपूर्ण सुरक्षा तथा अनुमतियों के नियमों का पालन करते हैं तो लोग हम पर भरोसा करना शुरू कर देते हैं और यही भरोसा किसी भी व्यवसाय को मजबूत बनाता है।
- हमने यह भी सीखा कि किसी और का नाम, लोगो या विचार कॉपी करना छोटा लग सकता है, लेकिन यह वास्तव में अनुचित, बेईमान और यहां तक कि अवैध है।
- इस अध्याय ने हमें सिखाया कि रचनात्मकता और निष्पक्षता हमारे विचारों को मजबूत बनाती है और हमें एक सकारात्मक प्रतिष्ठा बनाने में मदद करती है।

अवधारणा

- विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (World Intellectual Property Organization – WIPO), के अनुसार, बौद्धिक संपदा (Intellectual Property – IP) सृजनकर्ताओं को उनकी रचनाओं पर "सीमित समय के लिए विशेष अधिकार (Exclusive Rights for a Limited Time)" प्रदान करती है जिसमें नाम (Names), लोगो (Logos) और डिज़ाइन (Designs) सम्मिलित होते हैं। बौद्धिक संपदा कानून (IP Law) का सम्मान करके उद्यमी अपनी मौलिकता (Originality) की रक्षा करते हैं और नकल (Copying) को रोकते हैं।
- नैतिक व्यवसाय ढाँचा (Ethical Business Framework): OECD द्वारा जारी बहुराष्ट्रीय उद्यमों के लिए दिशानिर्देश (OECD Guidelines for Multinational Enterprises) इस बात पर बल देते हैं

कि कंपनियों को "ईमानदारी (Integrity), निष्पक्षता (Fairness) और जवाबदेही (Accountability)" के साथ कार्य करना चाहिए। कानूनी नियमों (Legal Rules) और नैतिक मानकों (Ethical Norms) का पालन करने से व्यवसाय:विश्वास (Trust) अर्जित करते हैं, जिम्मेदारी से संचालित होते हैं, जोखिमों (Risks) से बचते हैं और दीर्घकालीन, सशक्त उद्यम (Long-lasting Venture) की नींव स्थापित करते हैं।

साप्ताहिक कार्य

- अपने निकट स्थित किसी बाज़ार (Market) में जाएँ।
- किसी दुकान (Shop) के बाहर लगे बोर्ड या उत्पादों (Products) पर लिखे ब्रांड नामों को ध्यान से देखें।
- यह निर्णय करें कि ब्रांड नाम मौलिक (Original) है या नकल किया हुआ (Copied)।
- अपने अवलोकन को निम्न तालिका (Table) के प्रारूप में लिखें:
  - वस्तु (item)
  - ब्रांड नाम (Brand Name)
  - मौलिक या नकल (Original/Copied)
- आपको ऐसा क्यों लगा? (Reason)
- अपनी रिपोर्ट अगली कक्षा में प्रस्तुत करें।

शब्दावली

ज़िम्मेदारी: अपनी ज़िम्मेदारी समझना और उसे निभाना

ध्यान से सुनना: सामने वाले की बात को ध्यान से सुनना और समझना

बदलाव के साथ ढलना: समय और हालात के हिसाब से खुद को ढाल लेना

संपत्ति: कोई भी कीमती चीज़ जो आपके पास है

व्यवहार का तरीका: किसी स्थिति में आपके व्यवहार करने का तरीका

बजट/खर्च की योजना: अपने पैसों के इस्तेमाल की एक योजना (प्लान)

सहयोग: किसी काम को पूरा करने के लिए मिल-जुलकर साथ देना

संचार: अपनी बात और जानकारी को साफ़ तौर पर दूसरों तक पहुँचाना

समुदाय: साथ रहने या काम करने वाले लोगों का समूह

अनुपालन: नियमों और कानूनों का पालन करना

आत्मविश्वास: खुद पर और अपनी काबिलियत पर भरोसा रखना

समन्वय: टीम के साथ मिलकर काम को सही ढंग से व्यवस्थित करना

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर): समाज और पर्यावरण की मदद के लिए बिज़नेस की ज़िम्मेदारी

रचनात्मकता: नए और अलग तरीके से सोचने की क्षमता

महत्वपूर्ण सोच: किसी भी फैसले को लेने से पहले गहराई से सोचना

जिज्ञासा: नई चीज़ें सीखने की इच्छा और सवाल पूछना

परिभाषा: समस्या को साफ़ तौर पर समझना और समझाना

डिज़ाइन थिंकिंग: किसी समस्या का हल नए और अनोखे तरीके से ढूँढना

डिजिटल फुटप्रिंट: इंटरनेट पर आपकी छोड़ी हुई जानकारी (जैसे आपकी पोस्ट या कमेंट)

डिजिटल साक्षरता: कंप्यूटर, मोबाइल और इंटरनेट को सही और सुरक्षित ढंग से इस्तेमाल करना सीखना

ज़िम्मेदारी: अपनी ज़िम्मेदारी समझना और उसे निभाना

ध्यान से सुनना: सामने वाले की बात को ध्यान से सुनना और समझना

अनुशासन: खुद पर काबू रखना और अपने काम पर ध्यान देना (अनुशासन)

ईमेल संचार: ईमेल के ज़रिए अपनी बात या मैसेज दूसरों तक पहुँचाना

सहानुभूति: दूसरों की भावनाओं को समझना और उनकी परवाह करना

समानुभूति: यह समझने की कोशिश करना कि दूसरा व्यक्ति कैसा महसूस कर रहा है

मीडिया साक्षरता: इंटरनेट या खबरों को समझना और जाँच करना कि वे सच हैं या नहीं

मार्गदर्शक: एक अनुभवी व्यक्ति जो आपको सही सलाह दे और आपका मार्गदर्शन करे

मिशन: अपने लक्ष्य तक पहुँचने के लिए किए जाने वाले ज़रूरी काम

नेटवर्किंग: नए लोगों से मिलना और जुड़ना जो आपको आगे बढ़ने में मदद कर सकें

उद्यमी: एक ऐसा व्यक्ति जो किसी समस्या को सुलझाने के लिए अपना काम या बिज़नेस शुरू करता है

उद्यमी पारिस्थितिकी तंत्र: वे सभी लोग और संस्थाएँ जो नए बिज़नेस को आगे बढ़ने में मदद करते हैं

उद्यमी मानसिकता: ऐसी सोच रखना जो हमेशा नए मौकों और समस्याओं के हल की तलाश में रहे

उद्यमिता: अपना खुद का काम या बिज़नेस शुरू करने और उसे चलाने का तरीका

नैतिकता: जो सही और निष्पक्ष (Fair) है, वही काम करना (नैतिकता)

खर्च: वह पैसा जो आप किसी चीज़ को खरीदने या काम करने में खर्च करते हैं

निष्पक्ष व्यापार: सही और ईमानदारी के साथ चीज़ों को खरीदना और बेचना

व्यवहार्यता: यह देखना कि क्या कोई नया आइडिया असलियत में काम कर पाएगा या नहीं

प्रतिक्रिया: काम को और बेहतर बनाने के लिए दी गई सलाह या सुझाव

वित्तीय साक्षरता: पैसों के सही लेन-देन और बचत की समझ रखना

वित्तपोषण: किसी काम या प्रोजेक्ट को चलाने के लिए मिलने वाले पैसे

लक्ष्य निर्धारण: यह तय करना कि आप भविष्य में क्या हासिल करना चाहते हैं

सरकारी योजना: सरकार द्वारा लोगों की मदद के लिए शुरू की गई योजना

विकास क्षेत्र: वे चीज़ें या हुनर (skills) जिन्हें आपको और बेहतर बनाने की ज़रूरत है

आदत: कोई ऐसा काम जो आप रोज़ाना या नियम से करते हैं (आदत)

विचार निर्माण: बहुत सारे नए और अलग आइडिया या विचार सोचना

आय: वह पैसा जो आप काम करके कमाते हैं (आमदनी)

इनक्यूबेटर: एक ऐसी जगह जहाँ नए बिज़नेस को आगे बढ़ने में मदद मिलती है

पहल: बिना किसी के कहे खुद आगे बढ़कर किसी काम की शुरुआत करना

नवाचार: किसी काम को करने का एक नया और बेहतर तरीका

ईमानदारी: ईमानदारी बरतना और हमेशा सही काम करना

रुचि: बचत पर मिलने वाला या लोन पर दिया जाने वाला अतिरिक्त पैसा (ब्याज)

निवेश: भविष्य में ज़्यादा फायदे के लिए आज अपना पैसा या समय लगाना

पुनरावृति: किसी चीज़ को बार-बार दोहराकर उसे और बेहतर बनाना

नेतृत्व: दूसरों को रास्ता दिखाना और उन्हें अच्छे काम के लिए प्रेरित करना

देयता: वह पैसा या कर्ज़ जो आपको दूसरों को वापस चुकाना है

हानि: जब आपकी कमाई से ज़्यादा आपका खर्च हो जाए (नुकसान)

मूल्य प्रस्ताव: वह फायदा जो एक प्रोडक्ट अपने ग्राहकों को देता है

दृष्टि: भविष्य के लिए बनाया गया एक बड़ा लक्ष्य

साइबर सुरक्षा: इंटरनेट का सुरक्षित तरीके से इस्तेमाल करना

डेटा सुरक्षा: डिजिटल जानकारी को सुरक्षित रखना

NEEEV उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग: एक सीखने का प्रोग्राम जो बिज़नेस और जीवन जीने के हुनर सिखाता है

ऑनलाइन गोपनीयता: इंटरनेट पर अपनी निजी जानकारी को सुरक्षित रखना

अवसर पहचान: किसी ऐसी समस्या को पहचानना जिसका समाधान निकाला जा सके

व्यक्तिगत विकास: अपने आप को और अपने हुनर को बेहतर बनाना

समस्या-समाधान: चुनौतियों या मुश्किलों का हल ढूँढना

लाभ: सारे खर्चे घटाने के बाद बचा हुआ पैसा (मुनाफ़ा)

नमूना या मॉडल: किसी बड़े आइडिया का एक छोटा और सरल नमूना

चिंतन: आपने जो सीखा है, उसके बारे में गहराई से सोचना

हितधारक: किसी बिज़नेस या काम से जुड़े हुए सभी लोग

स्थिरता: संसाधनों का सोच-समझकर इस्तेमाल करना ताकि वे लंबे समय तक चलें

टीमवर्क: एक समूह या ग्रुप की तरह मिल-जुलकर काम करना

परीक्षण: किसी चीज़ को यह देखने के लिए आज़माना कि वह सही काम कर रही है या नहीं

पारदर्शिता: खुले मन से काम करना और पूरी तरह ईमानदार रहना

उपयोगकर्ता-केंद्रित: अपना पूरा ध्यान इस्तेमाल करने वाले की ज़रूरतों पर रखना

मूल्य सृजन: दूसरों के लिए कुछ उपयोगी या काम की चीज़ बनाना

संदर्भ

- अरोरा, ए., और पारिशा, एस. (2025). भारत के स्टार्टअप: तीस वर्ष से कम आयु के भारत के करोड़पति संस्थापकों की कहानियाँ।
- बनर्जी, ए. वी., और डुफ्लो, ई. (2024). बच्चों के लिए खराब अर्थशास्त्र।
- बंसल, आर. (2010). बिंदुओं को जोड़ें।
- क्लार्क, डी. (2016). अलीबाबा: जैक मा द्वारा निर्मित घर। हार्पर बिजनेस।
- अकादमिक, सामाजिक और भावनात्मक शिक्षा के लिए सहयोगात्मक संस्था। (दिनांक अनुत्तरित)। सामाजिक और भावनात्मक शिक्षा के लिए CASEL ढांचा। https://casel.org
- भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय। (2020). राष्ट्रीय शिक्षा
- नीति 2020। https://www.education.gov.in
- इसेनबर्ग, डी. जे. (2010). आर्थिक नीति के लिए एक नए प्रतिमान के रूप में उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र का परिचय रणनीति। हार्वर्ड बिजनेस रिव्यू।
- शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार। (2023)। राष्ट्रीय पाठ्यक्रम
- स्कूल शिक्षा के लिए ढांचा (NCF-SE) 2023। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (NCERT)।
- राष्ट्रीय वित्त ओलंपियाड (2024)। कक्षा 6-8 के लिए व्यक्तिगत वित्त पुस्तिका।
- आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (2015)।
- उद्यमिता शिक्षा: शिक्षकों के लिए एक मार्गदर्शिका। OECD प्रकाशन।
- आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (2018)। शिक्षा और कौशल का भविष्य 2030 ढांचा। OECD प्रकाशन।
- 21वीं सदी के कौशल के लिए साझेदारी (2019)। 21वीं सदी के लिए ढांचा।
- संयुक्त राष्ट्र (2015)। हमारी दुनिया को बदलना: सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा। https://sdgs.un.org/2030agenda
- यूनेस्को (2016)। 21वीं सदी के कौशल के लिए शिक्षा। यूनेस्को प्रकाशन।
- यूनेस्को (2019)। आजीवन सीखने के लिए प्रमुख योग्यताएँ। यूनेस्को प्रकाशन।
- विश्व आर्थिक मंच। (2020)। नौकरियों का भविष्य रिपोर्ट 2020। विश्व आर्थिक मंच।

अस्वीकरण

इस NEEEV (छात्र मैनुअल) में सभी कहानियाँ वास्तविक लोगों की घटनाओं से संबंधित हैं। कुछ मामलों में, समयरेखा या अन्य तत्व वास्तविक उद्यमियों के अनुभवों से थोड़े भिन्न हो सकते हैं। इन कहानियों और गतिविधियों का उद्देश्य उनके यात्रा के विशिष्ट पहलुओं को उजागर करना है, जिससे छात्र प्रेरित और उत्साहित हों। ये कहानियाँ केवल शैक्षिक उद्देश्यों के लिए चुनी गई हैं और किसी उद्यमी या उनके व्यवसाय का समर्थन या प्रचार नहीं समझी जानी चाहिए। राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (SCERT) किसी भी कानूनी मामले, उल्लंघन या विवादास्पद कार्य के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराई जा सकती। पाठ्यचर्या के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए, जानबूझकर सरल और संवादात्मक भाषा का प्रयोग किया गया है। पाठकों से अनुरोध है कि वे भाषा के मानक रूप से मेल खाने पर ध्यान न दें।

NEEEV – Multi-Peer Assessment Sheet / समूह मूल्यांकन तालिका

Entrepreneurship is a Journey / उद्यमिता एक यात्रा है

Name / नाम: ________________________________ Class / कक्षा: __________ Date / दिनांक: ___________

Rating Scale / रेटिंग पैमाना:

- **5 – Excellent (उत्कृष्ट):** Always contributes; a role model. / हमेशा योगदान देता है; एक आदर्श साथी।
- **4 – Very Good (बहुत अच्छा):** Consistent and highly engaged. / निरंतर और अत्यधिक जुड़ाव।
- **3 – Good (अच्छा):** Performs tasks well most of the time. / अधिकांश समय कार्यों को अच्छी तरह से करता है।
- **2 – Developing (विकासशील):** Needs more consistency or effort. / और अधिक निरंतरता या प्रयास की आवश्यकता है।
- **1 – Emerging (नवोदित):** Minimal contribution; needs guidance. / न्यूनतम योगदान; मार्गदर्शन की आवश्यकता है।

Assessment Table / मूल्यांकन तालिका

Rate your Peer on a scale of 1 to 5 for each category.

प्रत्येक श्रेणी के लिए अपने साथियों को 1 से 5 के पैमाने पर रेट करें।

Parameters / मापदंड	Peer Classmate A	Peer Classmate B
1. Responsibility & Contribution (On-time work, dependability) **जिम्मेदारी और योगदान (समय पर कार्य, विश्वसनीयता)**		
2. Teamwork &Behavior (Listening, cooperation, respect) **टीमवर्क और व्यवहार (सुनना, सहयोग, सम्मान)**		
3. Thinking & Effort (Ideas, problem-solving, curiosity) **सोच और प्रयास (विचार, समस्या-समाधान, जिज्ञासा)**		
4. Communication (Active participation, clear speaking) **संचार (सक्रिय भागीदारी, स्पष्ट बोलना)**		
5. Growth & Attitude (Accepting feedback, taking initiative) **विकास और दृष्टिकोण (फीडबैक स्वीकारना, पहल करना)**		
TOTAL SCORE / कुल अंक	**/25**	**/25**

Feedback / फ़ीडबैक

One strength or suggestion for peer / प्रत्येक साथी के लिए एक खूबी या सुधार का सुझाव:

- **Peer Classmate A**____
- **Peer Classmate B**____

Note to Students: Be fair, honest, and respectful. Feedback helps us grow together!
छात्रों के लिए नोट:निष्पक्ष, ईमानदार और सम्मानजनक रहें। फीडबैक हमें एक साथ बढ़ने में मदद करता है!

NEEEV – Self-Assessment Checklist / स्वयं मूल्यांकन चेकलिस्ट

Name / नाम: ________________________________ Class / कक्षा: ________ Date / दिनांक: ___________

Rating Scale / रेटिंग पैमाना:

5: Excellent (Always/नेतृत्व) | 4: Very Good (Consistent/निरंतर) | 3: Good (Mostly/अक्सर) | 2: Developing (Needs Practice/अभ्या सकी जरूरत) | 1: Emerging (Just Started/प्रारंभिक स्तर)

Pillars of Assessment / मूल्यांकन के स्तंभ	Description (English & Hindi) / विवरण	Score (1-5)
1. Responsibility जिम्मेदारी	Completing tasks on time and taking ownership of work. कार्यों को समय पर पूरा करना और काम की जिम्मेदारी लेना।	
2. Participation भागीदारी	Being active in discussions and staying attentive. चर्चाओं में सक्रिय भाग लेना और एकाग्र/सजग रहना।	
3. Teamwork टीमवर्क	Respecting peers, supporting teammates, and including everyone. साथियों का सम्मान करना, टीम का समर्थन करना और सबको साथ लेकरचलना।	
4. Problem-Solving समस्या समाधान	Sharing creative ideas and showing curiosity to find solutions. रचनात्मक विचार साझा करना और समाधान खोजने की जिज्ञासा दिखाना।	
5. Communication संचार	Expressing ideas clearly and listening respectfully to others. विचारों को स्पष्ट व्यक्त करना और दूसरों को सम्मान से सुनना।	
6. Leadership नेतृत्व	Volunteering for tasks and encouraging others to participate. कार्यों के लिए स्वयं पहल करना और दूसरों को प्रोत्साहित करना।	
7. Personal Growth व्यक्तिगत विकास	Learning from mistakes and accepting feedback positively. अपनी गलतियों से सीखना और फीडबैक को सकारात्मकरूप से स्वीकारना।	
TOTAL SCORE	Out of 35 / कुल अंक (35 में से)	/35

Reflection Questions / चिंतन प्रश्न

1. One skill I improved this year (एक कौशल जिसमें मैंने इस वर्ष सुधार किया)।______________________________

2. One challenge I overcame (एक चुनौती जिसका मैने सामना किया):_____________________________________

3. One area I still want to improve (एक क्षेत्र जिसमें मैं अभी भी सुधार करना चाहता/चाहती हूँ):_________________

Student Signature / छात्र-छात्रा के हस्ताक्षर: ______________________________

सलाहकार

श्री पांडुरंग के. पोले, सचिव (शिक्षा), दिल्ली सरकार

सुश्री वेदिता रेड्डी, शिक्षा निदेशक, दिल्ली सरकार

डॉ. रीता शर्मा, निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली सरकार

मार्गदर्शन

डॉ. मुकेश यादव, सचिव, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

संपादक

डॉ. सपना यादव, सहायक प्रोफेसर एवं अध्यक्ष-NEEEV, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

डॉ.समीर गोकर्ण, सहायक प्रोफेसर, नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, दिल्ली

योगदानकर्ता

डॉ. सपना यादव, सहायक प्रोफेसर एवं अध्यक्ष-NEEEV, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

डॉ. ऋतिका ग्रोवर, सहायक प्रोफेसर, हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

श्री आदित्य अरोड़ा, निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO), FAAD कैपिटल

श्री चंदन झा, टी.जी.टी. प्राकृतिक विज्ञान, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक बाल विद्यालय, घिटोरनी

श्री रुपिंदर गर्ग, टी.जी.टी. प्राकृतिक विज्ञान, राजकीय (सह शिक्षा) उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, लाजपत नगर

सुश्री डिंपल मलिक, पी.जी.टी. उद्यमिता (Entrepreneurship), मैक्सफोर्ट स्कूल, द्वारका

सुश्री दिप्ती डेका, फ्रीलांसर

श्री किशन कुमार, सहायक प्रोफेसर, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

सुश्री मीनू गुप्ता, सहायक प्रोफेसर, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

समीक्षा विशेषज्ञ

डॉ. शिक्षा कुशवाह, सहायक प्रोफेसर, नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, दिल्ली

सुश्री सारिका रतवाल, प्रधानाचार्य, जी.जी.एस.एस.एस., सं. 2, नजफगढ़, दिल्ली

अनुवादक समूह

सुश्री सरिता शर्मा, प्रवक्ता राजनीतिक विज्ञान, राजकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, पूर्वी गोकलपुर, दिल्ली

सुश्री प्रिया दीक्षित, प्र. स्ना. शि. (हिंदी) ,सर्वोदय कन्या विद्यालय, राज नगर II, दिल्ली

सुश्री अनुप्रिया सखूजा, पी.आर.टी., द आर्डी स्कूल, दिल्ली

विजूअल डिजाइन

सुश्री दिप्ती डेका, फ्रीलांसर

एस.सी.ई.आर.टी.–NEEEV टीम

श्री फिरदौस अहमद, बी.आर.पी., एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

सुश्री सोनम यादव, बी.आर.पी., एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

प्रकाशन टीम

श्री दिनेश कुमार शर्मा, ए.एस.ओ., एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

सुश्री फ़ौज़िया, बी.आर.पी., एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

टिप्पणियाँ

टिप्पणियाँ

ISBN No : 978-93-6291-480-4

स्वाध्यायान्मा प्रमदः

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद

वरूण मार्ग, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली-110024

उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEV)

विद्यार्थी निर्देशिका 2026–27

कक्षा–8